हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

‘हांगकांग सिक्सेस’ में भारत की कप्तानी करेंगे भुवनेश्वर...

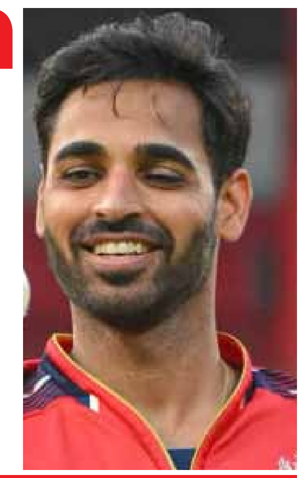

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026, वर्ष- 09, अंक- 222, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भारत-स्विट्ज़रलैंड साझेदारी को नई गति देने के लिए कई अहम फैसले : पीएम मोदी

एफ्टा समझौते से अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का लक्ष्य

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच संबंधों को नई गति और नई ऊंचाई देने के लिए दोनों देशों ने व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, रक्षा, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और मानव संसाधन सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री ने सोमवार को स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य के दौरान कहा कि भारत-स्विट्ज़रलैंड मित्रता सदियों पुरानी है और आज नवाचार, बुनियादी ढांचा तथा उन्नत प्रौद्योगिकी दोनों देशों की साझेदारी के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। प्रधानमंत्री ने स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति का भारत में स्वागत करते हुए भारत-स्विट्ज़रलैंड संबंधों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर में उनके व्यक्तिगत समर्थन से भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (एफ्टा) देशों के बीच ऐतिहासिक व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता लागू हुआ। यह यूरोप के किसी आर्थिक समूह के साथ भारत का पहला मुक्त व्यापार समझौता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समझौता निवेश, नवाचार, रोजगार और साझा समृद्धि का महत्वाकांक्षी खाका भी प्रस्तुत करता है। इसके तहत अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के लक्ष्य को साकार करने का प्रयास किया जाएगा।

कृषि, फार्मा और इंजीनियरिंग निर्यात को बढ़ावा : प्रधानमंत्री ने कहा कि स्विट्ज़रलैंड में भारतीय उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इससे भारत के कृषि उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और इंजीनियरिंग वस्तुओं के स्विट्ज़रलैंड को निर्यात में वृद्धि होगी। वहीं, भारत जैव प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्विस निवेश आकर्षित करेगा। दोनों देश मिलकर विश्व के लिए विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाएं और भरोसेमंद समाधान विकसित करने की दिशा में काम करेंगे।

रक्षा और परमाणु ऊर्जा सहयोग बढ़ेगा : प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत और स्विट्ज़रलैंड ने सैन्य आदान-प्रदान तथा रक्षा उत्पादन में सहयोग की नई संभावनाओं की पहचान की है। इसके साथ ही परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने भारत में स्विस कंपनियों के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी का रोप-वे, नोएडा का जेवर हवाई अड्डा तथा पर्वतीय क्षेत्रों में रेलवे और सुरंग निर्माण परियोजनाएं दोनों देशों के बुनियादी ढांचा सहयोग के उल्लेखनीय उदाहरण हैं। इस सहयोग को और मजबूत करने के लिए परिवहन, आवागमन और बुनियादी ढांचे पर एक समझौता किया गया है।

भारत-स्विट्ज़रलैंड के बीच परिवहन, गतिशीलता और अनुसंधान से जुड़े करार

नई दिल्ली। भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच सोमवार को परिवहन, गतिशीलता एवं अवसंरचना, प्रवासन एवं गतिशीलता तथा युवा पेशेवरों से संबंधित नए समझौते हुए। इनमें स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में नए संयुक्त अनुसंधान शामिल हैं। दोनों पक्षों ने शांति, कूटनीति और वैश्विक संस्थानों के सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। दोनों देशों के बीच आज कुल पांच करार हुए। साथ ही दोनों देशों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित भारत-स्विट्ज़रलैंड अनुसंधान फ्लैगशिप कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज हैदराबाद हाउस में स्विट्ज़रलैंड के राष्ट्रपति गाई पार्मेलिन के साथ व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आज एक्स पर बताया कि भारत के निर्यात के लिए स्विट्ज़रलैंड में बाजार पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और

सरल बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए हैं। इससे भारत के कृषि, फार्मा, कपड़ा और इंजीनियरिंग उत्पादों का स्विट्ज़रलैंड को निर्यात बढ़ेगा और हम भारत के जैव प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, बैंकिंग, बीमा, खाद्य प्रसंस्करण और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए स्विस निवेश को आकर्षित करेंगे। दोनों नेताओं ने संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार एवं निवेश, नवाचार एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सैन्य आदान-प्रदान एवं रक्षा उत्पादन, परमाणु ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जन-जन संबंधों में द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।

ईरान के दोहरे प्रहार से वैश्विक तेल आपूर्ति पर महासंकट!

एजेंसी। तेहरान

दुनिया एक भीषण ऊर्जा संकट की कगार पर खड़ी है, जहाँ ईरान और अमेरिका के बीच चल रहा तनाव अब एक घातक मोड़ ले चुका है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति की दो सबसे महत्वपूर्ण धमनियां, बाब-अल-मंदेब और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो चुकी हैं। इन दोनों जलमार्गों पर ईरान का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण दिखाई दे रहा है, और पिछले एक हफ्ते के अंदर हुए घटनाक्रमों ने दुनिया को एक बड़े युद्ध की आशंका से थर्रा दिया है। रविवार को यमन के तट के पास एक टैंकर के आसपास कई धमाकों की खबर ने वैश्विक चिंताएं बढ़ा दीं। यह घटना मोखा बंदरगाह से 60 समुद्री मील दक्षिण में हुई, जो हूती विद्रोहियों के प्रभाव वाला क्षेत्र है। टैंकर कंपनी के सुरक्षा अधिकारी ने जहाज के करीब कई विस्फोट देखे जाने की पुष्टि की है। गनीमत यह रही कि इस हमले में चालक दल सुरक्षित रहा और पर्यावरण पर कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन इस घटना ने बाब-अल-मंदेब की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हूती विद्रोही लंबे समय से इस क्षेत्र में जहाजों पर

हमले कर समुद्री यातायात को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं, और इस ताजा घटना ने उनके दुस्साहस को उजागर किया है। ठीक इसी समय, तनाव का दूसरा ध्रुव स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में धधक उठा। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने केश्म द्वीप से अमेरिकी नौसेना के जहाजों की सुरक्षा में चल रहे पोतों की ओर कई एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें दागी हैं। इन हमलों के बाद यहाँ विस्फोट की आवाज़ें सुनाई दीं और एक अमेरिकी नौसेना के जहाज को निशाना बनाने की खबरें आईं, जिससे जहाज के इंजन रूम को नुकसान पहुँचा है। हालांकि, जहाज पर मौजूद सभी क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और समुद्र में किसी तरह के प्रदूषण या पर्यावरणीय नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। इस भीषण टकराव के दौरान ऊपर आसमान में चार अमेरिकी केसी-46 पेगासस और एक केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर सक्रिय थे, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। पिछले एक हफ्ते के अंदर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कुल 9 जहाजों पर हमले हो चुके हैं। यह स्थिति तब और बिगड़ गई है जब ईरान द्वारा अमेरिका के सामने रखी गई सात शर्तें नहीं मानी गईं। बाब-अल-मंदेब और होर्मुज दोनों दुनिया के सबसे व्यस्त तेल मार्ग हैं, जिनसे होकर खाड़ी देशों का तेल यूरोप, एशिया और अमेरिका तक पहुँचता है। होर्मुज से जहाँ दुनिया का लगभग 25 प्रतिशत तेल होकर गुजरता है, वहीं बाब-अल-मंदेब से करीब 12-15 प्रतिशत तेल जाता है। इस प्रकार, वैश्विक तेल-गैस के लगभग 40 प्रतिशत मार्ग पर ईरान का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण है।

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने सीईसी ज्ञानेश को निलंबित करने से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। हालांकि, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े करीब 14 फैसले कथित तौर पर अन्य दो चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लिए जाने के आरोपों पर अदालत ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि यदि जवाब से यह सामने आता है कि संबंधित फैसले बिना सहमति के लिए गए थे, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए। पीठ ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, उप चुनाव आयुक्त मनीष गर्ग तथा महानिदेशक (आईटी) सीमा खन्ना को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित लगभग 14 फैसले मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दोनों चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना एकतरफा तरीके से लिए।

पंजाब में भ्रष्टाचार के आरोपों का सीएम और केजरीवाल दें जवाब : भाजपा

नई दिल्ली। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोला है। भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि पंजाब में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं और अब मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा अरविंद केजरीवाल को इन आरोपों पर जनता के सामने जवाब देना चाहिए। पार्टी मुख्यालय में सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संबित पात्रा ने कहा कि भाजपा लंबे समय से पंजाब सरकार में भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े लोगों पर सरकार और कारोबारी हितों के बीच बिचौलिए के तौर पर काम करने तथा सरकारी कामकाज में कथित रूप से प्रभाव डालने के गंभीर आरोप हैं। उन्होंने कहा कि अब हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई जांच से इन आरोपों की सच्चाई सामने आनी चाहिए। भाजपा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल से इस पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। संबित पात्रा ने पंजाब की कानून-व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले 48 घंटों में हत्या की चार घटनाएं सामने आई हैं।

26 लाख से अधिक मतदाता करेंगे फैसला, नंदीग्राम-रेजीनगर से नगांव तक मुकाबला

एजेंसी। नई दिल्ली

छह सीटों पर उपचुनाव

देश के तीन राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश की पांच विधानसभा सीटों तथा एक लोकसभा सीट पर मंगलवार, 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होगा। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मदुरांतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की थट्टनचावडी विधानसभा सीट तथा असम की नगांव लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतगणना 9 अक्टूबर को होगी। इन छह सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक), तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके), अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक), वाम दलों, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) समेत कई दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। अधिकांश सीटें 2026 के विधानसभा चुनाव में दो सीटों से निर्वाचित प्रतिनिधियों के एक सीट छोड़ने अथवा विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण रिक्त हुई हैं। असम की नगांव लोकसभा सीट पर 19,01,899 मतदाता और 2,307 मतदान केंद्र हैं। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर 2026 की मतदाता सूची के अनुसार 2,66,415 मतदाता और 282 मतदान केंद्र हैं। रेजीनगर में 2,39,295 मतदाता और 315 मतदान केंद्र हैं। तमिलनाडु की मदुरांतकम सीट पर 2,13,788 मतदाता और 285 मतदान केंद्र, जबकि धारापुरम में 2,23,247 मतदाता और 320 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट पर 26,921 मतदाता हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इन छह सीटों पर कुल 26,71,565 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसमें नगांव लोकसभा क्षेत्र के मतदाता भी शामिल हैं।

नगांव लोकसभा : 19.01 लाख मतदाता, 2,307 मतदान केंद्रअसम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा के देवाशीष शर्मा, कांग्रेस की सिबामोनी बोरा और एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है।

नंदीग्राम : 2.66 लाख मतदाता, 282 मतदान केंद्रपश्चिम बंगाल में पूर्व मेदनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट इस उपचुनाव की सबसे चर्चित सीटों में शामिल है।

रेजीनगर : 2.39 लाख मतदाता, 315 मतदान केंद्रपश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद जिले की रेजीनगर विधानसभा सीट पर भाजपा ने शंकराव सरकार, तृणमूल कांग्रेस ने रबीउल आलम चौधरी और एजेयूपी ने पूर्व विधायक हुमायूं कबीर के बेटे गोलाम नबी आजाद को उम्मीदवार बनाया है।

मदुरांतकम : 2.13 लाख मतदाता, 285 मतदान केंद्रतमिलनाडु में चेंगलपट्टू जिले की अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित मदुरांतकम विधानसभा सीट पर 2,13,788 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदान के लिए 285 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में 2,614 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जिनमें 480 सीआईएसएफ जवान शामिल हैं।

धारापुरम : 2.23 लाख मतदाता, 320 मतदान केंद्रतमिलनाडु में तिरुपूर जिले की अनुसूचित जाति आरक्षित सीट धारापुरम में 2,23,247 मतदाता मतदान करेंगे। यहां 320 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

थट्टनचावडी : 26,921 मतदाता, 11 उम्मीदवारकेंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी की थट्टनचावडी विधानसभा सीट पर 11 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। छह सीटों का यह उपचुनाव अलग-अलग राज्यों के स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के साथ-साथ प्रमुख दलों के लिए महत्वपूर्ण है। 6 अक्टूबर को मतदान के बाद 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। इसके साथ ही इन छह सीटों पर मतदाताओं के फैसले से नए जनप्रतिनिधियों की तस्वीर साफ हो जाएगी।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में गतिरोध, व्यापार संतुलन फिलहाल भारत के पक्ष में: वित्त मंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है, लेकिन बातचीत एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गई है, जहां आगे बढ़ना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है। राष्ट्रीय राजधानी में म्यूनिख लीडर्स मीटिंग 2026 में बोलते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बेहद कठिन और गहन बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, “बातचीत अभी भी जारी है, हालांकि हम यह मानना चाहेंगे कि दोनों पक्ष एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गए हैं, जिसके आगे कुछ देना या लेना दोनों के लिए बहुत-बहुत मुश्किल हो सकता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि दोनों देश अब भी यह तलाश कर सकते हैं कि क्या आगे बातचीत की कोई गुंजाइश बाकी है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि फिलहाल व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है और अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की चिंता की वजह वर्षों से भारत के साथ होने वाले व्यापार में नुकसान होना है। यह बातचीत फरवरी 2026 में घोषित अंतरिम व्यापार समझौते के लिए तय रूपरेखा के तहत हो रही है। भारत और अमेरिका ने कहा था कि दोनों देश व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखते हुए अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करेंगे। इसके अलावा, वित्त मंत्री ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए व्यापार समझौते को व्यापार समझौतों पर भारत के दृष्टिकोण के उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि यह समझौता करीब दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक-चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली अर्थव्यवस्थाओं को कवर करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्वारा इस्तेमाल किए गए वाक्यांश का जिक्र करते हुए कहा कि इसे “सभी समझौतों की जननी” कहना उचित होगा। उन्होंने कहा कि समझौते के तहत भारत ने अपनी 92.5 प्रतिशत टैरिफ लाइनों और व्यापार मूल्य के करीब 97 प्रतिशत हिस्से को खोल दिया है, जबकि यूरोपीय संघ ने व्यापार मूल्य के करीब 99 प्रतिशत और लगभग 97 प्रतिशत टैरिफ लाइनों को खोला है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि बाजार पहुंच से जुड़ी प्रतिबद्धताओं का चयन दोनों अर्थव्यवस्थाओं की पूरकता और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता के आधार पर किया गया कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

भाजपा ने उप्र से राज्यसभा के लिए 8 उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तर प्रदेश में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव के लिए आठ उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी तरुण चुग ने सोमवार को इन आठ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। जिन आठ नेताओं को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया गया है उनमें धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पाण्डेय, प्रियंका सिंह रावत, रामप्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार शामिल हैं। धर्मपाल सिंह अभी उत्तरप्रदेश सरकार में मंत्री हैं। प्रकाश पाल को हाल ही में भाजपा ने प्रदेश ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष बनाया है।

हेमंत सोरेन ने तृषा सिंह को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन ने सोमवार को स्मार्ट सिटी स्थित आवास पहुंचकर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की दिवंगत पुत्री तृषा सिंह के द्वादशा कार्यक्रम एवं ब्रह्मभोज में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने तृषा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री और कल्पना सोरेन ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत तृषा सिंह की आत्मा को शांति तथा परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति देने की कामना की। इस अवसर पर राज्य सरकार के मंत्री, विधायक एवं अन्य गणमान्य लोगों ने भी तृषा सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

भारत-ईयू एफटीए पर जल्द सहमति की उम्मीद, साझा बाजार से बढ़ेंगे आर्थिक अवसर : मिक्को किविकोस्की

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और शेष तकनीकी एवं विनियामक मुद्दों पर जल्द सहमति बनने की उम्मीद है। भारत में फिनलैंड के नवनियुक्त राजदूत मिक्को किविकोस्की ने कहा कि आवश्यक कानूनी समीक्षा और दोनों पक्षों की संसदों से मंजूरी के बाद समझौता प्रभावी हो सकेगा। उम्मीद है इस साल के अंत तक यह समझौता हो जाएगा। एफटीए भारत और यूरोप के करीब दो अरब लोगों के लिए एक बड़ा साझा बाजार तैयार करेगा और वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों पक्षों के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक संबंधों को मजबूत करेगा। भारत में फिनलैंड के नवनियुक्त राजदूत मिक्को किविकोस्की ने यहां सोमवार को

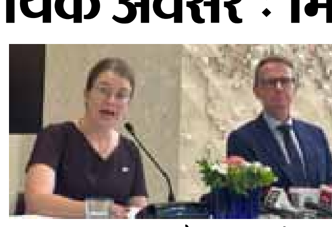

चाणक्यपुरी स्थित फिनलैंड दूतावास में अपनी पहली औपचारिक पत्रकार वार्ता में कहा कि एफटीए के साथ भारत और ईयू के बीच निवेश संरक्षण समझौते (आईपीए) और भौगोलिक संकेतक (जीआई) से जुड़े मुद्दों पर भी समानांतर बातचीत चल रही है। इन समझौतों से व्यापार और निवेश के लिए अधिक सुरक्षित एवं पारदर्शी माहौल तैयार होने की उम्मीद है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में लगातार आ रहे बदलावों के बीच भारत और ईयू एक-दूसरे को विश्वसनीय आर्थिक साझेदार के तौर पर देखते हैं। एफटीए लागू होने से भारत के करीब 1.5 अरब और यूरोप के 27 देशों के 50 करोड़ से अधिक लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे। किविकोस्की ने भारत-फिनलैंड आर्थिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का वर्तमान व्यापार करीब तीन अरब अमेरिकी डॉलर है। दोनों देशों ने 2030 तक इसे दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिनलैंड के नेतृत्व के साथ उच्चस्तरीय वार्ताओं में व्यापार को दोगुना करने से आगे बढ़कर अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने की जरूरत पर जोर दिया है। एफटीए को लेकर सकारात्मक माहौल के बीच फिनलैंड की नई और मध्यम आकार की कंपनियां भारतीय बाजार में निवेश, विनिर्माण और साझेदारी की संभावनाएं तलाश रही हैं। भारतीय कंपनियां भी फिनलैंड और नॉर्डिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में रुचि दिखा रही हैं।

दुबई में बैठे गैंगस्टर राशिद केवलवाला के दो शूटर दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की ईस्टर्न रेंज ने दुबई से चल रहे एक जबरन वसूली और गोलीबारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दुबई में बैठे गैंगस्टर राशिद केवलवाला के इशारे पर राजधानी में हुई गोलीबारी की वारदात के सिलसिले में की गई है। ईस्टर्न रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त मिलिंद डुंबरे ने बताया कि पूरी कार्रवाई पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर बेहद सावधानीपूर्वक की गई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति के घर के पास गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था, उसे अगस्त के महीने में फिरौती के लिए धमकी भरा फोन आया था। पीड़ित को डराने और दबाव बनाने के लिए दुबई में बैठे गैंगस्टर राशिद केवलवाला ने इन शूटरों को गोलीबारी करने का कार्य सौंपा था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किए गए हथियार और वाहन जब्त किए हैं। इनमें 3 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, 18 जिंदा कारतूस और 1 बिना नंबर प्लेट वाली मोटरसाइकिल शामिल है। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

समुद्र में उठी केल्विन वेव का संबंध अलनीनो से: वैज्ञानिक

कैलिफोर्निया। वैज्ञानिकों का दावा है कि प्रशांत महासागर की गहराइयों में उठने वाली केल्विन वेव का संबंध अलनीनो से। केल्विन वेव समुद्र के भीतर गर्म पानी के बड़े पैमाने पर एक दिशा से दूसरी दिशा में बढ़ने से बनती है। इसका संबंध अल नीनो जैसी समुद्री-वायुमंडलीय घटनाओं से बताया जाता है। ऐसी लहरें तटीय क्षेत्रों में समुद्र के जलस्तर, तापमान और मौसम संबंधी परिस्थितियों को प्रभावित कर सकती हैं। केल्विन वेव प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में विकसित हो सकती है। सामान्य परिस्थितियों में व्यापारिक हवाएं गर्म पानी को प्रशांत महासागर के पश्चिमी हिस्से की ओर धकेलती हैं। जब इन हवाओं की ताकत कम होती है, तो पश्चिम में जमा गर्म पानी पूर्व की ओर बढ़ने लगता है। इसी गर्म पानी के विशाल और लंबी दूरी तक चलने वाले प्रवाह को केल्विन वेव कहा जाता है। यह हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है और समुद्र की ऊपरी परतों की स्थिति को बदल सकती है। इस प्रक्रिया को बाथटब के उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि टब के एक हिस्से में पानी को लगातार धकेला जाए तो पानी दूसरी तरफ जमा हो जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पप्पू यादव ने जल संसाधन मंत्री से मांगा इस्तीफा

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बिहार में बाढ़ की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है। इसको लेकर उन्होंने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस अपने आवास पर किया था।उन्होंने न्होंने जल संसाधन मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी के इस्तीफे की मांग की। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं, लेकिन सरकार इसे गंभीरता से नहीं ले रही है।25 साल से सत्ता में रहने के बावजूद नदियों और तटबंधों की स्थिति पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने बाढ़ के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपए खर्च होने के बावजूद नदियों में गाद जमा होने और तटबंधों के टूटने पर सवाल उठाया।पप्पू यादव ने कहा कि गंगा समेत बिहार की कई नदियों में भारी मात्रा में गाद जमा है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर यह गाद किसने जमा की है? क्या इसे नासा ने जमा किया है? उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ के नाम पर सरकार और अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर पैसा खर्च किया, लेकिन नदियों की वास्तविक स्थिति सुधारने पर ध्यान नहीं दिया गया।पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में एक ही जगह बार-बार तटबंध क्यों टूटते हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नेताओं, अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच सांठगांठ है।उन्होंने कहा कि हाल ही में सात इंजीनियरों पर कार्रवाई और निलंबन हुआ है, लेकिन सिर्फ इंजीनियरों पर कार्रवाई से काम नहीं चलेगा।सांसद ने मांग की कि जिन ठेकेदारों के काम में गड़बड़ी सामने आई है, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

शिक्षकों और स्नातकों के अधिकारों की मजबूत आवाज बनेंगे डॉ. संजय यादव और डॉ. असदुल्लाह खान

पटना।पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजय यादव एवं पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. असदुल्लाह खान ने आज बिहार विधान परिषद के चुनाव के लिए आयुक्त कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता, शिक्षक एवं स्नातक समर्थक मौजूद रहे।नामांकन के बाद डॉ. संजय यादव एवं डॉ. असदुल्लाह खान ने कहा कि शिक्षक और स्नातक समाज आज अपनी समस्याओं और अधिकारों को लेकर गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमारी प्राथमिकता विधान परिषद में उनकी मजबूत और प्रभावी आवाज बनना है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा, वेतन एवं पेंशन संबंधी समस्याओं, वित्तविहीन शिक्षकों के सम्मानजनक भविष्य तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। वहीं स्नातक युवाओं के लिए रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर अवसर सुनिश्चित करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन अजय पासवान, सेवादल के प्रभारी अफरोज खान, पटना महानगर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष कुमार आशीष, चंदन सिंह, आशुतोष शर्मा, शशांक शेखर श्रीधर तिवारी, रुचि सिंह, बिपिन झा सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

नीतीश से मिलकर ललन सिंह ने अनंत सिंह से की बात

पटना। जदयू के पटना स्नातक सीट से उम्मीदवार नीरज कुमार और मोकामा विधायक अनंत सिंह के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश तेज हो गई है। नीतीश कुमार और ललन सिंह के बीच सोमवार को हुई मुलाकात के बाद ललन सिंह ने कहा कि उन्होंने मोकामा विधायक अनंत सिंह से बातचीत की। ललन सिंह ने कहा कि बातचीत के दौरान अनंत सिंह ने उनके सामने अपनी कई शिकायतें और पुराने मुद्दे रखे। अनंत सिंह ने बताया कि ताली एक हाथ से नहीं बजतीह्व ललन सिंह के मुताबिक, जब अनंत सिंह के खिलाफ दुष्प्रचार हो रहा था, तब पार्टी की ओर से समय रहते पहल और कार्रवाई होनी चाहिए थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय प्रदेश जदयू संगठन की ओर से चूक हुई। उन्होंने कहा कि अनंत सिंह ने कहा कि जब बिहार सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया था, उस समय जेडीयू के कई नेताओं ने उनसे सरकार के समर्थन की अपील की थी। इसके बाद उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार का समर्थन किया था। ललन सिंह ने अनंत सिंह के हवाले से बताया कि उन्होंने सरकार का समर्थन किसी राजनीतिक फायदे के लिए नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के प्रति सम्मान और समर्थन की भावना से किया था। अनंत सिंह का मानना था कि नीतीश कुमार की सरकार बनी रहनी चाहिए और बिहार में विकास का काम आगे बढ़ना चाहिए।ललन सिंह के मुताबिक, सरकार का समर्थन करने के बाद जब अनंत सिंह नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे थे, तब मुख्यमंत्री ने उनसे खुद मोकामा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए कहा था। ललन सिंह ने कहा कि इस बातचीत के गवाह संजय झा समेत जेडीयू के कई नेता हैं। इसके बाद नीतीश कुमार के कहने पर ही अनंत सिंह चुनाव मैदान में उतरे।

कॉम्फेड में मनाया गया राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस

पटना। कॉम्फेड के मुख्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय डॉल्फिन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव गांगेय डॉल्फिन के संरक्षण, उसके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, जन-जागरूकता, मछुआरा सहभागिता तथा डॉल्फिन संरक्षण से संबंधित संस्थागत ढांचे को और मजबूत करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि कॉम्फेड लंबे समय से गांगेय डॉल्फिन के संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उठाता रहा है। संघ का मानना है कि डॉल्फिन संरक्षण को केवल वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रम के रूप में न देखकर नदी पारिस्थितिकी, परंपरागत मत्स्यजीवियों की आजीविका, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा, पर्यटन एवं नदी परिवहन से जोड़कर एक समग्र नीति के रूप में लागू किया जाना चाहिए। इस अवसर पर कॉम्फेड के प्रबंध निदेशक ऋषिकेश कश्यप ने कहा कि गांगेय डॉल्फिन की उपस्थिति किसी भी नदी के बेहतर पारिस्थितिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण संकेत है। गंगा सहित बिहार की प्रमुख नदियों में डॉल्फिन के प्राकृतिक आवास की रक्षा के लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, मत्स्यजीवी सहकारी समितियों, पारंपरिक मछुआरों, शिक्षण संस्थानों तथा स्थानीय समुदायों के बीच स्थायी समन्वय स्थापित किया जाना आवश्यक है।

दारोगा अभ्यर्थियों पर पुलिस ने भांजी लाठियां, एग्जाम रद्द के विरोध में प्रदर्शन

पटना। राजधानी में 1799 पदों वाली दारोगा भर्ती की मेंस परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी सोमवार को सड़क पर उतर गए। पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग लगाकर छात्रों को रोक दिया। छात्र लगातार बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। छात्रों को कंट्रोल करने के लिए एक पुलिस वाले ने लाठी भांजी। इसके बाद छात्र आक्रोशित हो गए और बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला की तरफ बढ़ गए।हालांकि अभ्यर्थियों को रोकने की पटना पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर कंटीले तार लगाए और लोहे की शील्ड से बैरिकेडिंग की थी। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी ने कहा कि एक महीने में हमलोग भी इनके जैसी वर्दी पहनते, लेकिन सरकार ने हमारा सब कुछ छीन लिया। भीषण गर्मी के बीच हमने फिजिकल की तैयारी की, लेकिन सरकार ने हमारी सारी मेहनत बर्बाद कर दी। दूसरी ओर पटना के गर्दनीबाग में एआईएसएफ की ओर से छात्र-युवा महापंचायत आयोजित की गई, जिसमें दरोगा और बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती के अभ्यर्थी शामिल हुए। अभ्यर्थियों ने सरकार और आयोग पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए बड़े आंदोलन का ऐलान किया है।

प्रसिद्ध विचारक एवं राजनेता स्व0 कैलाशपति मिश्र की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन किया

नई सोच एक्सप्रेस

» स्व0 कैलाशपति मिश्र की जयंती आगामी वर्ष से राजकीय समारोह के रूप में मनाई जाएगी - मुख्यमंत्री

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रसिद्ध विचारक एवं राजनेता, गुजरात के पूर्व राज्यपाल तथा बिहार सरकार के पूर्व मंत्री कैलाशपति मिश्र जी की जयंती के अवसर पर आई०सी०ए०आर० परिसर, पटना में स्व० कैलाशपति मिश्र की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने स्व० कैलाशपति मिश्र को नमन करते हुये कहा कि श्रद्धेय कैलाशपति मिश्र ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण, समाज और संगठन की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके योगदान, विचारों और सार्वजनिक जीवन में उनकी अमूल्य भूमिका को सम्मान देते हुए आगामी वर्ष से उनकी जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनाई जाएगी। यह बिहार की धरती के इस महान सपूत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि और कृतज्ञता का प्रतीक है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया, विधायक संजीव चौरसिया, विधायक संजय कुमार, विधायक मनोज कुमार, विधायक रत्नेश कुमार, विधान पार्षद संजय मयूख, पूर्व विधायक दिलमणी देवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्व० कैलाशपति मिश्र की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भजन कीर्तन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

श्रम कानून को लेकर जन चेतना महत्वपूर्ण : श्रम मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार सरकार श्रम संसाधन एवं श्रमिक कल्याण विभाग में प्रेम यूथ फाउंडेशन प्रतिनिधि मंडल ने अरुण शंकर प्रसाद श्रम मंत्री से मुलाकात की। फाउंडेशन ने अपनी रिपोर्ट सौंपी जिसमें युवाओं, श्रमिकों के अधिकारों और जागरूकता अभियान का विवरण है। श्रम मंत्री ने कहा कि श्रम कानून को लेकर जन चेतना महत्वपूर्ण है। हर श्रमिक को उसके अधिकारों का पता होना चाहिए। सरकार और युवा संगठन मिलकर इस दिशा में काम करेंगे। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार श्रमिकों के हित मे दर्जनों जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है जरूरत है कि हर श्रमिकों तक इसका लाभ उठायें। नये श्रमिक कानून में श्रमिकों एवं नियोक्ताओं के हितों का व्यापक ध्यान रखा गया है । उन्होंने सभी संगठित एवं असंगठित श्रमिकों से आह्वान किया कि ईश्रम कार्ड, लेबर कार्ड, आभा कार्ड जरूर बनवाये। इस मौके पर फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि 5 जिलों में श्रमिक सहायता केंद्र चलाये जा रहे हैं। साथ ही राष्ट्रीय श्रम संस्थान वी वी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान से प्रशिक्षित स्वयसेवक कारखानों में जाकर श्रमिक चौपाल का आयोजन कर रहे है। वही फाउंडेशन के निदेशक देवानंद ने बताया कि फतुहा औद्योगिक क्षेत्रों में सघन अभियान के अंतर्गत हर उद्योगों में श्रमिकों की सिथित पर अध्ययन किया जायेगा जिसका विस्तार से रिपोर्ट श्रम विभाग को सौंपा जायेगा। प्रतिनिधि मंडल में भाजपा के वरिष्ठ नेता रविन्द्र रंजन, फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर मनीषा कुमारी, श्रुति कुमारी, प्रत्यय अमृत, स्नेहा कुमारी शामिल है।

बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से राजद प्रत्याशी दिलीप कुमार ने किया नामांकन, कहा

नई सोच एक्सप्रेस

» जीतेंगे तो हर प्रखंड में बनाएंगे स्नातक भवन
» पटेल परिवार की ओर से आयोजित नामांकन सभा में किया गया स्वागत
» पटेल सेवा संघ में स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

पटना। बिहार विधान परिषद के पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से राजद समर्थित उम्मीदवार दिलीप कुमार उर्फ दिलीप पटेल ने सोमवार को पटना आयुक्त कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद दिलीप पटेल ने पटेल सेवा संघ कार्यालय पहुंचकर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं पटेल सेवा संघ में आयोजित नामांकन सभा में पटेल परिवार के रंजीत पटेल एवं राजेश रंजन के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए दिलीप पटेल ने कहा कि अगर चुनाव जीते हैं तो अपने निर्वाचन क्षेत्र के हर प्रखंड में स्नातक भवन तथा हर जिला में स्नातक रोजगार केंद्र की स्थापना करेंगे। उन्होंने कहा युवाओं का विकास उनको सही समय पर रोजगार मिले उनको बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता मिले तथा विश्वविद्यालय में जो 3 साल की डिग्री 4 साल में मिल रही है इसको ससमय करना उनकी प्राथमिकता सूची में होगा। उन्होंने कहा कि राज्य भर के स्नातक युवाओं की अपेक्षा है कि उन्हें रोजगार मिले तथा प्रदेश में उनके लिए सरकारी योजनाएं चले। श्री पटेल ने कहा की उनके लिए पटना, नालंदा व नवादा तीनों जिला के मतदाता भगवान के स्वरूप हैं और उन्हें हर जगह समर्थन मिल रहा है। उन्होंने एनडीए प्रत्याशी के द्वारा बिजली का लाइन कटवाल देने की बात पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बयान वर्तमान मोच और एनडीए प्रत्याशी हताशा में दे रहे हैं और उन्हें यह समझना चाहिए कि उनके लिए जो मतदाता वोट दिए और जो इन्होंने वोट नहीं दिया सब एक समान हैं। इस मौके पर नामांकन सभा में विधायक रामानंद यादव, कौशल यादव, पिंकी भारती, शक्ति यादव कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि रंजन, राजद जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक दीनानाथ यादव , अनिरुद्ध यादव ,श्रवण कुशवाहा, मो आसिफ,ई अनिल सिंह, राजीव सिंह, जितेंद्र सिंह, इन्द्र जीत कुमार उर्फ बहादुर, रंजीत पटेल, राजेश रंजन सहित बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे ।

भारत अपने हितों से समझौता नहीं, बराबरी के आधार पर दुनिया से व्यापार करेगा : सुमन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री, बिहार सरकार डॉ. संतोष कुमार सुमन ने भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज का भारत वह भारत नहीं है जो किसी के दबाव में अपनी आर्थिक प्राथमिकताएं तय करे। भारत दुनिया के साथ व्यापार और साझेदारी चाहता है, लेकिन अपने राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं।उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण रणनीतिक और व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत किया जाना चाहिए। लेकिन व्यापार समझौते में भारत के किसानों, एमएसएमई, छोटे उद्योगों, निर्यातकों और युवाओं के रोजगार हितों की पूरी सुरक्षा आवश्यक है। बाजार तक पहुंच दोनों तरफ होनी चाहिए और लाभ भी दोनों देशों को समान रूप से मिले—यही वास्तविक साझेदारी है।डॉ. सुमन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है। आज भारत बातचीत में आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखता है और किसी भी समझौते को देश के दीर्घकालिक आर्थिक हितों की कसौटी पर परखने में सक्षम है। भारत को दुनिया के लिए अपना बाजार खोलने के साथ-साथ भारतीय उत्पादों और उद्यमियों के लिए दुनिया के बाजार खोलने पर भी समान जोर देना होगा।उन्होंने कहा कि भारत को व्यापार चाहिए, लेकिन ऐसा व्यापार जो भारतीय किसान की आय बढ़ाए, उद्योग को गति दे, युवाओं को रोजगार दे और देश की आर्थिक शक्ति को मजबूत करे। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर और विकसित भारत की दिशा है। अमेरिका के साथ वार्ता इसी व्यापक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़े, यही देशहित में है।

गेंदा फूल की खेती से किसानों की आय बढ़ाने का लक्ष्य : विजय कुमार सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

» 25 हेक्टेयर के क्लस्टर में होगी गेंदा फूल की खेती, मालवाहक वाहन पर भी मिलेगा 50 प्रतिशत तक अनुदान

पटना। राज्य में गेंदा फूल की खेती को बढ़ावा देने के लिए उद्यान निदेशालय ने गेंदा फूल उत्पादन एवं प्रसंस्करण योजना शुरू की है। योजना के तहत किसानों को क्लस्टर आधारित खेती एवं प्रसंस्करण के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। एक क्लस्टर का क्षेत्रफल 25 हेक्टेयर होगा। इसमें रबी एवं खरीफ मौसम में गेंदा फूल की खेती कराई जाएगी। योजना के लिए आवेदन 15 सितंबर से शुरू हो चुका है और 31 दिसंबर 2026 तक किया जा सकता है।कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य में फूलों की खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। गेंदा फूल उत्पादन एवं प्रसंस्करण योजना के माध्यम से किसानों को क्लस्टर आधारित खेती के लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है। इससे गेंदा फूल की खेती को संगठित रूप देने के साथ इसके परिवहन और विपणन को भी बढ़ावा मिलेगा। किसानों को योजना का लाभ लेकर फूलों की खेती को आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में अपनाना चाहिए।उन्होंने बताया कि योजना के तहत गेंदा फूल की खेती के लिए 80 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इस आधार पर किसान को अधिकतम 40 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर तक अनुदान मिल सकेगा। एक किसान न्यूनतम 0.1 हेक्टेयर और अधिकतम दो हेक्टेयर तक योजना का लाभ ले सकते है। कृषि मंत्री ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए किसान को निर्धारित क्लस्टर में ही आवेदन करना होगा। एक क्लस्टर का क्षेत्रफल 25 हेक्टेयर होगा और इसका चयन एक पंचायत अथवा दो समीपवर्ती पंचायतों के आधार पर किया जाएगा। किसान के पास गेंदा फूल की खेती के लिए भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है। जिन किसानों के पास अपनी भूमि नहीं है, वे निर्धारित एकरारनामा के आधार पर योजना का लाभ ले सकेंगे। भूमि दस्तावेज में आवेदक का नाम स्पष्ट नहीं होने पर वंशावली प्रस्तुत करनी होगी। उन्होंने कहा कि गेंदा फूल के परिवहन के लिए मालवाहक वाहन की खरीद पर भी अनुदान का प्रावधान है। वाहन की अधिकतम लागत 3.25 लाख रुपये मानी जाएगी। वास्तविक वाहन मूल्य या 3.25 लाख रुपये, जो भी कम हो, उस पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। मालवाहक वाहन का लाभ केवल गेंदा फूल की खेती करने वाले किसानों को मिलेगा।वाहन अनुदान के लिए आवेदन करते समय वाहन का कोटेशन, जमीन के कागजात और गेंदा फूल की खेती से संबंधित एकरारनामा एक साथ अपलोड करना होगा। योजना के लिए एलपीसी (भूमि स्वामित्व प्रमाण-पत्र) तथा भूमि उपलब्ध नहीं होने वाले किसानों के लिए एकरारनामा आवश्यक दस्तावेज हैं।

बिहार निर्माता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा का पटना में बने स्मारक : कमल किशोर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-सह-राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी कमल किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर बिहार के निर्माता और संविधान सभा के प्रथम अधिवेशन के अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा की स्मृति को जीवंत बनाये रखने के लिए राजधानी पटना में स्मारक स्थल के निर्माण और उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस महान व्यक्ति से निःशुल्क मिली जमीन पर विधानसभा, सचिवालय एवं हवाई अड्डा समेत कई बड़े सरकारी भवन- संस्थान बने, जिसने बिहार के निर्माण से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन, शिक्षा, पत्रकारिता, राजनीति और संविधान निर्माण तक में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, उनका पटना में कोई स्मारक एवं आदमकद प्रतिमा नहीं होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह स्थिति बिहार की आने वाली पीढ़ी को इतिहास के एक स्वर्णिम अध्याय से वंचित करती है। श्री किशोर ने कहा कि डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ऐसी विभूति थे, जिनका जीवन बिहार के निर्माण और राष्ट्र के विकास के अनेक महत्वपूर्ण पड़ावों से जुड़ा रहा। उन्होंने कलकत्ता, इलाहाबाद और पटना उच्च न्यायालयों में वकालत की। पत्रकारिता में 'बिहार टाइम्स', 'बिहारी' और 'हिंदुस्तान रिव्यू' का संपादन किया तथा 1918 में 'द सर्चलाइट' की स्थापना की। बिहार को अलग प्रांत बनाने के आंदोलन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। जनजागरण, हिंदू-मुस्लिम एकता और अंग्रेजी शासन पर दबाव के प्रयासों के परिणामस्वरूप 1 अप्रैल 1912 को बिहार-उड़ीसा प्रांत का गठन हुआ। उन्हें बिहार निर्माता के साथ-साथ आधुनिक बिहार के प्रमुख वास्तुकारों में माना जाता है। वे बिहार प्रांतीय कांग्रेस समिति के सचिव और अध्यक्ष रहे। 1910 से केंद्रीय विधान परिषद के सदस्य, 1921 में केंद्रीय विधानसभा के प्रथम उपाध्यक्ष, बिहार-उड़ीसा विधान परिषद के अध्यक्ष और प्रांत के प्रथम भारतीय वित्त सदस्य रहे। 1936 से 1944 तक पटना विश्वविद्यालय के कुलपति रहे और पत्नी राधिका की स्मृति में सिन्हा पुस्तकालय की स्थापना की। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा के प्रथम अधिवेशन में सबसे वरिष्ठ सदस्य होने के कारण उन्होंने अस्थायी अध्यक्ष की भूमिका निभाई। दो दिन बाद डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष चुने गए। 1950 में डॉ. सिन्हा ने संविधान पर हस्ताक्षर किए। 6 मार्च 1950 को पटना में उनका निधन हुआ। कमल किशोर ने कहा कि वकील, पत्रकार, शिक्षाविद्, प्रशासक, समाजसेवी और बिहार निर्माता के रूप में डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा की विरासत को पटना में स्मारक और आदमकद प्रतिमा के माध्यम से सम्मान देना राज्य के इतिहास के प्रति सम्मान होगा । साथ ही वर्तमान और आने वाली पीढ़ी बिहार निर्माता डा. सिन्हा से प्रेरणा ले सके

करणी सेना जाति विशेष का संगठन नहीं अपितु हिंदू और हिंदुत्व को समर्पित है

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।करणी सेना(पंजीकृत) की राष्ट्रीय महामंत्री धीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा है कि करणी सेना किसी जाति विशेष का संगठन नहीं अपितु हिंदू ,हिंदुत्व और समाज के दबे कुचले मजलूम लोगों के कल्याण के लिए समर्पित पंजीकृत संगठन है। राष्ट्रीय महामंत्री श्री सिंह पटना में बिहार प्रदेश करणी सेना की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे । इस बैठक में उपस्थित करणी सेना के बिहार प्रभारी अमन सिंह ने कहा कि संगठन के सदस्यों और पदाधिकारी को आम जनमानस को यह बताना होगा कि करणी सेना समाज के प्रत्येक जाति के ऊपर होने वाले अत्याचार के खिलाफ संघर्ष करती है। उन्होंने कहा कि करणी सेना हिंदू और हिंदुत्व की रक्षा के लिए कृत संकल्पित है। बैठक की अध्यक्षता बिहार प्रदेश अध्यक्ष अंजना सिंह राठौर ने की। श्रीमती राठौर ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए संगठन के विभिन्न आयाम पर विचार व्यक्त किया।बैठक में प्रदेश संगठन को मजबूत करने के साथ कार्यकारिणी के गठन और संगठन के विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी में विभिन्न पदों के लिए जिम्मेदारियां तय करने तथा संगठन के प्रति सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही बिहार के विभिन्न जिलों में संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने की रणनीति पर भी विचार किया गया। कार्यकारिणी का गठन इसी उद्देश्य से किया जा रहा है, ताकि संगठन की गतिविधियों को प्रदेश से लेकर जिला और प्रखंड स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान और जिलों में संगठन के विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपकर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर जोर दिया गया। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने और प्रदेश में इसकी गतिविधियों का विस्तार करने को लेकर अपने सुझाव रखे। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन के निर्धारित उद्देश्यों के लिए काम करने का आह्वान किया। बैठक के अंत में प्रदेश कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर सहमति बनी। इस अवसर पर युवा करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश सिंह, करणी सेवा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सिंह, महिला शाखा की पूजा सिंह, आशीष कुमार सिंह, संजीव सिंह, संगठन के प्रदेश मंत्री डॉ विक्रांत सिंह , बिहार ।करणी सेना के प्रदेश प्रवक्ता डॉ श्याम नाथ सिंह इत्यादि ने अपने विचार व्यक्त किया

आपदा प्रबंधन को जन-केंद्रित और प्रभावी बनाने पर उपाध्यक्ष दीपक कुमार का जोर

नई सोच एक्सप्रेस

» विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का ग्राउंड लेवल पर होगा आकलन : दीपक कुमार

पटना।बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभागार में उपाध्यक्ष दीपक कुमार की अध्यक्षता में प्राधिकरण की गतिविधियों, कार्यक्रमों एवं आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत नवनियुक्त माननीय उपाध्यक्ष के स्वागत के साथ हुई। प्राधिकरण के माननीय सदस्य पी. एन. राय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर प्राधिकरण के सदस्य नरेंद्र कुमार सिंह, प्रकाश कुमार एवं शंभू दत्त झा, वित्तीय सलाहकार, प्राधिकरण के प्रोफेशनल्स, पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बीसीए ने किया रणजी ट्रॉफी सहित विभिन्न आयु वर्गों में टीमों के चयन ट्रायल की तिथियां घोषित

पटना। एडमिनिस्ट्रेटर से मिली मंजूरी के बाद बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने बीसीसीआई द्वारा आयोजित आगामी क्रिकेट सत्र के लिए विभिन्न आयु वर्गों एवं टीमों के चयन ट्रायल को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी संबंधित खिलाड़ियों को निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के रणजी ट्रॉफी कैंप 2026-27 में शामिल सभी खिलाड़ियों को सूचित किया गया है कि वे 6 अक्टूबर 2026 को सुबह 8:00 बजे पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में आयोजित होने वाले रणजी ट्रॉफी चयन ट्रायल के लिए रिपोर्ट करें।एसोसिएशन ने सभी संबंधित खिलाड़ियों से निर्धारित समय पर पहुंचकर चयन ट्रायल में भाग लेने का अनुरोध किया है।रणजी ट्रॉफी कैंप 2026-27 में शामिल और अंडर-23 आयु वर्ग में खेलने के योग्य खिलाड़ियों के लिए चयन ट्रायल 5 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे मोइन-उल-हक स्टेडियम, पटना में आयोजित किया जाएगा। सभी पात्र खिलाड़ियों को निर्धारित समय पर ट्रायल स्थल पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। पुरुष अंडर-23 कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी कैंप के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सभी खिलाड़ियों को चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए 5 अक्टूबर 2026 को दोपहर 1:00 बजे तक मोइन-उल-हक स्टेडियम, पटना में रिपोर्ट करना होगा। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के घरेलू टूर्नामेंट सत्र 2025-26 में भाग लेने वाली सभी महिला अंडर-19 खिलाड़ियों को 5 अक्टूबर 2026 को सुबह 9:00 बजे मोइन-उल-हक स्टेडियम, पटना में आयोजित होने वाले अंडर-19 महिला चयन ट्रायल के लिए रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

अंडर 19 वीनू मांकड़ वन डे ट्रॉफी टूर्नामेंट के पहले दो मैचों के लिए बिहार की टीम घोषित

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने वीनू मांकर ट्रॉफी के दो मैचों के लिए बिहार की टीम की घोषणा कर दी है। टीम का चयन बीसीसीआई की ओर से बुलाए गए चयनकर्ताओं कृष्ण मोहन, हरविंदर सिंह सोढ़ी और पथिक पटेल के द्वारा किया गया है। चयनकर्ताओं ने प्रदर्शन और प्रतिभा के आधार पर 17 खिलाड़ियों को मुख्य टीम में शामिल किया है, जबकि 11 खिलाड़ियों को स्टैंडबाय सूची में रखा गया है।मुख्य टीम में आयुष शंकर, रितुराज राज सिंह, शाश्वत यादव, सार्थक झा, युवराज यादव, अमान संजीव राय, अंकित यादव, प्रियंशु कुमार यादव, अनमोल कुमार, पुष्पम राय, मोहित कुमार, विवेक आनंद, मो. किंग, अभिषेक, सत्यम कुमार, शिवम झा और आयुष पटेल शामिल हैं। वहीं स्टैंडबाय सूची में अर्जुन सिंह, अल्हमास सिन्हा, निकेश कुमार, अंशुलान शेखर, सुयश कुमार, हर्ष कुमार, आदित्य कुमार, सचिन राय, आनंद यादव, आयुष कुमार और अनिमेष को रखा गया है। बिहार के इन युवा खिलाड़ियों के लिए वीनू मांकर ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी पहचान बनाने का यह अहम अवसर होगा। टीम के चयन से खिलाड़ियों में उत्साह है और अब सभी की नजरें टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों पर टिकी हैं।

बिहार बोर्ड में प्लस टू में नामांकन के लिए अंतिम अवसर

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वाराओएफएसएसके माध्यम से ग्यारहवीं कक्षा में राज्य के प्लस टू विद्यालयों में ऑनलाईन नामांकन के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।इस सम्बंध में जानकारी देते हुए अध्यक्ष, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति डॉ त्यागराजन एसएम, ने बताया कि सत्र 2026-28 हेतु ग्यारहवीं कक्षा में नामांकन के लिए नौ अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक अंतिम अवसर स्पॉट नामांकन के तहत प्रदान किया जा रहा है। शिक्षण संस्थान अपने संस्थान में इस अवधि में नामांकन लिए हुए विद्यार्थियों की सूची पोर्टल पर16 अक्टूबर तक अपडेट करेंगें। नामांकन के इच्छुक विद्यार्थी शिक्षण संस्थानों में संकायवार रिक्त सीटों की संख्या उक्त पोर्टल पर देख सकते हैं और उसी रिक्ति के आधार पर अपना नामांकन करा सकेंगे। बिहार बोर्ड एवं अन्य परीक्षा बोर्डों के विद्यार्थी जिन्होंने अभी तक 11वीं कक्षा में नामांकन राज्य के संस्थानों में नहीं कराया है, वे इस अंतिम अवसर के तहत अपना नामांकन इस अवधि में जरूर करा लें।

तारीख पर तारीख नहीं, समयबद्ध न्याय मिले : डॉ. पटेल

फतुहा। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य में गंभीर आपराधिक मामलों में त्वरित और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कानून एवं न्यायिक सुधार लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि "तारीख पर तारीख" की व्यवस्था के कारण वर्षों तक मुकदमे लंबित रहते हैं और कई बार निर्दोष व्यक्ति को अपनी बेगुनाही साबित करने में पूरी जिंदगी लग जाती है। डॉ. पटेल ने कहा कि गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए लंबी न्यायिक प्रक्रिया और अधिक कठिन हो जाती है। कई मामलों में 10, 20 या 30 वर्ष बाद फैसला आता है और आरोपी निर्दोष साबित होता है। ऐसे में उसकी खोई जवानी, रोजगार, सामाजिक प्रतिष्ठा और परिवार को हुई आर्थिक क्षति की भरपाई कौन करेगा। उन्होंने कहा कि किसी निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजना केवल उसे नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करता है। बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं और परिवार आर्थिक संकट में फंस जाता है। डॉ. पटेल ने प्रत्येक थाने में एक महिला और एक पुरुष मजिस्ट्रेट की न्यायिक निगरानी व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया, ताकि गिरफ्तारी और जेल भेजने से पहले निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जानबूझकर झूठी शिकायत कर निर्दोष को फंसाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि जेल भेजने की प्रक्रिया में जवाबदेही तय होनी चाहिए तथा गिरफ्तारी और जेल भेजने का कारण रजिस्टर में स्पष्ट रूप से दर्ज कर संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर अनिवार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि न्याय अमीर की सुविधा और गरीब की मजबूरी नहीं बननी चाहिए। अपराधी कानून से डरें और निर्दोष व्यक्ति कानून पर भरोसा करे, ऐसी व्यवस्था ही सच्चे अर्थों में न्यायपूर्ण व्यवस्था होगी।

पुलिस टीम पर हमला कर तस्करों को छुड़ाने की कोशिश, जीरो टॉलरेंस पर पटेल ने उठाए सवाल

फतुहा। पुनपुन थाना क्षेत्र के बेहसारां चकिया गांव में शराब तस्करों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों के एक समूह द्वारा हमला किए जाने की घटना को भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने गंभीर बताया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता की सुरक्षा कौन करेगा? डॉ. पटेल ने कहा कि पुलिस टीम पर पथराव में चार पुलिसकर्मियों के घायल होने और पुलिस वाहन के क्षतिग्रस्त होने की घटना कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा पकड़े गए शराब तस्करों को छुड़ाने का प्रयास कानून के शासन को खुली चुनौती है। उन्होंने सरकार के 'जीरो टॉलरेंस' के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बताती हैं कि अपराधियों में कानून का भय कितना है। उन्होंने मांग की कि पुलिस टीम पर हमला करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही, पकड़े गए तस्करों को छुड़ाने के प्रयास में शामिल लोगों और उनके पीछे काम कर रही ताकतों की भी जांच हो। डॉ. पटेल ने कहा कि पुलिस का मनोबल कमजोर हुआ तो कानून-व्यवस्था का पूरा ढांचा प्रभावित होगा। सरकार को घोषणाओं के बजाय अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर जनता और पुलिस का विश्वास कायम करना चाहिए।

भद्र घाट और महावीर घाट पहुंच पथ हुए रोशन, प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय से राजापुर पुल तक स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना नगर निगम द्वारा शहर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मती का कार्य मिशन मोड में लगातार जारी है। निगम की टीमें सभी अंचलों में गलियों, चौक-चौराहों एवं प्रमुख सड़कों पर फील्ड में सक्रिय रहकर खराब स्ट्रीट लाइट, वायर, स्विच एवं अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का त्वरित निष्पादन कर रही हैं। वर्तमान में प्रतिदिन औसतन 500 से 550 स्ट्रीट लाइटों की मरम्मती की जा रही है।निगम की टीमों द्वारा अभियान चलाकर अभी तक कुल 12,500 से अधिक स्ट्रीट लाइटों को पुनः चालू किया गया। इनमें 2,300 से अधिक मामलों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं, जबकि 10 हजार से अधिक स्ट्रीट लाइटों में वायर, स्विच एवं अन्य तकनीकी गड़बड़ियों को दूर कर उन्हें पुनः संचालित किया गया।नगर आयुक्त यशपाल मीणा द्वारा स्ट्रीट लाइट मरम्मती कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जो स्ट्रीट लाइटें बार-बार मरम्मती के बावजूद खराब हो रही हैं, उन्हें रिपेयर करने के बजाय नई लाइट से तत्काल रिप्लेस किया जाए ताकि एक ही स्थान पर बार-बार लाइट खराब होने की समस्या न आए और नागरिकों को लगातार बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो।अभियान के तहत पटना के विभिन्न महत्वपूर्ण एवं सार्वजनिक स्थलों की प्रकाश व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जा रहा है। निगम की टीम द्वारा भद्र घाट एवं महावीर घाट के पहुंच पथ पर स्थित स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कर दिया गया है। इससे इन महत्वपूर्ण घाटों की ओर आने-जाने वाले लोगों के लिए रात्रि के समय बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित हुई है।इसी क्रम में प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय से राजापुर पुल तक स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याओं का समाधान कर दिया गया है। इसके अलावा ऑफिसर्स फ्लैट, छज्जूबाग, भट्टाचार्या रोड, बुद्ध मार्ग तथा गाय घाट गुरुद्वारा से सिविल कोर्ट तक के विभिन्न हिस्सों में खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मती कर प्रकाश व्यवस्था को बेहतर किया गया है।स्ट्रीट लाइट की शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए निगम द्वारा लगातार 26 से 31 फील्ड टीमों को सक्रिय रखा जा रहा है। ये टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में प्राप्त शिकायतों के साथ-साथ फील्ड निरीक्षण के दौरान चिन्हित खराब लाइटों को भी ठीक कर रही हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लाइटों की मरम्मती के साथ यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शिकायतों का लंबित रहने का समय न्यूनतम हो।नगर निगम द्वारा नागरिकों से प्राप्त स्ट्रीट लाइट संबंधी शिकायतों का भी प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जा रहा है। प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए खराब लाइटों की मरम्मती के साथ-साथ क्षतिग्रस्त वायर एवं स्विच की मरम्मती तथा आवश्यकता पड़ने पर नई लाइट लगाने की कार्रवाई की जा रही है।

गांधी मैदान में 'कला कृषि उद्यम मेला' अपने अंतिम पड़ाव पर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित कला कृषि उद्यम मेला अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। बीते वीकेंड में मेले में खरीदारों और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। दशहरे और त्योहारों की खरीदारी को लेकर गांधी मैदान में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने बताया कि मेले के अब मात्र अंतिम 4 दिन ही शेष रह गए हैं और यह आगामी 9 अक्टूबर तक चलेगा। मेले में वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय पटसन बोर्ड द्वारा लगाए गए 20 स्टॉलों पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। पर्यावरण-अनुकूल जूट से बने थैलों (जूट बैग्स), फाइल फोल्डर, सजावटी सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की मांग सबसे अधिक रही। ग्राहकों के बीच जूट के थैले विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वहीं, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के सहयोग से लगाए गए 6 स्टॉलों पर शुद्ध एवं ऑर्गेनिक शहद तथा उच्च गुणवत्ता वाले मखाने की रिकॉर्ड बिक्री हो रही है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक पटनावासी इन जैविक एवं सहकारी उत्पादों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की प्रोक्योरमेंट एंड मार्केटिंग सपोर्ट स्कीम के तहत देश भर के विभिन्न राज्यों से आए उद्यमियों और शिल्पकारों के 60 स्टॉल लगे हैं। इन स्टॉलों पर उपलब्ध पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम, खादी वस्त्र और होम डेकोर के उत्पाद ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। खरीदारी के साथ-साथ मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, जंपिंग और फन जोन की पूरी व्यवस्था की गई है। साथ ही लजीज व्यंजनों से सजे फूड स्टॉल्स ने इसे पूरे परिवार के लिए एक शानदार डेस्टिनेशन बना दिया है। मेला आयोजन समिति ने पटना वासियों से अपील की है कि मेले के मात्र अंतिम 4 दिन ही शेष हैं। अतः जिन्होंने अभी तक अपनी फेस्टिव खरीदारी नहीं की है, वे गांधी मैदान (गेट नंबर 10) पहुंचकर निःशुल्क प्रवेश के साथ देश भर के कारीगरों का हौसला बढ़ाएं और स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें।

एलन टैलेंटेक्स में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्रा.लि. की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में देश की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए टैलेंटेक्स-2027 परीक्षा अक्टूबर माह में आयोजित होने जा रही है। परीक्षा के लिए बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स आवेदन कर रहे हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 11 अक्टूबर है। आफलाइन व आनलाइन दोनों मोड में होने वाली टैलेंटेक्स-2027 के लिए आफलाइन एग्जाम 25 अक्टूबर को जबकि आनलाइन एग्जाम 25, 28 एवं 31 अक्टूबर को आयोजित होगा। एलन वाइस प्रसीडेंट पंकज अग्रवाल ने बताया कि शुरुआत से अब तक एलन टैलेंटेक्स में 21 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल हो चुके हैं। इस परीक्षा में कक्षा 5 से 10 तक के स्टूडेंट्स शामिल हो सकते हैं। एग्जाम के बाद नेशनल व स्टेट रैंक के साथ ही 2.50 करोड़ के कैश प्राइज तथा एलन कोर्सेज में एडमिशन पर 90 प्रतिशत तक स्कालरशिप दी जाएगी। परीक्षा परिणाम के अतिरिक्त प्रत्येक प्रतिभागी को कम्पीटिटिव सक्सेस इंडेक्स भी प्रदान किया जाएगा। यह एक विशिष्ट परफॉर्मेंस इंडिकेटर है, जो विद्यार्थियों को अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का आकलन करने में मदद करेगा। इस इंडेक्स के माध्यम से स्टूडेंट्स यह पता कर सकता है कि यदि वह जेईई, नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होता तो उसकी क्या नेशनल रैंकिंग रहती। जो विद्यार्थी पहले से एलन के क्लासरूम कोर्स में अध्ययनरत हैं, वे भी इस परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे। विद्यार्थी https://allen.in/tallentex. पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद उन्हें पोर्टल पर उपलब्ध प्रैक्टिस टेस्ट पेपर्स का भी लाभ मिलेगा। परीक्षा का सिलेबस एनसीईआरटी आधारित होगा, जबकि परीक्षा पैटर्न एवं विस्तृत सिलेबस की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी एवं नियम - शर्तों के लिए वेबसाइट पर विजिट करें। परीक्षा दो घंटे की होगी, जिसमें बहुविकल्पी व इन्टिजर टाइप प्रश्न होंगे, जिसमें फिजिक्स, कैमेस्ट्री, मैथ्स, बॉयोलॉजी एवं लॉजिकल मेंटल एबिलिटी के प्रश्न पूछे जाएंगे। पेपर एनसीईआरटी के सिलेबस पर आधारित होगा।

» नेशनल रैंकिंग के साथ 2.50 करोड़ के कैश प्राइज एवं एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की DPR प्रगति की समीक्षा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की गई। बैठक में DPR मंजूरी, अलाइनमेंट, भूमि अधिग्रहण, वन एवं पर्यावरण मंजूरी, यूटिलिटी शिफ्टिंग और रेलवे ओवरब्रिज (ROB) से संबंधित एनओसी की स्थिति की समीक्षा हुई। सचिव ने DPR तैयार करने में कंसल्टेंट की शिथिलता पर कड़ी नाराजगी जताते हुए निर्धारित समय-सीमा में त्रुटिरहित फाइनल DPR सौंपने का निर्देश दिया। लापरवाही बरतने वाले कंसल्टेंट को नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए प्रतिदिन समीक्षा करने और संबंधित विभागों से लगातार समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में विक्रमशिला एप्रोच रोड, राम जानकी मार्ग, कमला नदी पुल व जयनगर बाईपास, सिंहेश्वर बाईपास, अरवल-बिहारशरीफ सड़क, नौबतपुर-हरिहरगंज फोरलेनिंग, बेतिया बाईपास, समस्तीपुर बाईपास सहित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की गई। सचिव ने कहा कि इन परियोजनाओं से राज्य में कनेक्टिविटी और यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

» कंसल्टेंट की शिथिलता पर सचिव ने जताई नाराजगी, रोजाना समीक्षा के निर्देश

बाल्डविन एकेडमी में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2026 का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बाल्डविन एकेडमी द्वारा बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा विषय पर सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण के महत्व के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया के.एन.वी. चिन्ना राव, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ महाप्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, एफजीएमओ, पटना सौंदर्य भूषण साहनी, जोनल मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया, पटना जोन ओम प्रकाश चौधरी,तथा बैंक ऑफ इंडिया के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बाल्डविन एकेडमी के सचिव श्री प्रभास कुमार की गरिमामयी उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना से हुआ, जिसके बाद अतिथियों का सम्मान किया गया। सभा को संबोधित करते हुए बाल्डविन एकेडमी के प्राचार्य डॉ. राजीव रंजन सिन्हा ने कहा कि वास्तविक एवं स्थायी प्रगति की नींव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही और पारदर्शिता पर ही टिकी होती है। उन्होंने विद्यार्थियों में कम उम्र से ही नैतिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करने में विद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।मुख्य अतिथि के.एन.वी. चिन्ना राव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सतर्कता, जवाबदेही, संस्थागत सत्यनिष्ठा और नैतिक निर्णय लेने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ कि सतर्कता की शुरूआत व्यक्ति स्वयं से करता है और सत्यनिष्ठा हमारे दैनिक निर्णयों एवं व्यवहार का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए।

कलमजीवियों को एक मंच पर जोड़ने की पहल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पत्रकारिता, लेखन और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोगों को एक मंच पर संगठित करने के उद्देश्य से 'संघ कलमजीवी' की बैठक रविवार को रामनगरी मोड़ स्थित संघ कार्यालय में हुई। अध्यक्षता डॉ. प्रभात चंद्रा ने की। बैठक में संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान, प्रचार-प्रसार और सोशल मीडिया की सक्रियता को लेकर विचार-विमर्श किया गया। अधिक से अधिक पत्रकारों, लेखकों और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया गया। सदस्यों ने फेसबुक पर संगठन की गतिविधियों की नियमित जानकारी साझा करने तथा पोस्टर-बैनर के माध्यम से प्रचार बढ़ाने का निर्णय लिया। बैठक में दुर्गापूजा, दीपावली, गोवर्धन पूजा, चित्रगुप्त पूजा और छठ महापर्व के दौरान संगठन के बैनर तले सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करने पर सहमति बनी। संगठन की अगली बैठक 10 अक्टूबर को शाम चार बजे आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में बृज भूषण लाल कर्ण, विजय कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरके गुप्ता, शैलेश कुमार, अनुराग समरूप, डॉ. चेतना, डॉ. राकेश, चार्टर्ड अकाउंटेंट देवांशु और जितेन्द्र कुमार सिन्हा समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

» 'संघ कलमजीवी' की बैठक में सदस्यता अभियान व सोशल मीडिया सक्रियता पर जोर

एम्स पटना में तीसरा लिवर ट्रांसप्लांट, मृतक दाता से पहली बार किडनी प्रत्यारोपण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। एम्स पटना में 2 अक्टूबर को 29 वर्षीय विल्सन डिजीज से पीड़ित युवक का सफल लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। करीब 12 घंटे चली सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है। यह एम्स पटना का तीसरा और पिछले दो महीनों में दूसरा लिवर ट्रांसप्लांट है। इसी दौरान पहली बार मृतक दाता से किडनी का प्रत्यारोपण भी किया गया। यह किडनी 19 वर्षीय डायलिसिस पर चल रही युवती को लगाई गई। इसके साथ संस्थान में किडनी ट्रांसप्लांट की संख्या 15 हो गई। अंगदाता बिहारशरीफ निवासी थे, जिन्हें गंभीर सिर की चोट के बाद ब्रेन डेड घोषित किया गया था। परिजनों की सहमति से उनका लिवर, दोनों किडनी और दोनों कॉर्निया दान किए गए। एक किडनी और लिवर का प्रत्यारोपण एम्स पटना में हुआ, जबकि दूसरी किडनी को स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन, बिहार के माध्यम से राज्य में प्रत्यारोपण के लिए आवंटित किया गया। एम्स प्रशासन ने अंगदान करने वाले परिवार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके निर्णय से कई मरीजों को जीवन की नई उम्मीद मिली है।

आयुष्मान की प्रस्तुति ने अमिताभ को दिलाई कभी कभी और दीवार की यादें

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के कौन बनेगा करोड़पति सीज़न 18 में अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान अपनी आगामी फिल्म उड़ता तीर के प्रमोशन के लिए पहुंचे। इस दौरान आयुष्मान खुराना ने अमिताभ बच्चन के लिए "कभी कभी मेरे दिल में" की प्रस्तुति दी।आयुष्मान की प्रस्तुति से अमिताभ बच्चन पुरानी यादों में खो गए। उन्होंने बताया कि यह गीत उनकी फिल्म कभी कभी का है, जिसकी शूटिंग कश्मीर में हुई थी। उन्होंने यह भी याद किया कि कभी कभी की शूटिंग के दौरान ही यश चोपड़ा की फिल्म दीवार की शूटिंग भी चल रही थी। अमिताभ ने यश चोपड़ा के निर्देशन की विविधता और दोनों फिल्मों के बिल्कुल अलग माहौल का जिक्र किया। इस खास मौके पर आयुष्मान खुराना और सारा अली खान ने अमिताभ बच्चन से उनके कुछ प्रतिष्ठित संवाद अलग-अलग भावनाओं के साथ प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। दोनों कलाकारों ने उनके जन्मदिन के महीने को खास अंदाज में मनाया। कौन बनेगा करोड़पति सीज़न 18 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे प्रसारित होता है।

हिमालया बेबीकेयर ने गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित नंबर 1 ब्रांड, हिमालया बेबीकेयर ने अपने गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा की है। कॉन्टेस्ट में उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत से कुल 12 विजेताओं को चुना गया। इनमें चार विजेताओं को 1-1 लाख रुपये मूल्य का सोना और आठ विजेताओं को 10-10 हजार रुपये के सिल्वर वाउचर प्रदान किए गए, जिन्हें तनिष्क या कल्याण के कॉइन्स के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। हिमालया बेबी गोल्डन गिफ्ट पैक को खास गोल्ड-एडिशन गिफ्ट पैक के तौर पर पेश किया गया था। इसके जरिए ग्राहकों को 'हिमालया गोल्डन मोमेंट्स प्रोग्राम' में हिस्सा लेने का अवसर मिला। प्रतिभागियों को पैक के अंदर मौजूद लीफलेट को स्क्रैच कर यूनिक कोड प्राप्त करना, क्यूआर कोड स्कैन करना और अपने बच्चे के साथ बिताई अनमोल याद को अपलोड करना था। सभी प्रतिभागियों को 500 रुपये मूल्य की माय बेबी एन्ड मी ई-बुक निःशुल्क दी गई। इस घोषणा में प्रमुखता से शामिल विजेताओं में विनोथिनी लियो, सुश्री संगीता बेउरा, जयंती देवी, डेविड राज डेवेराकोंडा और सरफराज अहमद शामिल हैं। इस अवसर पर चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस ने कहा कि 'गोल्डन गिफ्ट पैक कॉन्टेस्ट' माता-पिता होने के रोजमर्रा के पलों का जश्न मनाने और परिवारों से जुड़ने का अवसर था।

संक्षिप्त समाचार

36 करोड़ के सोना लूटकांड में समस्तीपुर के युवक पर दो लाख का इनाम घोषित

समस्तीपुर। जमशेदपुर के बहुचर्चित और देश के सबसे बड़े सोना लूटकांड में से एक, करीब 36 करोड़ रुपये की डकैती मामले की जांच की आंच अब बिहार के समस्तीपुर जिले तक पहुंच चुकी है। झारखंड पुलिस की तफ्तीश में एक बड़ा खुलासा हुआ है, जिसमें समस्तीपुर जिले के अंगारघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चैता गांव के रहने वाले युवक का नाम मुख्य आरोपियों में सामने आया है। आरोपी की पहचान अरुण कुमार राय के पुत्र प्रियदर्शी उर्फ दर्शन कुमार के रूप में की गई है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में संलिप्तता की पुष्टि होने के बाद झारखंड पुलिस ने आरोपी की तस्वीर जारी कर दी है। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपी पर दो लाख रुपये का नगद इनाम घोषित किया है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, जो भी व्यक्ति इस फरार आरोपी को गिरफ्तार करवाने में मदद करेगा या उसकी सटीक पहचान और ठिकाने की जानकारी देगा, उसे यह इनामी राशि दी जाएगी। जानकारी देने वाले की पहचान पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। इस बड़े खुलासे के बाद झारखंड पुलिस की एक विशेष टीम समस्तीपुर पहुंच चुकी है और स्थानीय पुलिस के सहयोग से अंगारघाट थाना क्षेत्र सहित जिले के कई संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी के करीबियों और रिश्तेदारों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है ताकि उसे जल्द से जल्द कानून के शिकंजे में लिया जा सके। इस बड़ी कार्रवाई से पूरे समस्तीपुर जिले और चैता गांव में हड़कंप मचा हुआ है।

दो प्रसूताओं की मौत के बाद निजी क्लिनिक में छापेमारी

» मंत्री के निरीक्षण के कुछ घंटे बाद प्रशासन की कार्रवाई, सीसीटीवी व रिकॉर्ड खंगाले

जमुई। सदर अस्पताल में दो प्रसूता महिलाओं की मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। रविवार को मंत्री श्रेयसी सिंह ने सदर अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री के लौटने के कुछ घंटे बाद एसडीओ सौरव कुमार के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने शहर स्थित डॉ. शालिनी के निजी क्लिनिक में अचानक छापेमारी की। टीम में सदर अंचल अधिकारी और सदर अस्पताल उपाधीक्षक शामिल थे। सुरक्षा के लिए पुलिस बल भी तैनात किया गया। टीम ने क्लिनिक में मरीजों से इलाज की जानकारी ली तथा उपचार रजिस्टर, मरीजों के रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए। सूत्रों के अनुसार, डॉ. शालिनी के आवास पर मौजूद होने के बावजूद कथित तौर पर गेट नहीं खोले जाने की बात सामने आई है। हालांकि प्रशासन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। दो प्रसूताओं की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था और इलाज में लापरवाही को लेकर सवाल उठाए थे। निजी क्लिनिक में छापेमारी का दोनों मौतों से सीधा संबंध है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

शौचालय सफाई के लिए निर्धारित राशि से अधिक लेने का आरोप, चार दिन बाद भी नहीं हुई टंकी की सफाई

मोतिहारी। नगर पंचायत सुगौली में शौचालय की टंकी सफाई को लेकर निर्धारित राशि से अधिक रुपये लेने और समय पर सफाई नहीं कराने का मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 11 निवासी शाहिद अली ने बताया कि उन्होंने 30 सितंबर को नगर पंचायत में शौचालय की टंकी सफाई के लिए निर्धारित राशि जमा कर रसीद ली थी। चार दिन बीत जाने के बाद भी सफाई नहीं होने पर उन्होंने सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। शाहिद अली का आरोप है कि शौचालय सफाई के लिए उनसे दो हजार रुपये की मांग की गई और राशि जमा करने के बाद उन्हें मात्र एक हजार रुपये की रसीद दी गई। मामले की शिकायत उन्होंने मुख्य पार्षद से भी की।मुख्य पार्षद ने मामले की जानकारी संबंधित कर्मचारी शैली को देते हुए निर्देश दिया कि निर्धारित राशि ही ली जाए तथा अधिक ली गई राशि वापस की जाए। उन्होंने कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि नगर पंचायत में निर्धारित नियमों के विपरीत किसी तरह की कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

ताजपुर में भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार, महिंद्रा जायलो वाहन जब्त

समस्तीपुर/ताजपुर। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए चलाई जा रही मुहिम के तहत ताजपुर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। आज सुबह गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ताजपुर थाना के गश्ती पदाधिकारी पुलिस अवर निरीक्षक कलानंद कुमार ने मोतीपुर सब्जी मंडी के पास विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान एक संदिग्ध महिंद्रा जायलो चार चक्का वाहन को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई, तो पुलिस टीम दंग रह गई। वाहन के भीतर से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 292.845 लीटर मापी गई है। बरामद की गई सभी शराब इम्पीरियल ब्लू ब्रांड की है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से ही एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के प्रेम बरहंडा निवासी मोहम्मद राजा के रूप में हुई है, जो मोहम्मद मुख्तार का पुत्र है। इस बड़ी बरामदगी और गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अवैध शराब और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही महिंद्रा जायलो गाड़ी को अपने कब्जे में ले लिया है। इस संबंध में ताजपुर थाना में बिहार उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कांड संख्या 228/26 दर्ज कर आगे की कानूनी जांच और अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस प्रशासन इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य फरार शराब कारोबारियों की पहचान करने और उन्हें दबोचने के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रहा है।

एसएसबी बेतिया में तीन दिवसीय अंतर-सीमांत कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) बेतिया में तीन दिवसीय अंतर-सीमांत कबड्डी प्रतियोगिता 2026 का शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पटना सीमांत के महानिरीक्षक निशित कुमार उज्ज्वल ने किया। प्रतियोगिता में एसएसबी के विभिन्न सीमांतों की कुल 60 टीमें, जिसमें फ्रंटियर सीमांतों के साथ एक बल मुख्यालय की टीम भी शामिल है, हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए महानिरीक्षक निशित कुमार उज्ज्वल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जवानों में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विभिन्न सीमांतों से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से जवानों के बीच आपसी सौहार्द, भाईचारा और समन्वय मजबूत होता है। प्रतियोगिता केवल जीत-हार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक-दूसरे से सीखने और संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करती है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन की जिम्मेदारी सीमांत पटना की ओर से क्षेत्रीय मुख्यालय बेतिया को सौंपी गई थी। आयोजन को सफल बनाने में पूरी सेक्टर टीम के साथ 65वीं बटालियन तथा जिला खेल विभाग का भी सहयोग रहा। अधिकारियों ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, जवानों, कर्मियों और जिला खेल विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह में चंपारण रेंज के डीआईजी हर किशोर राय, एसएसबी के डीआईजी हरिप्रकाश, वरीय पुलिस अधीक्षक कुमार गौतम, बगहा एसपी राजेश कुमार, बेतिया नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया, कमांडेंट विपिन कुमार, बलवंत सिंह सहित एसएसबी के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही जवानों में खासा उत्साह देखने को मिला। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करेंगे।

शिक्षक समाज निर्माण के मजबूत स्तंभ : सिद्धार्थ कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

परबत्ता (खगड़िया)। मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में रविवार को विश्व शिक्षक दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने किया। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने कहा कि भारत में गुरु का स्थान सदियों से विशेष रहा है। शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि संस्कार, जीवनदृष्टि और सफलता का मार्गदर्शक भी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है और शिक्षक इस रीढ़ को मजबूत करने वाले स्तंभ हैं। उन्होंने तकनीकी युग में शिक्षकों की बढ़ती जिम्मेदारियों पर भी प्रकाश डाला। प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने बताया कि विश्व शिक्षक दिवस प्रत्येक वर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को की पहल पर हुई थी। शिक्षक निरंजन कुमार ने कहा कि बदलते डिजिटल दौर में शिक्षक की भूमिका समाप्त नहीं हुई, बल्कि और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। मौके पर शिक्षक रामविनोद साह, रामलाल पंडित, उत्कर्ष कुमार सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

एनएसएस समाजसेवा से व्यक्तित्व विकास का प्रमुख आधार : डॉ. चौरसिया

नई सोच एक्सप्रेस

राजनगर (मधुबनी)। विश्वेश्वर सिंह जनता महाविद्यालय, राजनगर की एनएसएस इकाई की ओर से 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एनएसएस स्थापना दिवस सह स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. आलोक पाठक के निर्देशन और कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. बिभा कुमारी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम के समापन पर स्वयंसेवकों ने कॉलेज परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया तथा पौधारोपण किया। समापन समारोह में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक-प्रथम डॉ. आरएन चौरसिया ने ऑनलाइन मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाजसेवा और राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस के माध्यम से चरित्र निर्माण, अनुशासन और मानवीय गुणों का विकास होता है। विशिष्ट अतिथि डीएसपी ट्रैफिक सुजीत कुमार ने विद्यार्थियों को एनएसएस के लोगो व ध्येय वाक्य की जानकारी देते हुए यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद सर्राफ ने एनएसएस की गतिविधियों की सराहना की। कार्यक्रम में निबंध, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं। छात्राओं काजल, आरती और माला कुमारी ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। अतिथियों एवं प्राध्यापकों ने कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया तथा स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बिभा कुमारी ने किया। शुरुआत राष्ट्रगीत और समापन राष्ट्रगान से हुआ।

दुर्गापूजा को लेकर मलयपुर पुलिस अलर्ट, पंडालों में सीसीटीवी और विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर मलयपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष शेखर सौरभ ने की। मौके पर बरहट सीओ मयंक अग्रवाल, पूजा समितियों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, चौकीदार और गणमान्य लोग मौजूद रहे। पुलिस ने पूजा समितियों को पंडालों में सीसीटीवी लगाने, प्रवेश-निकास के लिए अलग रास्ते बनाने और पर्याप्त स्वयंसेवक तैनात करने का निर्देश दिया। संदिग्ध गतिविधि और अफवाह की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ संदेश प्रसारित करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। ध्वनि विस्तारक यंत्र के निर्धारित नियमों का पालन करने तथा अश्लील या आपत्तिजनक गीत नहीं बजाने का निर्देश दिया गया। शराब के नशे में हुड़दंग और शांति भंग करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की बात कही गई। प्रतिमा विसर्जन के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की जाएगी। जरूरत के अनुसार मार्गों में बदलाव और बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जा सकती है। पंडालों व संवेदनशील स्थानों पर पुलिस गश्त बढ़ाने की भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पूजा समितियों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की अपील की।

जमुई सदर अस्पताल में दो मौतों से हड़कंप, जिला पार्षद ने सिविल सर्जन को निलंबित करने की मांग की

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। जिले के सदर अस्पताल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही से दो मरीजों की मौत के बाद मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। अस्पताल की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस घटना को लेकर जनप्रतिनिधियों में भी भारी आक्रोश है।झाझा प्रखंड के जिला परिषद सदस्य धर्मदेव यादव ने इस घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने पूरे मामले को बेहद गंभीर और चिंताजनक बताया है। धर्मदेव यादव ने कहा कि सदर अस्पताल गरीब और आम लोगों के लिए अंतिम उम्मीद होता है।यहां इलाज के लिए पहुंचने वाले हर मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और समय पर चिकित्सा सेवा मिलना उनका संवैधानिक अधिकार है।अगर समय पर इलाज नहीं मिलने और चिकित्सकीय लापरवाही के कारण दो लोगों की जान गई है, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि आपराधिक कृत्य है।उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। जांच में जो भी चिकित्सक या कर्मी दोषी पाए जाएं, उनके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। **सिविल सर्जन पर उठाए सवाल--** जिला पार्षद ने सीधे तौर पर सिविल सर्जन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल में व्यवस्था, अनुशासन और मरीजों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सिविल सर्जन की है। यदि अस्पताल में डॉक्टर समय पर नहीं आते, दवाएं नहीं मिलती और मरीज तड़प-तड़प कर दम तोड़ देते हैं, तो इसकी पूरी जवाबदेही सिविल सर्जन को लेनी होगी।उन्होंने मांग की है कि इस मामले में सिविल सर्जन को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए।धर्मदेव यादव ने राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग से अपील की है कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर जल्द जांच और कार्रवाई नहीं हुई तो जिला परिषद के सदस्य और आम लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे।इधर,सदर अस्पताल में हुई दो मौतों के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों का आरोप है कि अस्पताल में अक्सर डॉक्टर गायब रहते हैं और मरीजों को निजी क्लीनिकों में जाने को मजबूर किया जाता है।

नवरात्रि से पहले नगर के सभी वार्डों में होगी विशेष सफाई

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। सुगौली नगर पंचायत कार्यालय में सोमवार को बोर्ड की बैठक मुख्य पार्षद नसरीन अली की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में नगर की साफ-सफाई व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। वार्ड पार्षदों ने नवरात्रि को देखते हुए नगर क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाने पर जोर दिया।पार्षदों ने कहा कि 11 अक्टूबर से नवरात्रि पर्व शुरू हो रहा है। नगर क्षेत्र के कई स्थानों पर धूमधाम से पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ऐसे में नवरात्रि शुरू होने से पहले नगर पंचायत के सभी वार्डों में साफ-सफाई पूरी कर ली जानी चाहिए, ताकि पूजा स्थलों और आने-जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं को गंदगी का सामना नहीं करना पड़े। कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर नगर के सभी वार्डों में साफ-सफाई का कार्य पूरा करा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में नियमित रूप से बेहतर तरीके से सफाई कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में उप मुख्य पार्षद सरिता देवी, वार्ड पार्षद श्याम शर्मा, रवि पासवान, राजकुमार सराफ, शैलेश पटेल, शिवराम, अकरम, जितेंद्र सिंह, अरफा खातून, नजमा खातून, शकुंतला देवी, तारा खातून, अंबेया खातून, कामिनी श्रीवास्तव, मदीना खातून, इशरत बदतूल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जहानाबाद के 37 स्कूलों में मिलीं कई कमियां, ग्राम सभा सह-जनसुनवाई में उठा शिक्षा व्यवस्था का मुद्दा

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। मोदनगंज प्रखंड संसाधन केंद्र के सभागार में सामाजिक अंकेक्षण के बाद प्रखंड स्तरीय ग्राम सभा सह-जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड की 3 ग्राम पंचायतों के 37 विद्यालयों और एक कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय (KGBV) में सामाजिक अंकेक्षण के दौरान सामने आई समस्याओं को रखा गया। जनसुनवाई के दौरान विद्यालयों में कक्षाओं की कमी, शिक्षकों की कमी, शौचालय की व्यवस्था, जर्जर भवन और खेल मैदान जैसी समस्याएं सामने आईं। इसके अलावा कई विद्यालयों में पुस्तकालय में पुस्तकों की कमी तथा डिजिटल सुविधाओं के अभाव की भी जानकारी दी गई। सामाजिक अंकेक्षण में कई विद्यालयों में पेयजल की नियमित जांच नहीं होने की बात सामने आई। वहीं, सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर मशीन की सुविधा का अभाव भी पाया गया। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों यानी CWSN को जरूरी सहायता और उपकरण उपलब्ध नहीं होने की समस्या भी जनसुनवाई में रखी गई। कार्यक्रम में VSS से नामित सदस्य स्वी देवी, CSO से नामित सदस्य राजीव रंजन, प्रखंड विकास पदाधिकारी धनंजय कुमार, जिला से नामित पदाधिकारी, CLF से नामित सदस्य कुमारी नीलम, APO सह मीडिया प्रभारी नैशनिका, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार मौजूद रहे। इसके अलावा जिला संसाधन सेवी सोनी कुमारी तथा प्रखंड संसाधन सेवी मुकेश कुमार, अरुणोदय कुमार और संध्याहोद भी जनसुनवाई में शामिल हुए। जनसुनवाई के दौरान सामाजिक अंकेक्षण में सामने आई समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा गया। अधिकारियों ने मामलों को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई और विद्यालयों में व्यवस्थाओं में सुधार का भरोसा दिलाया है।

वन्यजीव संरक्षण का संदेश लेकर स्कूल पहुंचा वन विभाग, बच्चों ने चित्रों से दिखाई प्रकृति के प्रति संवेदना

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। वन्यजीव संरक्षण के प्रति आमजन और खासकर विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह मनाया जाता है। इसी क्रम में 5 अक्टूबर 2026 को गया वन प्रमंडल गया के अंतर्गत जहानाबाद वन क्षेत्र में राजकीय मध्य विद्यालय, हीरलगंज में वन विभाग की ओर से वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन क्षेत्र पदाधिकारी रितु परना, वनपाल आदर्श कुमार तथा वनरक्षी मुकेश कुमार, शशि कुमार और अनिल कुमार की मौजूदगी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और वन्यजीव, पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण से जुड़े आकर्षक चित्र बनाए। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के पदाधिकारियों और कर्मियों ने विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, जैव विविधता तथा वन एवं वन्यजीवों के महत्व के बारे में जानकारी दी। बच्चों को वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील रहने और उनके संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने से बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी रुचि और जागरूकता भी दिखाई। वन विभाग ने बताया कि वन्यजीव सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान वन्यजीवों के व्यवहार, संरक्षण, सुरक्षित रेस्क्यू और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी भी दी जा रही है। कार्यक्रम का संदेश साफ था कि वन्यजीवों को समझना ही उनके संरक्षण की पहली सीढ़ी है। बच्चों को प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति जागरूक बनाकर भविष्य में संरक्षण की मजबूत नींव तैयार की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

15 अक्टूबर को होगा भव्य 'डांडिया फेस्ट 2026', सेलिब्रिटी गेस्ट होंगे विमल पांडेय और पल्लवी गिरी

पटना।राजधानी पटना में बहुप्रतीक्षित 'डांडिया फेस्ट 2026' का आयोजन आगामी 15 अक्टूबर को भव्य अंदाज में किया जाएगा। बब्ली चंद्रा द्वारा आयोजित इस डांडिया नाइट में संगीत, नृत्य, गरबा और डांडिया के साथ मनोरंजन का शानदार माहौल देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में भोजपुरी अभिनेता विमल पांडेय और अभिनेत्री पल्लवी गिरी सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में शामिल होंगे, जबकि कार्यक्रम की एंकरिंग राज लक्ष्मी करेंगी। कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक अनुराग मूवीज हैं। वहीं, दीपक यादव का विशेष सहयोग प्राप्त है। कार्यक्रम के कानूनी सहयोगी एस. कुमार एंड एसोसिएट, मेकओवर पार्टनर चुई-मुई एकेडमी एंड सैलून तथा डांस पार्टनर टीम एफएम डांस हैं। सह-प्रायोजक त्रिदेव सोलर हैं। इसके अलावा युवा खेल फाउंडेशन, इवेंटॉन वेडिंग प्लानर्स, अरविंदो हर्बल्स एवं दिवाकर शर्मा कार्यक्रम के सहयोगी प्रायोजक हैं। आयोजक रंजीत महापात्रा और गौतम झा ने बताया कि 'डांडिया फेस्ट 2026' का उद्देश्य लोगों को ऐसा मनोरंजक मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे परिवार और दोस्तों के साथ डांडिया, संगीत और उत्सव का आनंद ले सकें। कार्यक्रम में आकर्षक प्रस्तुतियों और मनोरंजन के साथ एक यादगार उत्सवपूर्ण शाम देखने को मिलेगी।

पूर्व मध्य रेल में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत

» मुख्यालय हाजीपुर में स्वच्छता शपथ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

पटना।पूर्व मध्य रेल में 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा-2026' के क्रम में आज 05 अक्टूबर, 2026 को मुख्यालय हाजीपुर में स्वच्छता शपथ एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'स्वच्छ रेल–स्वच्छ परिसर–स्वच्छ पर्यावरण' के उद्देश्य से महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग द्वारा अधिकारियों के साथ मुख्यालय हाजीपुर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने हरित एवं स्वच्छ रेल परिसर के निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल दिया । इसके पूर्व अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार द्वारा मुख्यालय हाजीपुर के प्रांगण में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया गया। पूर्व मध्य रेल द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के दौरान पूर्व मध्य रेल के सभी मंडलों के विभिन्न स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों एवं अन्य रेल परिसरों में स्वच्छता, जन-जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

06 अक्टूबर से दानापुर मंडल के गहमर स्टेशन पर पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव

पटना।यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी संख्या 12142/12141 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस का दानापुर मंडल के गहमर स्टेशन पर दिनांक 06.10.2026 से 02 मिनट का प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है । 06.10.2026 से गाड़ी संख्या 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 12.44 बजे गहमर स्टेशन पहुंचेगी तथा यहां से 12.46 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । 07.10.2026 से गाड़ी संख्या 12141 लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस 01.20 बजे गहमर स्टेशन पहुंचेगी तथा यहां से 01.22 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । गाड़ी संख्या 12141 लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस का गहमर में ठहराव प्रदान किए जाने के फलस्वरूप इसका बक्सर में ठहराव समय में बदलाव किया गया है । दिनांक 07.10.2026 से गाड़ी संख्या 12141 लोकमान्य तिलक-पाटलिपुत्र सुपरफास्ट एक्सप्रेस बक्सर में संशोधित समयानुसार 01.36/01.38 बजे रुकते हुए आगे प्रस्थान करेगी ।

अवैध हथियार के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

दानापुर। शाहपुर पुलिस ने छापेमारी करते हुए देशी पिस्टल के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ अजीत कुमार ने बताया कि विगत रात्रि में पुलिस को गुप्त सूचना मिली की शाहपुर थाना अन्तर्गत दाउदपुर मस्जिद के पास रोड किनारे कुछ व्यक्ति इक्टठा हुये है। जिसमें एक लड़का अवैध हथियार लेकर घुम रहा है। प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष शाहपुर द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई तो पुलिस को देख कर एक व्यक्ति भागने लगा जिसे पुलिस बल के सहयोग से पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्ति ब्रहमचारी पोखरा पर, मनेर का रहने वाला सचिन कुमार है। पकड़ाये व्यक्ति का विधिवत तलाशी लिया गया तथा हथियार के बारे में पुछ तो बताया गया कि पकड़ाने के डर से भागने के क्रम में हथियार को फेंक दिया। जिसे बरामद करते हुए उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित के ऊपर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

श्रीकान्त व्यास को प्रधानमंत्री साहित्य गौरव सम्मान

पटना। एडुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट संस्थान की ओर से 29 सितंबर को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में चर्चित साहित्यकार श्रीकान्त व्यास को साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति तथा खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया। समारोह की अध्यक्षता बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने की। इस अवसर पर विकसित भारत-2047 विषय पर परिचर्चा भी हुई। हिन्दी, अंगिका एवं मगही के कवि, कथाकार, नाटककार, व्यंग्यकार, उपन्यासकार एवं पत्रकार श्रीकान्त व्यास करीब 40 मौलिक पुस्तकों के रचनाकार हैं। उन्हें पूर्व में भी कई साहित्यिक सम्मान एवं पुरस्कार मिल चुके हैं। समारोह में सुरेश रूंगटा, डॉ. सहजानंद प्रसाद सिंह, डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी, डॉ. कौशलेन्द्र नारायण, डॉ. विनोद शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दीपों की रोशनी और मंत्रोच्चार से जगमगाया यमुना-दरधा संगम घाट

नई सोच एक्सप्रेस

» भव्य गंगा आरती ने बांधा समां, स्वच्छता एवं नदी संरक्षण का दिया संदेश

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिलाधिकारी छिरिङ वाई भूटिया के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत यमुना-दरधा रिवर फ्रंट स्थित संगम घाट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद ने कराया। बनारस से आई विशेष टीम द्वारा विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भव्य गंगा आरती की गई। दीपों की जगमगाती रोशनी, गूंजते मंत्रोच्चार एवं आरती की मनोरम छटा से पूरा संगम घाट भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर हो उठा। आरती के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं आमजनों ने सहभागिता करते हुए इस भव्य एवं मनोहारी दृश्य का आनंद लिया। जिला गंगा समिति एवं नगर परिषद, जहानाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के साथ स्वच्छता, नदी संरक्षण एवं जनभागीदारी का संदेश जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को नदियों एवं जलस्त्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने तथा घाटों को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर आमजनों से अपील की गई कि स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। 'स्वच्छता ही सेवा' की भावना के अनुरूप नदी घाटों, जलस्त्रोतों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं संरक्षण में सक्रिय जनभागीदारी सुनिश्चित करें तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त आदित्य कुमार पीयूष, अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिन्हा, वरीय उप समाहर्ता-सह-जिला सूचना एवं जन-संपर्क पदाधिकारी निपुण कुमारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही मुख्य पार्षद रूपा देवी, उप मुख्य पार्षद पिंटू रजक, वार्ड पार्षद संजय कुमार यादव, प्रकाश कुमार एवं नीरज कुमार हनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

रक्तदान कर राज ने बचायी जरूरतमंद की जान

नई सोच एक्सप्रेस

चकाई।चकाई प्रखंड के तराखार निवासी मालो हेम्ब्रम को एक यूनिट रक्त की आवश्यकता थी इसकी जानकारी मिलते ही खासचकाई निवासी रक्तवीर गौरव शुक्ला ने रक्त की व्यवस्था के लिए प्रयास शुरू किया इसी क्रम में गौरव शुक्ला की पहल पर लीलुडीह निवासी राज उपाध्याय ने बिना देर किए अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया उनके रक्तदान से जरूरतमंद मरीज को समय पर रक्त उपलब्ध हो सका चकाई यूथ ब्लड डोनर ग्रुप के निदेशक गौरव शुक्ला ने राज उपाध्याय के इस प्रयास के लिए आभार जताया उन्होंने कहा कि जरूरतमंद मरीज के लिए समय पर रक्त उपलब्ध कराना किसी के जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है राज उपाध्याय ने बिना किसी संकोच के रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी निभायी है

रैली में दिखा युवा जोश, विकसित भारत का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।राष्ट्रीय युवा उत्सव–विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के तहत भारत स्काउट और गाइड, सारण की ओर से जेआर पब्लिक स्कूल बनियापुर में जागरूकता रैली निकाली गई। जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) अमन राज के निर्देश पर आयोजित रैली में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ लोगों को युवा सहभागिता, सामाजिक जागरूकता और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने समाजहित और राष्ट्रहित से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। विद्यालय के निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया जा सकता है। गाइड कैप्टन श्वेता शर्मा और ऋतु कुमारी ने भी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। निदेशक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित होती है। रैली में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।

ज्योतिषरतन डॉ. गौतम ऋषि को मिला इंटरनेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

नई सोच एक्सप्रेस

» ज्योतिष के क्षेत्र में वर्षों की साधना, शोध और सामाजिक योगदान का मिला सम्मान

मधुबनी/बिहार।अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ज्योतिषाचार्य एवं ज्योतिषरतन डॉ. गौतम ऋषि को ज्योतिष के क्षेत्र में दीर्घकालीन शोध, साधना, ज्ञान-प्रसार एवं सामाजिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। भोपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महोत्सव एवं देवज्ञ सम्मान समारोह-2026 में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।3 एवं 4 अक्टूबर को रत्नवाला हॉल, मालवीय नगर, भोपाल में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन जीवन रेखा ज्योतिष शोध केन्द्र, भोपाल के तत्वावधान में केन्द्र के अध्यक्ष एवं राज ज्योतिषी कृपा राम उपाध्याय द्वारा अपने पिता स्वर्गीय पंडित मनीराम उपाध्याय की पुण्य स्मृति में किया गया।समारोह में डॉ. गौतम ऋषि के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्योतिष के प्रचार-प्रसार, शोध, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन तथा समाजहित में किए जा रहे कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। ज्योतिष को भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्वपूर्ण अंग के रूप में आगे बढ़ाने तथा शोध एवं अध्ययन के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने में उनके योगदान की सराहना की गई।डॉ. गौतम ऋषि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भी उपस्थित रहे। देश-विदेश से पहुंचे ज्योतिषाचार्यों, आध्यात्मिक विद्वानो एवं विभिन्न विधाओं से जुड़े साधको ने उन्हे सम्मान मिलने पर शुभकामनाएं दीं।समारोह के दौरान ज्योतिष, आध्यात्म, वास्तु, अंकशास्त्र, हस्तरेखा, कर्मकांड, तंत्र-मंत्र-यंत्र, टेरो एवं हीलिंग सहित विभिन्न विधाओं से जुड़े 151 चयनित विद्वानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कथा वाचक शैलेन्द्र कृष्णा, एस्ट्रो गुरु एच.एस. रावत, स्वामी सहजानंद, एस्ट्रो मानवेन्द्र, एस्ट्रो राजेश शर्मा सहित कई विद्वान एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।डॉ. गौतम ऋषि को मिला यह सम्मान उनके वर्षों के ज्योतिषीय शोध, ज्ञान-साधना, समाजसेवा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्योतिष जगत में दिए गए योगदान के प्रति सम्मान की महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति माना गया।

शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच के कार्यकर्ताओं ने प्रतिरोध मार्च निकालकर किया विधुत कनीय अभियंता का पूतला दहन

नई सोच एक्सप्रेस

» 10 अक्टूबर को सहायक विद्युत अभियंता पूसा का होगा घेराव - राम कुमार

समस्तीपुर।पूसा प्रखंड के ठहरा पंचायत के वार्ड नं 11 स्थित माखन टेंट हाउस परिसर से बड़ी संख्या में शहीद ए आजम भगत सिंह अंबेडकर विचार मंच से जुड़े छात्र नौजवान मजदूर किसानों ने पूसा रोड विधुत कनीय अभियंता का आकर्षक पूतला, मांगो से संबंधित लिखे तख्तियां, तथा झंडा बैनर अपने अपने हाथ लेकर गगन भेदी नारा, घरेलू विधुत कनेक्शन में आनाकानी करने, अनुमंडलीय विधुत पूसा क्षेत्र के तमाम इलाकों के जर्जर तार पोल को अविलंब बदलने, लो वोल्टेज की समस्या को अविलंब हल करने, 33 हजार के तार पोल को ग्रामीण इलाकों से अलग करने, व फर्जी बिजली बिल सुधारने समेत कई अन्य मुद्दों को लेकर जिला संयोजक राम कुमार, युवा नेता मोहम्मद नुरैन तारा तथा छात्र नेता कृष्ण कुमार के नेतृत्व बड़ी संख्या में प्रतिरोध मार्च निकाला जो विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए गोपालपुर चौक पहुंच कर सभा में तब्दील हो गया। तथा सभा के अंत में कनीय विधुत अभियंता पूसा रोड का पूतला का दहन किया गया। सभा को संबोधित जिला संयोजक राम कुमार, युवा नेता मोहम्मद नुरैन तारा छात्र नेता कृष्ण कुमार, मजदूर नेता मुंशी लाल राय, किसान नेता ब्रज किशोर राय, विवेक कुमार, रवि कुमार,राकेश कुमार, नीतू देवी, उमेश चौधरी, महेश कुमार सिंह, सोनू कुमार, महेन्द्र राय समेत कई अन्य नेता कार्यकर्ताओ ने संबोधित करते हुए कहा कि यदि विधुत विभाग द्वारा अविलंब उपरोक्त सभी मांगो को लेकर 10 अक्टूबर को सहायक विद्युत अभियंता पूसा का घेराव किया जाएगा।

एनजीओ से मध्याह्न भोजन आपूर्ति के विरोध में रसोइयों ने फूंका अधिकारियों का पुतला

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।विद्यालय रसोइया कल्याण संघ, शाखा सुगौली के आह्वान पर सोमवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय के समक्ष रसोइयों ने प्रदर्शन कर जिला पदाधिकारी द्वारा गठित जांच कमेटी के अधिकारियों का पुतला दहन किया। संघ के संयोजक भोला साह के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यालय रसोइया शामिल हुए। संघ के अनुसार, 3 अक्टूबर को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। रसोइयों का आरोप है कि विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की आपूर्ति एनजीओ के माध्यम से कराए जाने से उनकी सेवा प्रभावित हो रही है। उन्होंने भोजन तैयार करने की व्यवस्था और उसकी गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कथित तौर पर दूषित भोजन की आपूर्ति से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे अभिभावकों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है। संघ ने इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर किए जाने तथा 24 सितंबर को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपे जाने की भी जानकारी दी। रसोइयों ने अपनी छह सूत्री मांगों को दोहराते हुए विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों की सेवा स्थायी करने, स्थायीकरण होने तक 15 हजार रुपये मासिक मानदेय देने,एनजीओ के माध्यम से मध्याह्न भोजन की आपूर्ति बंद करने, महिला रसोइयों को सुरक्षा प्रदान करने और बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान करने की मांग की। साथ ही जिला पदाधिकारी द्वारा गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट को निरस्त कर अपर जिला दंडाधिकारी से मामले की जांच कराने की मांग की गई।पुतला दहन कार्यक्रम में भोला साह के अलावा रिंस देवी, लालबाबू राम, धनराज पटेल, लीला देवी, गोदावरी देवी, फातिमा खातून, शोरूम नेतानी सहित अन्य लोगों ने सभा को संबोधित किया। संघ ने चेतावनी दी कि मांगों पर समुचित जांच और कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पिता के अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प, आनंद पुष्कर ने भरा पर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

» शिक्षकों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने और समाधान का दिलाया भरोसा

छपरा।सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी ई. आनंद पुष्कर ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले शहर के सिटी गार्डन में एनडीए की ओर से चुनावी सभा आयोजित की गई। सभा में बड़ी संख्या में एनडीए के नेता और समर्थक मौजूद रहे। सभा की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल ने की। सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षकों के हित में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। सरकार आगे भी शिक्षक हित में आवश्यक कदम उठाती रहेगी। उन्होंने शिक्षकों से ई. आनंद पुष्कर के पक्ष में मतदान कर उन्हें विधान परिषद भेजने की अपील की। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने सरकार की उपलब्धियों और शिक्षक हित में किए गए कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार आगे भी शिक्षक हित में काम करती रहेगी। मंत्री श्रवण कुमार ने आनंद पुष्कर को एनडीए का अधिकृत प्रत्याशी बताते हुए उनके समर्थन में मतदान की अपील की। नामांकन सभा को संबोधित करते हुए ई. आनंद पुष्कर ने अपने पिता और पूर्व विधान पार्षद स्व. केदारनाथ पाण्डेय के शिक्षक हित में किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का आशीर्वाद और समर्थन मिलने पर वे विधान परिषद में उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे। शिक्षकों की मांगों को सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करने का भी भरोसा दिलाया। सभा में मंत्री दिलीप जायसवाल, नीतीश मिश्रा, सुनील कुमार, सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, चुनाव प्रभारी सह विधायक रणधीर कुमार सिंह, विधायक केदारनाथ सिंह, विनय कुमार सिंह, रामसेवक सिंह, छोटी कुमारी,मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह,अजय सिंह समेत कई नेता मौजूद रहे।

सारण में बाढ़ के बीच राहत-बचाव तेज, नाव से पहुंच रहा सूखा राशन

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सारण में नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। जिला प्रशासन की निगरानी में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें पानी से घिरे गांवों में लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही हैं। सड़क संपर्क टूटने वाले क्षेत्रों में नाव और मोटरबोट के माध्यम से लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। बचाव दल पानी से घिरे घरों तक पहुंचकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों तक पहुंचा रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी ड्रोन और अन्य माध्यमों से की जा रही है। बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच सूखा राशन भी वितरित किया जा रहा है। राहत पैकेट में चूड़ा, गुड़, चना, बिस्किट, मोमबत्ती, माचिस और पेयजल जैसी आवश्यक सामग्री शामिल है। जिन स्थानों पर खाना बनाना संभव नहीं है, वहां सामुदायिक रसोई के माध्यम से पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित लोगों की सुरक्षा के साथ भोजन, दवा और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। प्रशासन ने कहा है कि राहत कार्य में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

लोकतंत्र में मालिक कौन?

आरती कुमारी

किसी लोकतंत्र की असली हालत जाननी हो तो संसद, विधानसभा, सचिवालय या संविधान की किताब देखने की आवश्यकता नहीं है। किसी सरकारी कार्यालय के बाहर खड़े नागरिकों को देख लीजिए। वहाँ लोकतंत्र की वास्तविक तस्वीर दिखाई दे जाएगी। कोई व्यक्ति घंटों से किसी अधिकारी के मिलने का इंतजार कर रहा है, कोई एक हस्ताक्षर के लिए चक्कर काट रहा है, कोई अपनी समस्या बताने के लिए आवेदन हाथ में लिए खड़ा है और कोई अपने ही अधिकार से जुड़ा काम कराने के लिए किसी सिफारिश या परिचय की तलाश में है। सबसे विचित्र बात यह है कि यह दृश्य अब हमें विचित्र भी नहीं लगता। हमने इसे व्यवस्था का सामान्य हिस्सा मान लिया है।

यहीं से लोकतंत्र का सबसे बुनियादी सवाल पैदा होता है आखिर लोकतंत्र में मालिक कौन है? संविधान का उत्तर स्पष्ट है जनता। सत्ता का स्रोत जनता है। सरकारें जनता द्वारा चुनी जाती हैं और प्रशासनिक व्यवस्था जनता की सेवा के लिए बनाई गई है। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी जनता के पैसे से चलने वाली व्यवस्था का हिस्सा हैं। उनका पद सार्वजनिक है, निजी नहीं। लेकिन व्यवहार में कई बार तस्वीर इसके उलट दिखाई देती है। नागरिक अपनी ही सरकार के कार्यालय में ऐसे प्रवेश करता है, जैसे वह किसी दूसरे के दरवाजे पर सहायता मांगने आया हो।

सम्मान और अधीनता में फर्कः हमारे सामाजिक व्यवहार में एक ऐसी मानसिकता धीरे-धीरे गहरी होती गई है, जिसमें सरकारी पद अपने आप में प्रतिष्ठा और शक्ति का प्रतीक बन गया है। अधिकारी को "सर", "साहब", "हुजूर" कहना सामान्य शिष्टाचार हो सकता है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब संबोधन के साथ मानसिक अधीनता भी जुड़ जाती है। जब नागरिक अपनी बात रखने से पहले डरने लगे, सवाल पूछने में संकोच करे और अपने अधिकार के लिए भी बार-बार निवेदन करता रहे, तब यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं रहती, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना का प्रश्न बन जाती है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि सम्मान और अधीनता एक ही चीज नहीं हैं। किसी अधिकारी, शिक्षक, डॉक्टर, न्यायाधीश या कर्मचारी का सम्मान करना सभ्यता है। लेकिन किसी सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को जनता से ऊपर समझना लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। सरकारी कर्मचारी छोटा हो या बड़ा, उसका वेतन जनता के धन से आता है। उसके कार्यालय, वाहन, सुविधाएं और प्रशासनिक संसाधन भी सार्वजनिक धन से संचालित होते हैं। इसलिए वह जनता पर उपकार नहीं कर रहा होता, बल्कि अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा होता है। लोकतंत्र में पद अधिकार देता है, लेकिन उससे कहीं अधिक जिम्मेदारी देता है।

ईमानदारी असाधारण क्यों? हमारी व्यवस्था का एक और विडंबनापूर्ण पहलू है। जब कोई सरकारी अधिकारी बिना रिश्वत लिए, समय पर और नियमों के अनुसार किसी नागरिक का काम कर देता है, तो हम उसे "ईमानदार अधिकारी" कहकर सम्मानित करने लगते हैं। फूल पहनाए जाते हैं, मंचों पर बुलाया जाता है और प्रशंसा की जाती है। निश्चित रूप से ईमानदार अधिकारी सम्मान के पात्र हैं। समाज को उनकी सराहना करनी चाहिए। लेकिन एक बुनियादी सवाल फिर भी पूछा जाना चाहिए जिस काम के लिए किसी व्यक्ति को वेतन और जिम्मेदारी दी गई है, वही काम असाधारण उपलब्धि क्यों बन गया? यदि कोई शिक्षक विद्यालय में जाकर पढ़ाता है, डॉक्टर मरीज का इलाज करता है, न्यायाधीश कानून के अनुसार फैसला करता है और बस चालक निर्धारित मार्ग पर बस चलाता है, तो इसे उसके कर्तव्य का हिस्सा माना जाता है। फिर एक सरकारी कर्मचारी द्वारा रिश्वत लिए बिना नागरिक का काम कर देना विशेष उपलब्धि क्यों बन जाता है? समस्या ईमानदार व्यक्ति की प्रशंसा में नहीं है। समस्या उस व्यवस्था में है, जिसने ईमानदारी को सामान्य व्यवहार से उठाकर असाधारण गुण बना दिया है। जब भ्रष्टाचार सामान्य लगने लगे और ईमानदारी अपवाद, तब हमें केवल भ्रष्ट व्यक्ति को दोष देने के बजाय उस सामाजिक मानसिकता पर भी विचार करना चाहिए, जिसने इस स्थिति को स्वीकार कर लिया है।

'साहब' संस्कृति का विस्तारः सरकारी कार्यालयों तक ही बात सीमित नहीं है। हमारे सामाजिक कार्यक्रमों में भी पद और सत्ता के प्रति एक विशेष आकर्षण दिखाई देता है। किसी सरकारी अधिकारी को कार्यक्रम का मुख्य अतिथि बना देना अपने आप में गलत नहीं है। समस्या तब होती है जब अधिकारी का केवल पद ही कार्यक्रम की प्रतिष्ठा का आधार बन जाता है। कई बार किसी अधिकारी के कार्यक्रम में आने को इस तरह प्रस्तुत किया जाता है जैसे समाज पर कोई विशेष कृपा हुई हो। उसके आने पर गर्व व्यक्त किया जाता है, जबकि वह अधिकारी स्वयं जनता के प्रति जवाबदेह सार्वजनिक सेवक है। यहां भी व्यक्ति और पद के बीच अंतर समझने की आवश्यकता है। किसी अधिकारी का सम्मान उसके अच्छे कार्य, ईमानदारी और जनसेवा के लिए होना चाहिए, केवल उसकी कुर्सी के लिए नहीं। लोकतंत्र में कुर्सी बड़ी नहीं होती, कुर्सी पर बैठने वाले की जवाबदेही बड़ी होती है।

जब अधिकार के लिए भी सिफारिश चाहिएः हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि नागरिक को कई बार अपने ही अधिकार के लिए संघर्ष करना पड़ता है। राशन कार्ड, पेंशन, प्रमाणपत्र, जमीन का रिकॉर्ड, पुलिस शिकायत, सरकारी योजना, अस्पताल की सुविधा या किसी अन्य सार्वजनिक सेवा के लिए नागरिक को आवेदन, प्रमाण और दस्तावेज देने पड़ते हैं। यह प्रक्रिया आवश्यक हो सकती है, लेकिन जब इसके बाद भी काम के लिए परिचय, फोन, सिफारिश या "ऊपर तक पहुंच" की आवश्यकता महसूस होने लगे, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जिस सेवा के लिए सरकारी तंत्र बनाया गया है, उसके लिए नागरिक को किसी प्रभावशाली व्यक्ति का दरवाजा क्यों खटखटाना पड़े? यदि किसी व्यक्ति का काम नियमों के अनुसार सही है, तो उसे इसलिए आगे नहीं बढ़ना चाहिए कि वह किसी अधिकारी को जानता है। और यदि उसका काम नियमों के विरुद्ध है, तो किसी सिफारिश के बावजूद नहीं होना चाहिए। लोकतंत्र की असली मजबूती इसी निष्पक्षता में है।

अगली पीढ़ी क्या सीख रही है? इस पूरी स्थिति का सबसे गंभीर प्रभाव हमारी अगली पीढ़ी पर पड़ता है। बच्चे लोकतंत्र केवल किताबों से नहीं सीखते। वे अपने आसपास के व्यवहार से लोकतंत्र की वास्तविक परिभाषा समझते हैं। जब बच्चा देखता है कि उसका पिता किसी सरकारी कार्यालय में घंटों खड़ा है, अधिकारी से मिलने के लिए इंतजार कर रहा है और अपना काम कराने के लिए किसी परिचित का फोन लगवा रहा है, तो उसके मन में धीरे-धीरे यह धारणा बनती है कि सरकारी कुर्सी जनता से बड़ी है। जब वह देखता है कि पद के सामने व्यक्ति झुकता है, लेकिन अपने अधिकार की बात करते हुए डरता है, तो वह यही व्यवहार सीखता है। फिर संविधान की किताब में लिखी "हम भारत के लोग" की भावना और वास्तविक जीवन में दिखाई देने वाली नागरिक की स्थिति के बीच एक गहरी दूरी पैदा हो जाती है।

यही दूरी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

लोकतंत्र केवल वोट देने का नाम नहींः हम अक्सर लोकतंत्र को चुनाव और मतदान तक सीमित कर देते हैं। पांच साल में एक बार वोट देना नागरिक का महत्वपूर्ण अधिकार है, लेकिन लोकतंत्र की भूमिका मतदान केंद्र से बाहर भी शुरू होती है। नागरिक को अपने अधिकारों की जानकारी होना, सरकारी व्यवस्था से सवाल करना, नियमों के पालन की मांग करना और सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से जवाबदेही मांगना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोकतंत्र में नागरिक केवल मतदाता नहीं है। वह करदाता है, वह अधिकारधारी है और वह उस व्यवस्था का केंद्र है, जिसके लिए सरकार और प्रशासन काम करते हैं। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि हर अधिकारी से असम्मानजनक व्यवहार किया जाए। लोकतांत्रिक नागरिकता का मतलब अराजकता नहीं है। सवाल पूछना और अपमान करना अलग-अलग बातें हैं। अधिकार मांगना और अभद्रता करना अलग-अलग बातें हैं। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि अधिकारी का सम्मान करो, लेकिन उससे डरकर अपने अधिकार मत छोड़ो। नियमों का पालन करो, लेकिन नियमों के नाम पर अन्याय स्वीकार मत करो। सार्वजनिक पद की गरिमा समझो, लेकिन पद को व्यक्ति से बड़ा मत बना दो।

व्यवस्था बदलेगी तो मानसिकता भी बदलनी होगीः सरकारें प्रशासनिक सुधार की बात करती हैं। डिजिटल व्यवस्था, ऑनलाइन सेवाएं, समयबद्ध सेवा कानून, जन शिकायत प्रणाली और पारदर्शिता जैसे उपाय निश्चित रूप से आवश्यक हैं। लेकिन केवल तकनीक से लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं बदल सकती। जब तक नागरिक स्वयं को कमजोर और अधिकारी को सर्वशक्तिमान समझता रहेगा, तब तक व्यवस्था में मौजूद असमानता किसी न किसी रूप में बनी रहेगी। परिवर्तन सरकारी दफ्तर से पहले हमारे भीतर होना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि किसी अधिकारी से सवाल करना उसका अपमान नहीं है। किसी सरकारी कर्मचारी से समय पर काम करने की अपेक्षा करना अनुचित मांग नहीं है। किसी सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से जवाब मांगना लोकतंत्र का स्वाभाविक अधिकार है। इसी तरह अधिकारियों को भी यह समझना होगा कि नागरिक उनके सामने समस्या लेकर आता है तो वह याचक नहीं है। वह उस व्यवस्था का वास्तविक हितधारक है, जिसके संचालन की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है।

मालिक की पहचान जरूरी हैः कहावत है "जैसी करनी वैसी भरनी।" लोकतंत्र में भी यह बात उतनी ही लागू होती है। जिस तरह का नागरिक व्यवहार हम आज स्वीकार करेंगे, वैसी ही लोकतांत्रिक संस्कृति आने वाली पीढ़ी को मिलेगी। यदि हम अपने बच्चों को यह सिखाते रहेंगे कि सरकारी कुर्सी के सामने सिर झुकाना ही समझदारी है, सिफारिश के बिना काम नहीं होता और अधिकारी को खुश रखना जरूरी है, तो हम लोकतंत्र की किताब पढ़ाकर भी उन्हें लोकतंत्र की आत्मा नहीं सिखा पाएंगे। लेकिन यदि हम उन्हें यह सिखाएं कि सार्वजनिक पद सम्माननीय है, पर जनता से बड़ा नहीं; अधिकारी का सम्मान जरूरी है, लेकिन जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है; ईमानदारी सराहनीय है, लेकिन उसे असाधारण घटना नहीं बनना चाहिए तभी लोकतांत्रिक चेतना मजबूत होगी। अंततः यह बहस अधिकारियों की नहीं, नागरिकों की है। सवाल यह नहीं है कि कुर्सी पर कौन बैठा है। सवाल यह है कि कुर्सी के सामने खड़ा नागरिक स्वयं को क्या समझता है। यदि वह स्वयं को प्रजा समझता है, तो लोकतंत्र केवल कागज पर बचा रहेगा। यदि वह स्वयं को नागरिक समझता है, अपने अधिकार और जिम्मेदारी दोनों को पहचानता है, तो लोकतंत्र जीवित रहेगा। इसलिए आज सबसे जरूरी सवाल यही है लोकतंत्र में मालिक कौन है? उत्तर संविधान ने दशकों पहले दे दिया था "हम भारत के लोग।" अब जरूरत केवल इतनी है कि यह उत्तर हमारी किताबों में ही नहीं, हमारे व्यवहार में भी दिखाई दे।

"एक कचौड़ी, दो समोसा" : नारों की फूहड़ता में खोती भारतीय मर्यादा

आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी'
कटिहार, बिहार

लोकतंत्र की आत्मा विचारों की स्वतंत्रता है, लेकिन उसकी गरिमा भाषा की मर्यादा से सुरक्षित रहती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का विरोध करना, नीतियों पर प्रश्न उठाना और सत्ता से जवाब मांगना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। किंतु जब विरोध का स्वर विचारों से हटकर फूहड़ता, अभद्रता और अश्लीलता में बदलने लगे, तब वह लोकतांत्रिक संघर्ष नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत बन जाता है। हाल के समय में सार्वजनिक आंदोलनों, राजनीतिक धरनों और सोशल मीडिया पर जिस प्रकार के नारे सुनाई देने लगे हैं, उन्होंने गंभीर चिंता पैदा की है। "एक कचौड़ी, दो समोसा..." जैसे नारे केवल कुछ शब्दों का समूह नहीं हैं; वे उस बदलती मानसिकता का दर्पण हैं, जहाँ विचारों का स्थान उपहास ने, तर्क का स्थान शोर ने और मर्यादा का स्थान फूहड़ता ने ले लिया है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन किसी भी असहमति की पहली शर्त उसकी गरिमा होती है। यदि राजनीतिक मंचों पर व्यक्तियों के लिए अपमानजनक भाषा, महिलाओं और पुरुषों दोनों के प्रति अशोभनीय टिप्पणियाँ तथा भीड़ को उत्तेजित करने वाले नारे ही आंदोलन की पहचान बन जाएँ, तो यह लोकतांत्रिक परिपक्वता नहीं कही जा सकती। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि ऐसा नारा किसने लगाया। वास्तविक प्रश्न यह है कि समाज ताली किस बात पर बजा रहा है? यदि अभद्रता मनोरंजन बन जाए, यदि अश्लीलता आधुनिकता कहलाने लगे और यदि फूहड़ता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नाम दे दिया जाए, तो यह केवल राजनीति का संकट नहीं, बल्कि पूरे समाज के सांस्कृतिक अवमूल्यन का संकेत है। भारतीय संस्कृति ने वाणी को साधना माना है। हमारे यहाँ सत्य बोलने के साथ-साथ प्रिय और हितकारी बोलने की भी शिक्षा दी गई है। इसका अर्थ यह नहीं कि सत्ता से कठोर प्रश्न न पूछे जाएँ, बल्कि यह कि प्रश्न इतने गरिमामय हों कि वे समाज को विचार दें, विद्वेष नहीं। आज दुर्भाग्य यह है कि सोशल मीडिया की त्वरित लोकप्रियता ने भाषा का स्तर बदल दिया है। जो जितना अधिक उत्तेजक, उतना अधिक वायरल; जो जितना अधिक अशोभनीय, उतना अधिक चर्चित। ऐसे वातावरण में युवा पीढ़ी भी उसी भाषा को सामान्य समझने लगती है, जिसे बार-बार उसके सामने प्रस्तुत किया जाता है। आज चिंता का विषय केवल भाषा का गिरता स्तर नहीं है, बल्कि उस गिरावट को सामाजिक स्वीकृति मिलने लगी है। जब शिक्षित युवा, विशेषकर विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक आंदोलनों से जुड़े लोग, वैचारिक बहस के स्थान पर फूहड़ नारों को अपनी पहचान बनाने लगते हैं, तब यह केवल राजनीतिक संस्कारों का नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कारों का भी प्रश्न बन जाता है। आंदोलन का उद्देश्य यदि समाज को दिशा देना है, तो उसकी भाषा भी दिशा देने वाली होनी चाहिए। यदि आंदोलन स्वयं मर्यादा की सीमा लांघने लगे, तो वह समाज में वैचारिक जागरण नहीं, बल्कि भावनात्मक उन्माद उत्पन्न करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं से यह प्रश्न पूछें कि क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी? क्या लोकतंत्र का अर्थ यह है कि राजनीतिक विरोध के नाम पर किसी भी स्तर की भाषा का प्रयोग किया जाए? यदि किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, विपक्षी नेता या किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति के प्रति असहमति है, तो उसके लिए तर्क, तथ्य और वैचारिक प्रतिवाद उपलब्ध हैं। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र विचार नहीं, बल्कि अपमानजनक नारे बन जाएँ, तब लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। सबसे अधिक चिंता तब होती है जब ऐसे नारों को युवा पीढ़ी उत्सव की तरह दोहराने लगती है। समाज की बेटियाँ, जो आने वाली पीढ़ियों के संस्कारों की वाहक हैं, यदि वे भी सोशल मीडिया की क्षणिक लोकप्रियता या भीड़ के उत्साह में ऐसे नारों को सामान्य मानने लगें, तो यह आत्ममंथन का विषय है। इसका अर्थ यह नहीं कि युवतियों की अभिव्यक्ति पर कोई प्रतिबंध होना चाहिए। उन्हें भी पुरुषों के समान बोलने, प्रश्न पूछने, आंदोलन करने और नेतृत्व करने का पूरा अधिकार है। किंतु अधिकार और मर्यादा परस्पर विरोधी नहीं हैं। जिस प्रकार पुरुषों से शालीन भाषा की अपेक्षा की जाती है, उसी प्रकार महिलाओं से भी सार्वजनिक जीवन में गरिमापूर्ण व्यवहार की अपेक्षा स्वाभाविक है। भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल जैविक अस्तित्व के रूप में नहीं देखा, बल्कि उसे सृजन, करुणा, शक्ति और मर्यादा का प्रतीक माना। "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः" केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि भारतीय सामाजिक दर्शन का आधार है। इसका आशय यह नहीं कि महिलाएँ केवल परंपरागत भूमिकाओं तक सीमित रहें, बल्कि यह कि समाज में उनका सम्मान और गरिमा सर्वोपरि रहे। आधुनिकता का अर्थ भी यही है कि महिला स्वतंत्र होकर अपने विचार रखे, नेतृत्व करे और समाज का मार्गदर्शन करे—न कि फूहड़ता को आधुनिकता का पर्याय बना दिया जाए। यह समस्या केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है। यदि पुरुष महिलाओं के विरुद्ध अपमानजनक नारे लगाएँ तो वह भी उतना ही निंदनीय है, और यदि महिलाएँ पुरुषों के प्रति सामूहिक अपमानजनक भाषा का प्रयोग करें तो वह भी समान रूप से अनुचित है। लोकतांत्रिक समाज में किसी पूरे वर्ग—चाहे वह स्त्री हो या पुरुष—को उपहास का विषय बनाना स्वस्थ सामाजिक संस्कृति नहीं कहा जा सकता। सम्मान का सिद्धांत एकतरफा नहीं, बल्कि परस्पर होना चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चे विद्यालय से पहले घर में भाषा सीखते हैं, व्यवहार सीखते हैं और सम्मान का अर्थ समझते हैं। यदि परिवार में संवाद, संयम और संस्कार का वातावरण होगा, तो बाहरी प्रभावों का असर सीमित रहेगा। विद्यालय और विश्वविद्यालय भी केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के केंद्र हैं। यदि वहाँ वैचारिक बहस, संवैधानिक मूल्यों और शिष्ट संवाद की संस्कृति विकसित होगी, तो समाज को परिपक्व नेतृत्व मिलेगा। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि उनके मंच केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश देने का भी मंच हैं। यदि किसी दल के कार्यकर्ता अमर्यादित भाषा का प्रयोग करते हैं और नेतृत्व उस पर मौन रहता है, तो वह मौन भी एक प्रकार का संदेश बन जाता है। इसलिए सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी दलों को अपने कार्यकर्ताओं के लिए सार्वजनिक आचरण और भाषा की स्पष्ट मर्यादा निर्धारित करनी चाहिए। मीडिया और सोशल मीडिया मंचों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। आज वही सामग्री सबसे अधिक प्रसारित होती है जो सबसे अधिक उत्तेजक होती है। इस प्रवृत्ति ने विचारशील संवाद की जगह सनसनी को बढ़ावा दिया है। यदि समाज हर अशोभनीय वीडियो को लाखों बार साझा करेगा और हर फूहड़ नारे को मनोरंजन समझकर प्रसारित करेगा, तो ऐसी प्रवृत्तियाँ और अधिक बढ़ेंगी। इसलिए दर्शक और पाठक भी उतने ही उत्तरदायी हैं जितने कि वक्ता। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक निरंतरता रही है। इस देश ने असहमति को भी सम्मान दिया है, लेकिन असभ्यता को कभी आदर्श नहीं माना। हमारे यहाँ शास्त्रार्थ की परंपरा रही, वैचारिक मतभेद रहे, तीखी आलोचनाएँ भी हुईं, किंतु भाषा की मर्यादा और प्रतिद्वंद्वी के सम्मान को पूरी तरह त्याग देना हमारी परंपरा का हिस्सा नहीं रहा। आज आवश्यकता किसी एक घटना पर क्षणिक आक्रोश व्यक्त करने की नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण की है। युवाओं को यह समझाना होगा कि लोकप्रियता क्षणिक होती है, लेकिन चरित्र स्थायी होता है। नारे कुछ क्षण के लिए भीड़ को आकर्षित कर सकते हैं, किंतु विचार ही इतिहास बनाते हैं। लोकतंत्र शोर से नहीं, बल्कि संवाद से मजबूत होता है। यदि हम वास्तव में एक विकसित, संस्कारित और आत्मविश्वासी भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें अपने सार्वजनिक जीवन में भाषा की गरिमा, विचारों की गंभीरता और परस्पर सम्मान की संस्कृति को पुनः स्थापित करना होगा। विरोध हो, पर वैचारिक हो; आंदोलन हो, पर मर्यादित हो; असहमति हो, पर शालीन हो। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही भारतीय सभ्यता का स्थायी संदेश भी।

नए महीने का सूरज, नई सत्ता की चाल और सिपहसालारों की बदलती निष्ठा

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

कहते हैं कि नया महीना नई उम्मीदें लेकर आता है। कैलेंडर का एक पन्ना पलटता है और आदमी सोचता है कि शायद अब कुछ बदलेगा। वेतन की तारीख वही रहती है, बिजली का बिल वही रहता है, पेट्रोल की कीमत देखकर वही पुराना माथा घूमता है और सरकारी दफ्तर में फाइल की चाल भी लगभग वही रहती है। लेकिन सरकारें चाहें तो महीने के पहले दिन ही इतना कुछ बदल सकती है कि आदमी को अपने ही राज्य में नया नागरिक होने का अहसास होने लगे। सरकार का निर्णय आखिर सरकार का निर्णय होता है। कब क्या बदलना है, कितना बदलना है, किसे बदलना है और किसे यथावत रखना है, इसका गणित आम आदमी की समझ से बाहर ही रहता है। वह तो केवल परिणाम देखता है। सत्ता के गलियारों में इसका अपना विज्ञान है और राजनीति में इसकी अपनी कला। राजनीतिक इच्छा शक्ति हो तो वर्षों पुरानी व्यवस्था भी रातोंरात बदल सकती है और इच्छा शक्ति न हो तो नई व्यवस्था भी पुरानी आदतों के साथ चलती रहती है। लेकिन सत्ता की मशीनरी को चलाने के लिए केवल कुर्सी पर्याप्त नहीं होती। कुर्सी पर बैठा व्यक्ति चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, व्यवस्था को गति देने के लिए उसके आसपास बैठे सिपहसालारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है और यहीं से शुरू होती है हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे दिलचस्प कहानी "सत्ता बदलती है तो निष्ठा की परिभाषा भी बदल जाती है"। बिहार की राजनीति ने लंबे समय से सत्ता परिवर्तन, गठबंधन परिवर्तन और राजनीतिक समीकरणों के अनेक रंग देखे हैं। अप्रैल 2026 में एक बड़ा बदलाव हुआ। 15 अप्रैल को सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बस, इसके बाद राजनीति के साथ-साथ सरकारी गलियारों में भी एक स्वाभाविक सवाल पैदा हुआ, अब व्यवस्था किस अंदाज में चलेगी? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार केवल मुख्यमंत्री और मंत्रियों से नहीं चलती है। सरकार सचिवालय की फाइलों, विभागीय अधिकारियों, सलाहकारों, कर्मचारियों और उन तमाम अदृश्य पहियों से चलती है, जिन्हें जनता चुनावी मंच पर कभी नहीं देखती। मुख्यमंत्री बदलता है तो सबसे पहले कुर्सी बदलती है। उसके बाद कमरे की सजावट बदलती है। फिर बैठने का क्रम बदलता है। उसके बाद मुलाकात का समय बदलता है। फिर धीरे-धीरे यह पता चलता है कि कौन पहले दरवाजे तक जाता था और अब किस दरवाजे से लौट रहा है। राजनीति में इसे परिवर्तन कहते हैं और व्यंग्यकार इसे कहते हैं "हवा का रुख समझना।" राजनीति में विचारधारा की चर्चा खूब होती है। सिद्धांतों की चर्चा होती है। जनसेवा की चर्चा होती है। विकास की चर्चा होती है। लेकिन सत्ता के गलियारों में एक और शब्द चुपचाप चलता रहता है "निष्ठा"। निष्ठा बड़ी अद्भुत चीज है। यह कभी व्यक्ति के प्रति होती है, कभी पद के प्रति, कभी पार्टी के प्रति, कभी विचार के प्रति और कभी-कभी परिस्थितियों के प्रति भी। समस्या तब पैदा होती है जब निष्ठा का केंद्र बदल जाता है। कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को देखकर यदि कोई व्यक्ति कहे कि "हम तो हमेशा से आपके साथ थे", तो कुर्सी पर बैठा व्यक्ति मुस्कुराता जरूर है, लेकिन मन ही मन शायद यह जरूर सोचता है कि "हमसे पहले वाली कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के साथ भी क्या आप हमेशा से ऐसे ही थे?" यही लोकतंत्र का सबसे मनोरंजक प्रश्न है। क्योंकि सत्ता के गलियारों में पुरानी तस्वीरें बहुत कुछ बताती है। कौन किसके साथ खड़ा था, कौन किसके साथ बैठा था, किसकी गाड़ी में कौन बैठता था और किसके कमरे में किसका आना-जाना था, यह सब सत्ता बदलते ही अचानक इतिहास बन जाता है। बिहार ने करीब दो दशक तक नीतीश कुमार के नेतृत्व का लंबा दौर देखा है। आधिकारिक रिकॉर्ड में उनके मुख्यमंत्री पद का कार्यकाल 24 नवंबर 2005 से दर्ज है, हालांकि बीच में राजनीतिक घटनाक्रम और पद परिवर्तन भी हुए। अप्रैल 2026 में उनके मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद सम्राट चौधरी ने पद संभाला। इतने लंबे राजनीतिक दौर को केवल वर्षों की संख्या से नहीं समझा जा सकता है। यह एक पूरी राजनीतिक पीढ़ी का अनुभव है। इस दौरान अधिकारी बदले, मंत्री बदले, विभाग बदले, गठबंधन बदले, राजनीतिक समीकरण बदले और समय के साथ गंगा में पानी भी घटा-बढ़ा। लेकिन कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो बदलती हुई भी नहीं बदलती। मसलन "व्यवस्था से तालमेल"। जो अधिकारी एक सरकार की प्राथमिकताओं को समझने में माहिर होता है, वह दूसरी सरकार की प्राथमिकताओं को भी समझने में देर नहीं लगाता। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों तक सत्ता की भाषा समझता आया है, वह नई सत्ता की भाषा भी जल्दी सीख लेता है। यही प्रशासनिक निरंतरता भी है और राजनीतिक व्यावहारिकता भी। व्यंग्यकार बस इतना पूछता है कि इतनी जल्दी नई भाषा कैसे आ जाती है? सत्ता के लंबे गलियारों में कुछ नाम दीपक की लौ की तरह दिखाई देते हैं। कोई अंजनी, कोई चंचल, कोई अमीर, कोई अनुपम, कोई रवि, कोई चंद्रशेखर, कोई सुधीर, कोई किशोर... इन नामों को केवल व्यक्तियों की सूची समझना भूल होगी। यह तो उस व्यवस्था का प्रतीक हैं जिसमें अलग-अलग समय पर अलग-अलग लोग अपनी भूमिका निभाते रहे हैं। कुछ दीपक टिमटिमाते हैं। कुछ तेज जलते हैं। कुछ हवा का रुख देखकर अपनी लौ संभाल लेते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो पूरी रात अखंड दीप की तरह जलते दिखाई देते हैं। लेकिन सत्ता की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि अखंड दीप भी अंततः दीप ही होता है। तेल समाप्त हुआ तो लौ समाप्त। कल तक जो दीपक सत्ता के गलियारे को रोशन कर रहा था, आज उसके स्थान पर नया दीपक रखा जा सकता है। नई सरकार आती है तो वह केवल नई योजनाएं नहीं लाती। वह यह भी देखती है कि पुराने दीपकों में से कौन कितनी रोशनी दे सकता है और कौन अपनी लौ लेकर इतिहास के अंधेरे कमरे में चला जाए। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद बिहार सरकार की आधिकारिक सूचनाओं में नई सरकार की गतिविधियां लगातार दर्ज होती रही हैं। 16 अप्रैल को उन्होंने उपमुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री सचिवालय की कार्यप्रणाली पर चर्चा की थी। यानि नई कुर्सी पर बैठते ही सबसे पहला काम यही था कि पुरानी मशीनरी को समझा जाए। यह जरूरी भी है। क्योंकि मुख्यमंत्री चाहे नया हो, लेकिन सचिवालय नया नहीं होता। फाइलें पुरानी होती है, नियम पुराने होते हैं, कानून पुराने होते हैं, विभागों की संरचना पुरानी होती है और जनता की समस्याएं तो उससे भी पुरानी होती है। नई सरकार को इन्हीं पुराने औजारों से नई तस्वीर बनानी होती है। यहीं असली परीक्षा शुरू होती है। कुर्सी बदलना राजनीतिक प्रक्रिया है। कुर्सी की संस्कृति बदलना प्रशासनिक चुनौती। किसी मुख्यमंत्री के आते ही नामपट्ट बदल सकता है। तस्वीर बदल सकती है। बैठक की व्यवस्था बदल सकती है। संबोधन बदल सकता है। लेकिन क्या फाइल की गति बदलती है? क्या आम आदमी को कार्यालय के चक्कर कम लगाने पड़ते हैं? क्या निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होती है? क्या भ्रष्टाचार की शिकायतों पर कार्रवाई की गति बढ़ती है? क्या अधिकारी जवाबदेह महसूस करते हैं? क्या जनता को लगता है कि सरकार उसके दरवाजे तक पहुंची है? यही वे सवाल हैं जिनका जवाब समय देता है। क्योंकि सत्ता के शुरुआती दिनों में हर सरकार तेज दिखाई देती है। असली परीक्षा तब होती है जब शुरुआती उत्साह समाप्त हो जाता है और रोजमर्रा का प्रशासन शुरू होता है। राजा बदलता है तो दरबारियों की परीक्षा होती है, यह कहावत पुरानी है। लोकतंत्र में राजा नहीं होता, सरकार होती है, दरबारी नहीं होते, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक तंत्र होता है। लेकिन व्यंग्य को अपना रास्ता चाहिए, इसलिए हम इन्हें सिपहसालार ही कहेंगे। सिपहसालार की असली परीक्षा तब होती है जब उसे नई सरकार की प्राथमिकताओं के अनुसार काम करना पड़ता है। कल तक जिस फाइल को "बहुत महत्वपूर्ण" बताया जा रहा था, आज वही फाइल अलमारी में नीचे क्यों चली गई? कल जिस योजना को "ऐतिहासिक" कहा जा रहा था, आज उसके बारे में कोई बात क्यों नहीं कर रहा? कल जिस अधिकारी की कार्यशैली की प्रशंसा हो रही थी, आज उसके कमरे का रास्ता लंबा क्यों हो गया? यही तो सत्ता का खेल है और इसमें सबसे चतुर वह नहीं जो किसी एक व्यक्ति के प्रति निष्ठावान दिखाई दे, बल्कि वह है जो संविधान, कानून और संस्थागत जिम्मेदारी के प्रति अपनी निष्ठा कायम रखे। क्योंकि व्यक्ति बदलते हैं, सरकारें बदलती हैं, लेकिन राज्य चलता रहता है। राजनीतिक व्यंग्य में इसे चाहे "सम्राट युग" कहें या नई सरकार का दौर, तथ्य इतना है कि अप्रैल 2026 से बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं। बिहार सरकार की आधिकारिक वेबसाइट भी 1 अक्टूबर 2026 को उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज करती है। इसलिए 1 अक्टूबर को नए महीने के साथ एक अलग राजनीतिक प्रतीक जरूर दिखाई देता है। अब प्रश्न यह नहीं है कि कुर्सी पर कौन बैठा है। प्रश्न यह है कि कुर्सी पर बैठने के बाद वह कुर्सी को किस तरह चलाता है। कुर्सी किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती। वह जनता की ओर से मिली जिम्मेदारी होती है। इसलिए "सम्राट राज" का असली अर्थ भी व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि नई प्रशासनिक कार्यशैली की परीक्षा होना चाहिए। नाम बदलने से शासन नहीं बदलता है। शासन तब बदलता है जब निर्णय लेने की गति बदलती है, जवाबदेही बदलती है और जनता को मिलने वाली सेवा बदलती है। सही व्यंग्यात्मक संकेत है कि कुर्सी बदली तो पांव भी बदलने जरूरी होते हैं। वरना पुरानी कुर्सी के हिसाब से बने पांव नई कुर्सी को कब असंतुलित कर दे, पता नहीं चलता है। लेकिन एक और बात भी जरूरी है। पांव बदलने के साथ दिशा भी बदलनी चाहिए। यदि कुर्सी नई है, पांव नए हैं, गाड़ी नई है, ड्राइवर नया है, लेकिन रास्ता वही पुराना है और मंजिल भी वही है, तो यात्रा में नया क्या हुआ? नई सरकार का मतलब केवल नए चेहरे नहीं होना चाहिए। नई सरकार का मतलब होना चाहिए, नई प्राथमिकताएं, नई कार्यसंस्कृति, नई जवाबदेही और पुराने प्रशासनिक ढर्रे पर नई नजर। यही वह बिंदु है जहां राजनीतिक परिवर्तन प्रशासनिक परिवर्तन में बदलता है। केंद्र सरकार समय-समय पर ऐसे निर्णय लेती है जिनका प्रभाव देशभर के नागरिकों की जेब, कारोबार, तकनीक और दैनिक जीवन पर पड़ता है। नए महीने के साथ केंद्र के कई नियम और प्रावधान लागू होते हैं। आम आदमी के लिए इनका अर्थ अक्सर यही होता है कि किसी फॉर्म में एक कॉलम बढ़ गया, किसी भुगतान पर नया नियम आ गया, किसी सेवा का तरीका बदल गया या किसी सुविधा की शर्त बदल गई। लेकिन बिहार का बदलाव थोड़ा अलग है। यहां प्रश्न सीधे प्रशासन से जुड़ता है। पटना के सचिवालय से निकला आदेश गांव के प्रखंड कार्यालय तक जाता है। वहां से पंचायत तक पहुंचता है और अंततः उसी आम आदमी के दरवाजे तक आता है जिसने सरकार को चुना है। इसलिए बिहार सरकार में परिवर्तन का वास्तविक अर्थ तभी दिखाई देगा जब सत्ता की नई ऊर्जा प्रशासन के अंतिम छोर तक पहुंचेगी। नई सत्ता के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं कि वह पुराने दौर से कितनी अलग दिखाई देती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने निर्णयों की जिम्मेदारी कितनी मजबूती से उठा पाती है। आत्मनिर्भर सरकार का अर्थ केवल यह नहीं कि मुख्यमंत्री स्वतंत्र होकर निर्णय ले। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह भी है कि सरकार अपने फैसलों के परिणामों की जिम्मेदारी स्वीकार करे। अच्छा हुआ तो श्रेय लेना आसान है। मुश्किल हुआ तो परिस्थिति, पूर्ववर्ती सरकार, अधिकारी, मौसम, बाजार और कभी-कभी विपक्ष तक को दोष देना भी आसान है। लेकिन शासन का असली अर्थ है 'निर्णय मेरा, जिम्मेदारी भी मेरी'। यही किसी भी नई सरकार की सबसे कठिन परीक्षा है। हमारे लोकतंत्र को सबसे ज्यादा जरूरत इसी बात की है कि निष्ठा किसी व्यक्ति की कुर्सी से नहीं, संविधान और जनता से हो।

संक्षिप्त समाचार

होंडा ने एच1एफवाई27 में 34.40 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

रांची।होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने एच1एफवाई27 (अप्रैल-सितंबर 2026) के दौरान कुल 34.40 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो एच1एफवाई26 (अप्रैल-सितंबर 2025) के दौरान बेची गई 29.93 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एच1एफवाई27 (अप्रैल-सितंबर 2026) के दौरान घरेलू बिक्री 30.44 लाख यूनिट रही, जो साल-दर-साल 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जबकि एच1एफवाई26 (अप्रैल-सितंबर 2025) के दौरान 26.82 लाख यूनिट बिकी थीं। एच1एफवाई27 (अप्रैल-सितंबर 2026) के दौरान एक्सपोर्ट 3.96 लाख यूनिट रहा, जो साल-दर-साल 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जबकि एच1एफवाई26 (अप्रैल-सितंबर 2025) के दौरान 3.11 लाख यूनिट एक्सपोर्ट हुई थीं। सितंबर 2026 में, एचएमएसआई ने कुल 7.06 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो सितंबर 2025 में बेची गई 5.68 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सितंबर 2026 में घरेलू बिक्री 6.36 लाख यूनिट रही, जो सितंबर 2025 में बेची गई 5.05 लाख यूनिट की तुलना में साल-दर-साल 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सितंबर 2026 में एक्सपोर्ट 0.69 लाख यूनिट रहा, जो सितंबर 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.62 लाख यूनिट की तुलना में साल-दर-साल 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

SIR : झारखंड में फॉर्म-6 के 7.35 लाख से अधिक आवेदन डिजिटाइज

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत दावा एवं आपत्ति अवधि में प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन का कार्य जारी है। 4 अक्टूबर तक फॉर्म-6 के कुल 7,35,904 आवेदन डिजिटाइज किए जा चुके हैं। वहीं फॉर्म-6A के 114, फॉर्म-7 के 14,216 और फॉर्म-8 के 4,87,778 आवेदन डिजिटाइज हुए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, 4 अक्टूबर को फॉर्म-6 के 4,214, फॉर्म-6A के 2, फॉर्म-7 के 43 और फॉर्म-8 के 3,081 आवेदन डिजिटाइज किए गए। बीएलओ को प्राप्त आवेदनों के डिजिटाइजेशन के साथ आउटरीच और विशेष कैंप के माध्यम से छूटे हुए पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026 को होगा।

एसआईआर में कमजोर वर्गों के पात्र नागरिकों को मिलेगी विशेष सहायता

रांची। एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के सत्यापन में कमजोर एवं वंचित वर्गों के पात्र भारतीय नागरिकों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों, ईआरओ और एईआरओ को दिया है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि आश्रयगृह में रहने वाले अनाथों, वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों, निराश्रित महिलाओं, सेक्स वर्कर्स, ट्रांसजेंडर मतदाताओं और दस्तावेजों से वंचित वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग-अलग सहायता एवं सत्यापन की व्यवस्था की गई है। बीएलओ को जरूरतमंद मतदाताओं तक पहुंचकर दस्तावेज उपलब्ध कराने और सत्यापन में सहयोग करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेल्प डेस्क कैंप आयोजित किए जाएंगे। कैंप में नोटिस प्राप्त मतदाताओं, नए पात्र मतदाताओं, प्रवासी मतदाताओं और मतदाता सूची में सुधार कराने वाले लोगों को आवश्यक सहायता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र नागरिकों को जानकारी या दस्तावेजों के अभाव में मतदाता सूची से वंचित न होना पड़े।

करमा अखड़ा कार्यक्रम में समाजसेवी ने बांटी साड़ी व जर्सी

खूंटी। कर्रा प्रखंड की लिमड़ा पंचायत के डोमारी व कठसेमला गांव में करमा पर्व के अवसर पर सोमवार को लिमड़ा पंचायत के समाजसेवी रोशन उरांव ने शामिल होकर ग्रामीणों के साथ कर्मा पर्व की खुशियां साझा की। इस अवसर पर रोशन उरांव ने महिलाओं के बीच साड़ी व खेल प्रेमी युवाओं व खिलाड़ियों के बीच जर्सी का वितरण किया। सहयोग मिलने से महिलाओं, युवाओं व खिलाड़ियों में खुशी देखी गई। मौके पर उन्होंने कहा कि कर्मा पर्व आपसी भाईचारे, एकता व प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देता है। ऐसे पर्व समाज के लोगों को एकजुट होकर खुशियां बांटने व सामाजिक समरसता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी संदीप लकड़ा, नमजन होरो, संजीत तिग्गा, संजय उरांव, प्रेम धान, आंतोंनी बारला, विजय कुमार होरो, संजय मुंडा, सुधीर होरो व कंदुआ बारला सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिला-पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

लातेहार। आगामी दुर्गा पूजा त्योहार के मद्देनजर चंदवा व छिपादोहार थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी व अंचलाधिकारी समेत शांति समिति के कई गणमान्य लोग सम्मिलित हुये। बैठक में त्योहार के दौरान क्षेत्र में सौहार्द, शांति व कानून व्यवस्था बनाये रखने पर विशेष चर्चा की गई। पूजा समितियों व प्रबुद्ध नागरिकों से पंडालों में सभी जरूरी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखने व किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया गया। साथ ही त्योहार के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुव्यवस्थित बनाने में आम जनता से सहयोग मांगा गया।

ससुराल जाने के दौरान जबड़ा के समीप सड़क हादसे में एक युवक की मौत

नई सोच एक्सप्रेस

लावालौंग।लावालौंग थाना क्षेत्र अंतर्गत पोटम गांव निवासी रंजीत भुइयां की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रंजीत भुइयां बाइक से अपने ससुराल बालूमाथ जा रहा था। इसी दौरान जबड़ा के आगे सड़क पर उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि रंजीत की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस एवं परिजनों को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।परिजनों के अनुसार, रंजीत का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर मामूली विवाद हुआ था। इसके बाद वह नाराज होकर बाइक से अपने ससुराल बालूमाथ जाने के लिए निकला था। इसी दौरान जबड़ा के आगे वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुलिस स्तर से जांच की जा रही है।घटना की जानकारी मिलने के बाद हेडुम पंचायत के मुखिया संतोष राम मौके पर पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। उन्होंने परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकारी प्रावधान के तहत मिलने वाली सहायता एवं लाभ दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी।पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। गांव में भी मातम का माहौल छा गया। बाद में परिजनों द्वारा रंजीत भुइयां का अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना के बाद परिवार और ग्रामीणों में शोक की लहर है।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी व सह-प्रभारियों का रांची एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह झारखंड प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल तथा प्रदेश सह-प्रभारी सौरभ सिंह और निवेदिता सिंह के रांची पहुंचने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया। झारखंडी लोक संस्कृति और परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुरूप ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक नृत्य, पुष्पवर्षा और फूल-मालाओं के साथ तीनों नेताओं का अभिनंदन किया गया। इस दौरान एयरपोर्ट परिसर पार्टी कार्यकर्ताओं के जयघोष से गूंज उठा। स्वागत के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, नवीन जायसवाल, गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी, शालिनी बैसिखियार सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन में लापरवाही पर संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

लातेहार।पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में सोमवार को बेतला नेशनल पार्क सभागार में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में लातेहार, गढ़वा, पलामू, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा में संचालित जलापूर्ति योजनाओं की जिलावार समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को योजनाओं का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने और ग्रामीण परिवारों को शीघ्र नल से जल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्य में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समीक्षा में कई योजनाओं में संवेदकों की लापरवाही और अपेक्षित प्रगति नहीं होने की बात सामने आने पर मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने गंभीर लापरवाही बरतने वाले संवेदकों को नियमानुसार ब्लैकलिस्ट करने तथा अनियमितता के मामलों की जांच कर संबंधित अधिकारियों एवं संवेदकों पर कार्रवाई का निर्देश दिया। मंत्री ने योजनाओं की नियमित निगरानी, स्थलीय निरीक्षण और लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने को कहा। वहीं, विभागीय सचिव अबु इमरान ने ग्रामीणों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। बैठक में जल जीवन मिशन निदेशक शशि रंजन, लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार, डीडीसी सैय्यद रियाज अहमद समेत छह जिलों के अधिकारी, अभियंता और संवेदक मौजूद थे।

» मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य का दिया आदेश

उलिहातू पहुंचे भाजपा प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, बिरसा मुंडा को किया नमन

नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी।भाजपा के नवनियुक्त झारखंड प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र सिंह पटेल ने सोमवार को खूंटी प्रवास के दौरान भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा एवं बुधराम मुंडा से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और आशीर्वाद लिया। पटेल ने कहा कि जनजातीय समाज भाजपा की प्राथमिकता है। पार्टी जनजातीय समाज से अपने संवाद और संपर्क को और मजबूत करेगी तथा गांव-गांव तक संगठन की पहुंच बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के संघर्ष और योगदान से देश को परिचित कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके जन्मदिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड भाजपा के नए प्रभारी एवं सह-प्रभारियों ने कार्यभार संभालने से पहले उलिहातू पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया। उन्होंने राज्य सरकार पर बिरसा मुंडा की जन्मस्थली के विकास के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया। इस दौरान प्रदेश प्रभारी ने पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता कड़िया मुंडा से मुलाकात कर संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ता एवं मुखिया फागु मुंडा के घर पहुंचकर मड़ुआ रोटी, धुस्का, लाल साग सहित पारंपरिक भोजन भी किया। प्रभारी एवं सह-प्रभारियों का खूंटी में ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक नृत्य और पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने सुभाष चौक, भगत सिंह, जयपाल सिंह मुंडा एवं गया मुंडा की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों के अस्वस्थ होने की सूचना पर सीएचसी पहुंचे डीसी

नई सोच एक्सप्रेस

खूंटी। कर्रा प्रखंड के तिलमी स्थित उच्च विद्यालय के कुछ बच्चों के अस्वस्थ होने की सूचना पर डीसी मो. जावेद हुसैन सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने इलाजरत बच्चों व उनके अभिभावकों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। डीसी ने मौके पर मौजूद चिकित्सकों से बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति व उपचार की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को बच्चों की समुचित जांच कराने व आवश्यकता के अनुसार बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए व उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाए। डीसी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय के अन्य बच्चों के स्वास्थ्य की भी जानकारी लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य बच्चे में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी या लक्षण दिखाई देते हैं, तो समय रहते उसकी जांच कराकर आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कर्रा के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी व स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

रामठुंडा के क्षतिग्रस्त पुल पर हादसा, स्कूटी सवार दो युवतियां घायल

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। चतरा प्रखंड के रामठुंडा स्थित क्षतिग्रस्त पुल पर बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। पुल के गड्ढे में अनियंत्रित होकर स्कूटी सवार दो युवतियां गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवतियां स्कूटी से बाजार की ओर जा रही थीं। रामठुंडा पुल लंबे समय से क्षतिग्रस्त है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। पुल पर न तो संकेतक लगा है और न ही मरम्मत कराई गई है। इसी दौरान स्कूटी का पहिया गड्ढे में जाने से संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड़क पर गिर पड़ीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गिद्धौर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार कराया गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस जर्जर पुल को लेकर कई बार विभाग को शिकायत की गई है, लेकिन आज तक कोई सुध नहीं ली गई। आए दिन इस पुल पर हादसे होते रहते हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द पुल की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके।

मिशन 2029 के लिए बूथ से पंचायत स्तर तक संगठन मजबूत करेगी कांग्रेस

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की संगठनात्मक बैठक में वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान, संगठन की मजबूती, आगामी चुनावी रणनीति और मिशन 2029 को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं प्रभारी शामिल हुए। बैठक के बाद झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर प्रदेश संगठन की गतिविधियों, प्रगति और आगामी कार्ययोजना की रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान झारखंड में बूथ से पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। एसआईआर/एससीआर प्रक्रिया को लेकर भी प्रदेश कांग्रेस की तैयारियों की जानकारी दी गई। BLA-2 के गठन एवं सक्रियता तथा मतदाता सूची से जुड़े मामलों की निगरानी पर विशेष जोर दिया गया। जिला अध्यक्षों, प्रभारियों और प्रदेश पदाधिकारियों को इस दिशा में गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस ने कहा कि मिशन 2029 के तहत संगठन विस्तार, कार्यकर्ता सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए अभियान जारी रहेगा।

महिला रोजगार को बढ़ावा देने के लिए मखाना सेंटर शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

» रानी दुर्गावती की जयंती पर धनबाद जिला कोर्ट परिसर में उद्घाटन

धनबाद।भारतीय सनातन धर्म रक्षक रानी दुर्गावती के जन्मोत्सव के अवसर पर महिला रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धनबाद जिला कोर्ट परिसर में मखाना सेंटर का उद्घाटन किया गया। झारखंड मानव कल्याण सोसाइटी के अध्यक्ष रामाशीष चौहान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी साना परवीन और मानव अधिकार परिषद के जिला महासचिव अशोक पांडे की मौजूदगी में सेंटर का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर रामाशीष चौहान ने कहा कि बेरोजगार महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से धनबाद में ऐसे 10 सेंटर खोलने की योजना है। प्रत्येक सेंटर पर दो महिलाओं को रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेंटर से होने वाली आय का 10 प्रतिशत अनाथ बच्चों की शिक्षा पर खर्च किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में अधिवक्ता नवीन कुमार सिन्हा, अंजन सिन्हा, आकाश कुमार महतो, गनेश्वर हेम्ब्रम, उदय शर्मा, विजय किशोर, अधिवक्ता हीरालाल चौहान, हेमराज चौहान समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

2029 में झारखंड फतह का संकल्प ले भाजपा कार्यकर्ता : गजेंद्र सिंह पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।भाजपा के नवनियुक्त झारखंड प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि कार्यकर्ता सिर्फ कदम बढ़ाएं, 2029 में झारखंड फतह करने से भाजपा को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि जब पार्टी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दिल्ली में सरकार बना सकती है तो झारखंड में भी जीत हासिल की जा सकती है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को पूरी मजबूती और ईमानदारी से संगठन के लिए काम करना होगा। पटेल सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित स्वागत-अभिनंदन समारोह, प्रदेश पदाधिकारी बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की ताकत हैं। संगठन की मजबूती के लिए राजधानी से लेकर जिला, विधानसभा और मंडल स्तर तक जाकर काम किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी जनजातीय गौरव दिवस को भव्य रूप से मनाने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी एवं सह-प्रभारियों ने झारखंड के वीर सपूत बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू जाकर अपनी जिम्मेदारी की शुरुआत की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। संगठन महामंत्री पवन साय ने बूथ को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत बूथ ही चुनावी जीत का आधार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समाज के बीच जाकर काम करने की अपील की। कार्यक्रम में निवर्तमान संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को विदाई दी गई और उनके नए दायित्व एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। इससे पहले प्रदेश प्रभारी एवं सह-प्रभारियों का प्रदेश कार्यालय में भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, सह-प्रभारी सौरभ सिंह व निवेदिता सिंह, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पशुधन विकास योजना के तहत 1017 लाभुकों के आवेदनों को मिली मंजूरी

खूंटी। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना व जोड़ा बैल योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 के क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता डीसी मो. जावेद हुसैन ने की। इसमें दोनों योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। जिला स्तरीय समिति ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना व जोड़ा बैल योजना के तहत कुल 1017 लाभुकों के आवेदनों का अनुमोदन किया। अनुमोदन के बाद चयनित पशुपालकों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। बैठक में उप विकास आयुक्त, विधायक प्रतिनिधि, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य, जेएसएलपीएस के डीपीएम सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। डीसी मो. जावेद हुसैन ने संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं का क्रियान्वयन त्वरित गति से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चयनित लाभुकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर योजना का लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी करने व योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया गया। डीसी ने योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के साथ-साथ लाभुकों तक समय पर सहायता पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

खूंटी पहुंचे भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी, बोले सामूहिक प्रयास से संगठन को करेंगे मजबूत

खूंटी। भाजपा के नवनियुक्त झारखंड प्रदेश प्रभारी व राष्ट्रीय महामंत्री गजेंद्र सिंह पटेल अपने पहले झारखंड प्रवास के दौरान सोमवार को खूंटी पहुंचे। नेताजी चौक पर जिलाध्यक्ष आनंद कुमार के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद पटेल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, शहीद-ए-आजम भगत सिंह व मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया। खूंटी से वे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू पहुंचे व उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग व जनजातीय समाज के अधिकारों के लिए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की धरती पर आना उनके लिए गौरव व प्रेरणा का अवसर है। इस दौरान उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात कर उनका हालचाल भी जाना। खूंटी लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में पटेल ने कहा कि झारखंड प्रभारी बनने के बाद पहली बार राज्य आने पर भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पहुंचकर उन्होंने आशीर्वाद लिया है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास से भाजपा संगठन को मजबूत किया जाएगा। राज्य में भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था व भर्ती में कथित अनियमितताओं सहित जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को घेरने का काम करेगी। पटेल ने कहा कि भाजपा आदिवासी समुदाय के विकास व उत्थान के लिए लगातार प्रयास करती रही है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में जनजातीय मंत्रालय का गठन हुआ, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में आदिवासी समाज का समर्थन भाजपा को मिलेगा। पटेल ने भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा के आवास पर पहुंचकर उनसे भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कड़िया मुंडा का आशीर्वाद लिया व संगठनात्मक मार्गदर्शन प्राप्त किया। मौके पर प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी सौरभ सिंह एवं निवेदिता सिंह, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी, प्रदेश मंत्री सह जिला प्रभारी सुनीता सिंह, पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, कोचे मुंडा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

भालुबासा हरिजन बस्ती में ठेका कंपनी के सुपरवाइजर ने फंदे से लटककर दी जान

जमशेदपुर। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालुबासा हरिजन बस्ती में ठेका कंपनी में सुपरवाइजर के रूप में काम करने वाले जीतू मुखी (40) ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह घर में अकेले थे। उनकी पत्नी और दोनों बच्चे भी घर पर मौजूद नहीं थे। घटना रविवार देर रात की है। बताया जाता है कि परिजन जब घर लौटे तो जीतू मुखी को कमरे में फंदे से लटका पाया। इसके बाद तत्काल सीतारामडेरा थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के अनुसार, जीतू मुखी पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थे। परिवार आर्थिक परेशानियों से भी गुजर रहा था। हालांकि, इन परिस्थितियों का घटना से सीधा संबंध था या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

महिला के साथ पड़ोसी ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

दुमका। जिला के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र से एक बेहद ही शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां दो बच्चे की मां के साथ उसके पड़ोसी ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार आरोपी सुनील राणा भी शादीशुदा है और राजमिस्त्री का काम करता है। पुलिस ने मामले पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा जा रहा है। पीड़िता की ओर से शिकारीपाड़ा थाना में दिए आवेदन के अनुसार महिला का पति करीब 20 दिनों पहले ही तमिलनाडु गया था। बीते 25 सितंबर को जब वह अपने घर में बच्चों के साथ सोई हुई थी, तो रात में सुनील राणा घर में घुस गया जबरदस्ती करने लगा। उसने काफी विरोध किया तो सुनील ने उसे चोटिल कर दिया। दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग निकला। अगली सुबह महिला ने फोन अपर अपने पति को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पति के घर पहुंचने पर वह उनके साथ थाना पहुंची। पीड़िता ने लिखित शिकायत कर इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने सोमवार को बताया कि मामले में एफआइआर दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

धनबाद 'सपनों का महल' या बदहाल आशियाना? बेलगड़िया में पुनर्वास की हकीकत पर विजय कुमार झा ने उठाए सवाल

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। झरिया के अग्नि प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर बसाने के लिए बनाए गए बेलगड़िया टाउनशिप में पुनर्वास की जमीनी हकीकत पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। पूर्व बियाडा अध्यक्ष विजय कुमार झा सोमवार को बेलगड़िया पहुंचे व विस्थापित परिवारों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। विस्थापित परिवारों ने बिजली, पानी व जर्जर आवास की समस्याओं को लेकर अपनी परेशानी सामने रखी। लोगों का आरोप है कि जिन परिवारों को बेहतर व सुरक्षित जीवन का सपना दिखाकर यहां बसाया गया, उन्हें कई जगह बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। कई आवासों के दरवाजे व अन्य हिस्से भी खराब स्थिति में बताए गए। विजय कुमार झा ने मौके पर संबंधित प्रभारी से मुलाकात कर लोगों की समस्याएं उनके सामने रखीं। बिजली-पानी की समस्या पर ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी परेशानी की बात सामने आई। इस पर झा ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर पुनर्वास का मतलब सिर्फ परिवारों को एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट करना है, तो फिर इसे विकास व पुनर्वास कैसे कहा जाएगा? उन्होंने अधिकारियों को लेकर भी तीखी टिप्पणी की। विजय कुमार झा ने कहा कि अधिकारियों को कम से कम 15 दिन बेलगड़िया में रहकर दिखाना चाहिए। अगर अधिकारी खुद यहां रहेंगे तो उन्हें पता चलेगा कि विस्थापित परिवार किन परिस्थितियों में अपना जीवन गुजार रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी जिस दिन यहां रहेंगे, उसी दिन बिजली, पानी व दूसरी मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति भी सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि विस्थापन सिर्फ मकान देने का नाम नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीवन जीने की सुविधा देने का नाम है। सरकार व संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पुनर्वासित परिवारों को किसी भी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान न होना पड़े।दौरे के दौरान वार्ड नंबर-2 के पार्षद खास जानकारी मो. शहाबुद्दीन समाजसेवी गौतम मंडल, बंटी दत्ता समेत करीब 50 लोग मौजूद रहे। बेलगड़िया की जमीनी स्थिति ने एक बार फिर झरिया पुनर्वास व्यवस्था की गुणवत्ता व मूलभूत सुविधाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खिड़की की ग्रील खोलकर घर में घुसे चोर, 25 लाख के जेवरात नकदी उड़ाए

नई सोच एक्सप्रेस

दुमका। दुमका शहर के सराय रोड मोहल्ले में वंदना स्टेशनरी स्टोर्स के संचालक अशोक मोदी के घर चोरों ने खिड़की की ग्रील खोलकर करीब 25 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर लिये। चोरी की यह वारदात हाल में शास्त्री नगर में हुई चोरी की घटना के तरीके से मिलती-जुलती बताई जा रही है। पुलिस दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंधों की भी जांच कर रही है। बताया गया कि रविवार की देर रात चोरों ने पहले खिड़की की जाली काटी व इसके बाद स्क्रू खोलकर ग्रील हटा दी। खिड़की के रास्ते कमरे में प्रवेश करने के बाद चोरों ने तीन स्टील अलमारियों के आधा दर्जन से अधिक लॉकर तोड़े। इसके बाद अलमारियों में रखे जेवरात के डिब्बे निकालकर उसमें मौजूद आभूषण लेकर फरार हो गए। जिस कमरे में चोरी हुई, उसमें रात के समय कोई नहीं सोया था। परिवार के अन्य सदस्य घर के दूसरे कमरों में सो रहे थे। चोरों ने कमरे में रखे कपड़े व अन्य सामान को हाथ नहीं लगाया। उन्होंने मुख्य रूप से अलमारियों में रखे कीमती सामान को निशाना बनाया। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर कमरे व अलमारियों का सामान अस्त-व्यस्त मिला। गृहस्वामी ने घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची व जांच शुरू की। बाद में एसडीपीओ दिलीप खलखो, प्रभारी थानेदार जगन्नाथ धान व एसआई राजीव रंजन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ चोरों के आने-जाने के संभावित रास्तों की भी जांच की। पुलिस आसपास के घरों व प्रतिष्ठानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि वारदात को एक से अधिक अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया है। पुलिस चोरों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी फुटेज, संभावित रास्तों व अन्य सुरागों के आधार पर जांच कर रही है। हाल में शास्त्री नगर में हुई चोरी की घटना में भी खिड़की की ग्रील हटाकर घर में प्रवेश किया गया था। दोनों घटनाओं में चोरी के तरीके की समानता को देखते हुए पुलिस इस पहलू को भी जांच में शामिल कर रही है।

आगामी उपचुनाव में उम्मीदवार का चेहरा नहीं, बल्कि कमल का निशान महत्वपूर्ण होगा: रंजीत राय

नई सोच एक्सप्रेस

» सेवा ज्योति यात्रा को लेकर भाजपा ने झोंकी ताकत, पीरटांड़ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचेंगे गिरिडीह

गिरिडीह। आगामी 7 अक्टूबर को गिरिडीह के झंडा मैदान में आयोजित होने वाली सेवा ज्योति यात्रा को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पीरटांड़ के खुखरा में भाजपा की ओर से सोमवार को बैठक सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों व मंडल पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए उन्हें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत राय, वरिष्ठ नेता मनोज साहू समेत कई स्थानीय नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में सेवा ज्योति यात्रा को सफल बनाने के साथ-साथ आगामी उपचुनाव को लेकर भी संगठन की तैयारियों पर चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रंजीत राय ने कहा कि आगामी उपचुनाव में उम्मीदवार का चेहरा नहीं, बल्कि कमल का निशान महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर पूरी ताकत के साथ सक्रिय रहने व संगठन के कार्यक्रमों को आम लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। रंजीत राय ने 7 अक्टूबर को होने वाली सेवा ज्योति यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं से शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन की एकजुटता व कार्यकर्ताओं की सक्रियता को प्रदर्शित करने का अवसर है। वहीं भाजपा नेता मनोज साहू ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा को लेकर पीरटांड़ के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है। पीरटांड़ से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता गिरिडीह पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। बैठक के दौरान नवनियुक्त मंडल पदाधिकारियों को जिम्मेदारी संभालते हुए बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने व पार्टी के कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया गया। मौके पर हरलाडीह मंडल के सोमनाथ पांडेय, पीरटांड़ से अजय सिंह, शरद भगत, रिंकी देवी, सिकंदर हेमब्रम, रामबाबू साव, सुरेश मंडल, राकेश आर्या समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धनबाद में सात जिलों की पुलिस की बैठक, अपराध नियंत्रण पर बनी रणनीति

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। माओवादी गतिविधियों, संगठित अपराध व साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने को लेकर सोमवार को धनबाद में उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र के सात जिलों की पुलिस की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने व अपराध नियंत्रण पर भी चर्चा हुई। बैठक में बोकारो आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, हजारीबाग डीआईजी अंजनी कुमार झा समेत धनबाद, रामगढ़, बोकारो, कोडरमा, गिरिडीह व चतरा के एसपी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने नक्सल गतिविधियों, संगठित गिरोहों, साइबर अपराध व सक्रिय अपराधियों की स्थिति की समीक्षा की। आईजी ने फरार अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन व गंभीर मामलों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के साथ समयबद्ध गिरफ्तारी के निर्देश दिए। साइबर अपराध, महिला अपराध, पॉक्सो, एससी-एसटी व एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिला पशुपालन पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुई समीक्षात्मक बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

कोडरमा। डॉ. बिनिता कुमारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला अंतर्गत कार्यरत सभी पशु चिकित्सा पदाधिकारी, कर्मचारी, मोबाइल वेटरनरी यूनिट के पशु चिकित्सक व पैरावेट के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं यथा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम, निःशुल्क एफएमडी टीकाकरण अभियान, पीपीआर टीकाकरण अभियान, भारत पशुधन ऐप पर पशुओं का निबंधन व ईयर टैगिंग, मोबाइल वेटरनरी यूनिट की ओर से संचालित चिकित्सा सेवाओं आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा सभी पदाधिकारियों व कर्मियों को योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के पशुपालकों तक पहुंचाने, लक्ष्यों की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करने व पशुपालकों को विभागीय योजनाओं के प्रति जागरूक करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने विभागीय कार्यों को पूरी निष्ठा व पारदर्शिता के साथ संपादित करने का संकल्प लिया।

ग्रिजली विद्यालय में करियर काउंसलिंग सत्र, विद्यार्थियों को यूजी पाठ्यक्रमों व नए करियर विकल्पों की जानकारी

नई सोच एक्सप्रेस

» इंजीनियरिंग, चिकित्सा व प्रबंधन से लेकर एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी व डिजाइन तक विभिन्न क्षेत्रों में संभावनाओं से हुए परिचित

कोडरमा। ग्रिजली विद्यालय के विद्यार्थी सेवा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कक्षा 12वीं के विज्ञान व वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए 'अपनी यूजी यात्रा को जानें—पाठ्यक्रम, छात्रवृत्ति व प्रवेश' विषय पर विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अरका जैन विश्वविद्यालय, जमशेदपुर के करियर काउंसलर सुजीत कुमार व एडमिशन मैनेजर सुमित कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक करियर विकल्पों के साथ-साथ विभिन्न नए व उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध उच्च शिक्षा व करियर की संभावनाओं से परिचित कराना था। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को करियर का चुनाव अपनी रुचि, अभिरुचि, योग्यता, क्षमता, व्यक्तित्व व भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखकर करने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीसीए, बीएससी आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस, क्लाउड कंप्यूटिंग व इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे उभरते क्षेत्रों की जानकारी दी। इंजीनियरिंग के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्युनिकेशन, मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल सहित मेकाट्रॉनिक्स, एयरोनॉटिकल, बायोमेडिकल व कृषि अभियांत्रिकी जैसे विकल्पों पर भी चर्चा की गई। स्वास्थ्य व चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में फामेर्सी, फिजियोथेरेपी, ऑप्टोमेट्री, मेडिकल लैबोरेटरी टेक्नोलॉजी, नर्सिंग व न्यूट्रिशन जैसे पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गई। वहीं व्यवसाय प्रबंधन व वाणिज्य के क्षेत्र में बीबीए, बीकॉम, बिजनेस एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, बैंकिंग व वित्तीय सेवाओं से जुड़े विकल्पों पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त कानून, होटल प्रबंधन, पर्यटन, वास्तुकला, ललित कला, पत्रकारिता, मीडिया, फिल्म निर्माण, फोटोग्राफी, एनीमेशन व डिजाइन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि व क्षमताओं को पहचानकर सही शैक्षणिक मार्ग चुनने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न करियर व उच्च शिक्षा संबंधी प्रश्न पूछे। रिया, तान्या, क्रांति, नैन्सी, सतीश, आदर्श, सागर, हिमांशु व प्रांजल आनंद सहित अनेक विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत सहायक व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षक सुमित के. सिन्हा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने अतिथियों व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यार्थी सेवा प्रकोष्ठ के प्रभारी सुधांशु कुमार द्वारा अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सुमित के. सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आयोजन स्टूडेंट्स सर्विस सेल के समन्वयक सुधांशु कुमार के मार्गदर्शन में प्रभावी ढंग से किया गया। सत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक व उपयोगी रहा तथा उन्हें विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों, उभरते करियर क्षेत्रों व उच्च शिक्षा के विकल्पों के संबंध में स्पष्ट व महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

स्पेशल कैंपेन 6.0 के तहत आरपीवाई बीएड कॉलेज में चला स्वच्छता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार स्पेशल कैंपेन 6.0 के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान महाविद्यालय परिसर में क्लासरूम, लैब्स, लाइब्रेरी, कार्यालय, खेल परिसर आदि जगहों की साफ-सफाई की गई। प्रशिक्षुओं व महाविद्यालय कर्मियों ने श्रमदान कर परिसर से कचरा, प्लास्टिक व अन्य गंदगी को हटाया तथा स्वच्छता का संदेश दिया। इसके अलावा उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता बनाए रखने का शपथ भी लिया। अभियान का नेतृत्व आइक्यूएसी प्रभारी सहायक प्राध्यापक डॉ मनीष कुमार पासवान ने किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान लोगों को ई-वेस्ट के उचित निस्तारण व इससे पर्यावरण व स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही ई-वेस्ट को इधर-उधर नहीं फेंकने व निर्धारित स्थान पर जमा करने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। शैक्षणिक संस्थानों में इस तरह के अभियान विद्यार्थियों व प्रशिक्षुओं में स्वच्छता, जिम्मेदारी व सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ समाज में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाना चाहिए। अभियान के दौरान प्रशिक्षुओं ने आसपास के लोगों को कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण सहित सत्र 2026-28 के प्रशिक्षु बड़ी संख्या में शामिल हुए। अभियान के माध्यम से सभी ने स्वच्छ व स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

धनबाद में निर्यात बढ़ाने की नई रणनीति, हार्ड कोक के साथ इंजीनियरिंग व कृषि उत्पादों पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

धनबाद। धनबाद जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की समीक्षा बैठक सोमवार को समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज की अध्यक्षता में हुई। 'डिस्ट्रिक्ट्स एज एक्सपोर्ट हब्स' पहल के तहत आयोजित बैठक में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के निर्यात आंकड़ों की पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि से तुलना करते हुए जिला निर्यात कार्य योजना की समीक्षा की गई। बैठक में धनबाद के निर्यात को पारंपरिक हार्ड कोकिंग कोल के दायरे से आगे बढ़ाकर नए उत्पादों व बाजारों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक संजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि हार्ड कोक के अलावा इंजीनियरिंग गुड्स, कास्टिंग, फर्नेस लाइनिंग व मैन्युफैक्चरिंग उपकरणों के निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कृषि व बागवानी क्षेत्र में स्थानीय टमाटर एवं मौसमी उत्पादों को भी निर्यात बाजार से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। बैठक में चिरकुंडा की पांच फैक्ट्रियों से नेपाल, भूटान, अफ्रीका, बांग्लादेश, कुवैत व ओमान सहित विभिन्न देशों में होने वाले निर्यात पर भी चर्चा हुई। बैठक में छोटे व नए निर्यातकों को जोखिम प्रबंधन, ऋण सुविधा, तकनीकी उन्नयन व बेहतर लॉजिस्टिक्स उपलब्ध कराने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही एमएसएमई इकाइयों को ओएनडीसी, अमेजन, डीएचएल व शिपरॉकेट जैसे प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर भी मंथन हुआ। डीडीसी सन्नी राज ने संबंधित विभागों व संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों व उद्यमियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी पहल करने पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

विजय गर्ग बने सदस्यता अभियान समिति के सह संयोजक

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने संगठन के सदस्यता अभियान को गति देने के लिए प्रदेश स्तरीय सदस्यता अभियान समिति का गठन किया है। समिति में पानीपत के अमरनाथ गुप्ता को संयोजक, सफीदों के राकेश कुमार गोयल, नरवाना की पायल गोयल और कुरुक्षेत्र के विजय गर्ग को सह संयोजक बनाया गया है। प्रदेश महासचिव राजेश सिंगला ने बताया कि अभियान का उद्देश्य प्रदेशभर के वैश्य परिवारों, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को संगठन से जोड़ना है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवगठित समिति के प्रयास से संगठन को प्रदेश में और मजबूती मिलेगी। नवनियुक्त सह संयोजक विजय गर्ग ने जिम्मेदारी के लिए प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा से कार्य करते हुए अधिक से अधिक समाज बंधुओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

कनाडा में सराहा गया राजस्थान का तंबाकू मुक्ति मॉडल

78 शोधपत्रों में भारत की इकलौती केस स्टडी

जयपुर। कनाडा के विक्टोरिया में आयोजित नॉर्थ अमेरिका सोशल मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस में राजस्थान की तंबाकू नियंत्रण मुहिम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली। 1 से 3 अक्टूबर तक आयोजित सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और भारत समेत कई देशों के 78 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए गांधी फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं डब्ल्यूएचओ सिविल सोसाइटी कमीशन के सदस्य डॉ. रमेश गांधी ने राजस्थान की 76 वर्षों की तंबाकू मुक्ति यात्रा पर ऑनलाइन प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य विभाग और स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से तंबाकू सेवन में कमी आई है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के अनुसार यह 32.30 प्रतिशत से घटकर 24.70 प्रतिशत रह गया है। डॉ. गांधी ने कहा कि राजस्थान के 100 दिवसीय 'टोबैको फ्री यूथ कैंपेन-2022' को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया। उन्होंने तंबाकू के पूर्ण उन्मूलन के लिए जनभागीदारी और बहु-क्षेत्रीय प्रयासों को जरूरी बताया।

निष्काम भक्ति और ज्ञानार्जन से मनुष्य जन्म मरण से मुक्त हो जाता है,मुमुक्ष कृष्ण दद्दा जी महाराज

बरेली।कायस्थ सेना कल्याण परिवार द्वारा वृद्धाश्रम में आयोजित की जा रही भागवत के तृतीय दिवस भागवत व्यास ने बहुत सुंदर सुंदर कथा सुनाई उन्होंने भगवान कपिल और माता देवहूति के संवाद का वर्णन किया भागवत के दौरान उन्होंने बताया कि केवल चार श्लोकों के द्वारा ही भगवान नारायण ने ब्रह्मा जी को भागवत का सार समझा दिया । उन्होंने बताया कि मनुष्य जब संसार के सारे प्रपंचों को छोड़कर ईश्वर के वास्तविक स्वरूप को जान लेता है तो उसे अद्वैत ज्ञान की प्राप्ति होती है । आज की कथा में डॉ नितिन सक्सेना, रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव, आलोक सक्सेना, आलोक कुमार, आलोक वर्मा, कर्नल एन के त्रिपाठी, डॉ सोनिया सक्सेना, प्रीति सक्सेना, मयंक श्रीवास्तव, आर्यन प्रधान, एम के यादव, कांता गंगवार ,रचना चौहान आदि उपस्थित रहे। आज की आरती प्रसाद के यजमान आलोक प्रधान एडवोकेट और सीमा प्रधान रहे ।

महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने पटना जं. का किया निरीक्षण

पटना।पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को पटना जं. का निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म सं. 01 एवं 10 का एक छोर से दूसरी छोर तक निरीक्षण किया गया तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया । उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिज, टिकट काउंटर, एस्कलेटर आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा आदि का जायजा लिया । महाप्रबंधक ने पटना जं. पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किये जाने वाले स्टेशन पुनर्विकास कार्य की समीक्षा की तथा उच्च गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य एवं उन्नत यात्री सुविधा की उपलब्धता पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक द्वारा प्लेटफॉर्म सं.-10 पर खड़ी पटना-न्यूजलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस का भी निरीक्षण किया गया तथा यात्रियों से संवाद कर उनसे फीडबैक लिये । निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।

एक्सिस बैंक ने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों के लिए पेश की एप्पल पे की सुविधा

पटना। एक्सिस बैंक ने मास्टरकार्ड और वीजा नेटवर्क पर अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों के लिए एप्पल पे पेश किया है। यह सुविधा मुहैया कराने वाले वह पहला भारतीय बैंक बन गया है। यह लांच बैंक की डिजिटल भुगतान यात्रा के लिहाज से उल्लेखनीय कदम है, जिसमें एप्पल पे के आसान, सुरक्षित और निजता बनाए रखने वाले भुगतान अनुभव के साथ बैंक के क्रेडिट कार्ड फ्रेंचाइजी और डिजिटल क्षमताओं का इस्तेमाल किया गया है। ग्राहक आगामी कुछ सप्ताह में अपने आईफोन, एप्पल वॉच और आई पैड के जरिये स्टोर, इन-ऐप और ऑनलाइन मर्चेंट के पास आसानी से भुगतान कर सकेंगे। जल्द ही मैक के लिए भी समर्थन मिलेगा, जिससे उन्हें हस्तांतरण करने के लिहाज से अधिक विकल्प, सुविधा और लचीलापन हासिल होगा। बैंक के एमडी एंड सीईओ अमिताभ चौधरी ने अपनी टिप्पणी में कहा कि हम भुगतान के क्षेत्र में उल्लेखनीय स्थिति में हैं, जहां टेक्नोलॉजी, स्मार्ट सुरक्षा और ग्राहकों की बदलती उम्मीदों के मद्देनजर लोगों के हस्तांतरण के तरीकों में बदलाव आ रहा है। एप्पल पे के आने से हमारी यह कोशिश और आगे बढ़ेगी, जिससे हमारे क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को अधिक विकल्प और सुविधा मिलेगी, साथ ही उन्हें मास्टर कार्ड और वीजा नेटवर्क का समर्थन भी मिलेगा।

सहस्त्रार्जुन पूजा 18 नवंबर को, जायसवाल समाज के सभी वर्गों को किया जाएगा आमंत्रित

नई सोच एक्सप्रेस

बगहा। सीताराम मंदिर के समीप सुधीर जायसवाल के आवास पर जायसवाल समाज बगहा की बैठक हुई। अध्यक्षता मुन्ना जायसवाल ने की, जबकि संचालन राकेश जायसवाल ने किया। बैठक में समाज के कुलदेवता भगवान सहस्त्रार्जुन की पूजा के आयोजन को लेकर तिथि निर्धारण, तैयारियों और समाज को संगठित करने पर चर्चा हुई। समाज के प्रमुख लोगों की आपसी सहमति के बाद आगामी 18 नवंबर को भगवान सहस्त्रार्जुन की पूजा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। आयोजन में बगहा अनुमंडल क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों और गांवों में रहने वाले जायसवाल समाज के सभी वर्गों के लोगों को आमंत्रित करने पर सहमति बनी। बैठक में अधिक से अधिक लोगों को आयोजन से जोड़ने और सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मुन्ना जायसवाल ने कहा कि इस तरह के धार्मिक और सामाजिक आयोजन से आपसी भाईचारा एवं सामाजिक एकता मजबूत होती है। सभी के सहयोग और सहभागिता से समाज की परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ संगठन को भी मजबूत किया जा सकता है। बैठक में आयोजन की तैयारियों में सामूहिक योगदान देने तथा पंचायत और गांव स्तर तक समाज के लोगों को कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने का निर्णय लिया गया।इस दौरान रितु जायसवाल नागेंद्र जायसवाल, धर्मेंद्र जायसवाल, दीपक जायसवाल, सुधीर जायसवाल, आशुतोष कुमार जायसवाल, चुमन जायसवाल, टिंकू जायसवाल, रवि जायसवाल, विवेक जायसवाल, लालजी जायसवाल, अर्जुन जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, उमेश जायसवाल, गौरीशंकर जायसवाल सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

संघर्षशील उभरता जिला पुरस्कार से सम्मानित हुआ पश्चिमी चंपारण

नई सोच एक्सप्रेस

बगहा। एचआईवी/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य और लगातार सुधार के लिए पश्चिमी चंपारण जिले को 'संघर्षशील उभरता जिला पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 28 सितंबर को पटना में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जिले की ओर से जिला पर्यवेक्षक रमेश रंजन ने जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी के साथ पुरस्कार प्राप्त किया। पुरस्कार प्रमाण-पत्र में कहा गया है कि पश्चिमी चंपारण जिले ने चुनौतियों के बावजूद एचआईवी/एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत लगातार प्रयास किए और प्रभावी सेवाओं के क्रियान्वयन के साथ निर्धारित कार्यक्रमगत लक्ष्यों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। जिले ने NACO Dashboard पर 'Sangharshil' श्रेणी में रहते हुए एचआईवी/एड्स की रोकथाम, जांच, उपचार, देखभाल एवं समर्थन सेवाओं में निरंतर सुधार और प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सम्मान पत्र में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति सहित संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों के समन्वित प्रयास, नियमित अनुश्रवण और समर्पित कार्य की सराहना की गई है।पुरस्कार मिलने पर जिले के स्वास्थ्य एवं एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े कर्मियों में खुशी है। प्रमाण-पत्र में भविष्य में भी एचआईवी संक्रमण की रोकथाम, जांच, उपचार और वायरल सप्रेशन के क्षेत्र में बेहतर कार्य जारी रखने की अपेक्षा जताई गई है।यह सम्मान सुमित कुमार, भा.प्र.से., परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति की ओर से प्रदान किया गया।

सुपर 30 फेम आनंद कुमार की उपस्थिति में लिटिल फ्लावर चिल्ड्रेन स्कूल द्वारा बजट स्कूल फ्रैंचाइज़ी पहल की घोषणा

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।लिटिल फ्लावर चिल्ड्रेन स्कूल ने अपने निदेशक मुरलीधर यादव के नेतृत्व में अपनी नई स्कूल फ्रैंचाइज़ी पहल की शुरुआत की घोषणा कर दी है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 'सुपर 30' के संस्थापक और प्रसिद्ध गणितज्ञ आनंद कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। LFCS का दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट है "शिक्षा सबके लिए"। इस मूल मंत्र से निर्देशित यह पहल भारत भर के बच्चों और परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा को सुलभ और किफायती बनाना है। स्कूल के मिशन एजुकेशन मिशन इंडिया को प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता शरमन जोशी का भी मजबूत समर्थन मिला। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा, "मैं सोचता हूँ कि बच्चों को जीवन कौशल से परिपूर्ण बनाना सिर्फ माता-पिता की ही नहीं, बल्कि स्कूलों की भी ज़िम्मेदारी बनती है... इसीलिए LFCS ने यह पहल की है। सिर्फ कहने से नहीं, कर के दिखाना होगा." कार्यक्रम में आनंद कुमार ने कहा, "मुरलीधर जी की यह मुहिम मुझे बहुत अच्छी लगी - मिशन एजुकेशन और मिशन इंडिया। वह कम फीस में बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं और वैसे होनहार बच्चों को मुफ्त में भी पढ़ाना चाहते हैं जो फीस अदा नहीं कर सकते। तो उनकी यह बात सुनकर मैं इस स्कूल के अनावरण पर पटना से मुंबई आने के लिए तैयार हुआ। मैंने मुरलीधर जी से कहा कि मैं निशुल्क बच्चों को मार्गदर्शन दूंगा। आज ऐसी शिक्षा की ज़रूरत है कि बच्चा केवल तोते की तरह रटे नहीं, बल्कि वह कुछ नया आविष्कार करे। एआई के युग में जब तक बच्चा अपनी सोचने की क्षमता को विकसित नहीं करेगा, वो पीछे हो जाएगा।" मुरलीधर यादव ने कहा कि मुझे बहुत ज्यादा खुशी हो रही है क्योंकि सुपर 30 से नई अलख जगाने वाले आनंद कुमार की उपस्थिति में लिटिल फ्लावर चिल्ड्रेन स्कूल की यह पहल लॉन्च हुई है. आनंद कुमार को मैं दिल की गहराई से धन्यवाद व्यक्त करता हूँ.'

जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

बिदुपुर।जिला स्तरीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2026 वैशाली का स्थानीय रामदौली खेल मैदान बिदुपुर में सुबह 10 बजे माननीय श्री वर्षा सिंह जिला पदाधिकारी वैशाली के हाथों से उद्घाटन हुआ। तीन दिवसीय खेलकूद वैशाली जिले के विभिन्न जगहों पर 24 खेल का आयोजित किया गया। खोखो खेल में पीएम श्री सिंघाड़ा स्कूल की बालिका खोखो टीम का रहा जलवा। बालिका खोखो टीम में राजलक्ष्मी कुमारी, अंशिका, मनीषा, अंशु, मुनमुन, पुतुल, साक्षी, श्रुति, अंजली, पिहू और कोच मोहम्मद परवेज आलम टाइगर एवं टीम प्रभारी श्री सुरेश कुमार सहयोगी अविनाश कुमार एवं प्रभात सर मौजूद थे। वही टीम प्रभारी श्री सुरेश कुमार ने कहा कि खेल मनुष्य को जीने का सही रास्ता बतलाता है खेल से ही आप अपनी पहचान बना सकते हैं। खेल मनुष्य को भाईचारे का संदेश देता है। जबकि टाइगर कोच ने कहा कि कि हमें खेल हार जीत का नहीं है बल्कि खेल भावना एवं भाईचारे का होता हैं।

श्री आनंदेश्वर अमरनाथ सेवा परिवार ने सम्मान समारोह में दानदाताओं व सेवादारों का किया सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर।श्री आनंदेश्वर अमरनाथ सेवा परिवार द्वारा बाबा अमरनाथ यात्रा एवं यात्रा मार्ग पर संस्था द्वारा लगाए गए सहयोगी भंडारों के कुशलतापूर्वक संपन्न होने के उपलक्ष्य में एक पारिवारिक मिलन व सम्मान समारोह "शिवांजलि" का आयोजन दरोगा गेस्ट हाउस, दरोगा चौराहा, निकट शास्त्री चौक में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बालटाल में भंडारे की व्यवस्था करने वाली संस्था लंगर कमेटी श्री हनुमान मंदिर, मलेरकोटला (पंजाब), शिव सेवक समिति उन्नाव शाखा तथा श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर समिति, आवास विकास कॉलोनी से आए अतिथियों ने भाग लिया। अतिथियों ने भजन संध्या एवं भोलेनाथ, राधा-कृष्ण और वीर हनुमान जी की सजीव मनोहारी झांकियों का आनंद लिया। सभी अतिथियों, सहयोगी शाखाओं, दानदाताओं व सेवादारों को पटका, माला व प्रतीक चिन्ह पहनाकर और छड़ी यात्रा का प्रसाद देकर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक अनिल चतुर्वेदी, अध्यक्ष बालकृष्ण दीक्षित, महामंत्री कृष्णकांत तिवारी, अजय मिश्रा, विजय सिंह, लक्ष्मी शंकर गुप्ता, तेज सिंह यादव, मनोज बिश्नोई, मनोज शर्मा, एडवोकेट साजन यादव सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे और सभी का आभार व्यक्त किया। संस्था के अध्यक्ष बालकृष्ण दीक्षित ने कहा कि बाबा अमरनाथ की कृपा से इस वर्ष भी यात्रा और हमारे सभी भंडारे बहुत ही कुशलता के साथ संपन्न हुए। यह सब हमारे दानदाताओं, सेवादारों और सहयोगी संस्थाओं के निस्वार्थ सेवा भाव से ही संभव हो पाया है। आज का यह 'शिवांजलि' कार्यक्रम उन्हीं सभी को सम्मानित करने और उनका आभार प्रकट करने के लिए रखा गया था। श्री आनंदेश्वर अमरनाथ सेवा परिवार का संकल्प है कि हम हर वर्ष इसी तरह भक्तों की सेवा करते रहेंगे और अगली अमरनाथ यात्रा में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए प्रेरित करेंगे।"

एसीसी सिंदरी में अडानी फाउंडेशन की संगिनी मार्ट पहल ने ग्रामीण महिला उद्यमी को बनाया आत्मनिर्भर

नई सोच एक्सप्रेस

सिंदरी।एसीसी, विविधीकृत अडानी पोर्टफोलियो की सीमेंट एवं निर्माण सामग्री कंपनी, अडानी फाउंडेशन के साथ मिलकर सिंदरी में सतत आजीविका पहलों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बना रही है। छतातांड गांव की 45 वर्षीय निवासी और चार बच्चों की मां निशु देवी अपने पति की सीमित कृषि आय के कारण लगातार आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही थीं। परिवार को दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में कठिनाई होती थी और बच्चों की शिक्षा के लिए संसाधन जुटाना चिंता का विषय बना रहता था। उनकी परिस्थिति को देखते हुए अडानी फाउंडेशन ने संगिनी मार्ट पहल के तहत उन्हें सहयोग प्रदान किया और आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़ा। उचित मार्गदर्शन और समर्थन के साथ निशु देवी एक नियमित आय का स्रोत विकसित करने और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने में सफल रहीं। आज निशु देवी प्रति माह 7,000 से 8,000 रूपये तक की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस अतिरिक्त आय ने कृषि पर निर्भरता कम की है और सबसे महत्वपूर्ण रूप से उन्हें अपने बच्चों की उच्च शिक्षा का सहयोग करने में सक्षम बनाया है। निशु देवी की यह यात्रा दर्शाती है कि अडानी फाउंडेशन की आजीविका संबंधी पहलें किस प्रकार ग्रामीण परिवारों के लिए चुनौतियों को अवसरों और स्थिरता में बदल रही हैं।

जन संवाद में डीएम ने सुनी आमजनों की समस्याएं

नई सोच एक्सप्रेस

सुपौल। आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन द्वारा लगातार जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को समाहरणालय में जिलाधिकारी सावन कुमार ने जन संवाद कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे। जन संवाद के दौरान विभिन्न मामलों से संबंधित कुल 45 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। फरियादियों ने अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखा तथा संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई की मांग की। जिलाधिकारी ने एक-एक कर लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों के निष्पादन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन संवाद में प्राप्त आवेदनों को केवल औपचारिकता के रूप में न लिया जाए, बल्कि प्रत्येक आवेदन की गंभीरता से जांच करते हुए त्वरित एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों की शिकायतों का समयबद्ध निष्पादन जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने विभाग से जुड़े आवेदनों का नियमानुसार निष्पादन करते हुए इसकी प्रभावी निगरानी भी सुनिश्चित करें। जन संवाद में पहुंचे लोगों ने विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। लोगों की समस्याओं को सुनने के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी भी ली तथा जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता थी, उनमें संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि आमजनों से प्राप्त शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। विभागीय स्तर पर जिन मामलों का समाधान संभव है, उनका शीघ्र निष्पादन किया जाए तथा जिन मामलों में जांच या अन्य स्तर से कार्रवाई आवश्यक है, उनमें निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई पूरी की जाए। जिला प्रशासन की ओर से लगातार आयोजित किए जा रहे जन संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर उपलब्ध कराना और शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। सोमवार को आयोजित जन संवाद में प्राप्त 45 आवेदनों को संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा गया।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 25 लाख के 117 मोबाइल फोन धारकों को लौटाए गए

नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर।पुलिस द्वारा ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम हुए मोबाईल फोन बरामद कर सोमवार को वास्तविक मोबाईल धारक को सुपुर्द किया गया है। सिटी एसपी पश्चिमी संकेत कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक महोदय, पटना के दिशा निर्देश के आलोक में नगर पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी पटना के नेतृत्व में चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत पश्चिमी क्षेत्र के थाना अन्तर्गत मोबाईल खोने एवं गिरने से संबंधित दर्ज सनहा के आलोक में तकनीकी अनुसंधान कर मोबाईल की बरामदगी की जा रही है। इसी संदर्भ में ऑपरेशन मुस्कान के तहत पटना पश्चिमी क्षेत्र के विभिन्न थानों में कुल 117 मोबाईल फोन बरामदगी कर उसके वास्तविक धारको को मोबाईल फोन देकर उनके चेहरे का मुस्कान लौटाया गया। बरामद सभी मोबाईल की अनुमानित कीमत तकनीकी टीम द्वारा 25,500,000/- (पच्चिस लाख रूपये) आंकलित की गयी है। उन्होंने बताया कि विगत जुलाई से लेकर अबतक कुल 365 मोबाईल फोन बरामदगी कर उसके वास्तविक धारको को दी गई है।

लिविंग रूम को रि-अरेंज करते समय फॉलो करें ये टिप्स

अमूमन हम अपने घर को एक नया लुक देने के लिए अक्सर उसके इंटीरियर में बदलाव करते हैं। इसका सबसे आसान तरीका होता है उस प्लेस को रि-अरेंज करना। यूं तो आप समय-समय पर अपने घर के अलग-अलग हिस्सों को रि-अरेंज करती होंगी, लेकिन लिविंग एरिया को रि-अरेंज करते हुए आपको कुछ खास बातों को ध्यान रखना चाहिए।

बनाएं एक नया फोकस प्वॉइंट

फोकस प्वॉइंट वह होता है, जिस पर हर किसी की नजर सबसे पहले पड़ती है। आपके लिविंग रूम में भी कोई ना कोई फोकस प्वॉइंट जरूर होगा। जब आप अपने लिविंग एरिया को रि-अरेंज कर रही हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने फोकस प्वॉइंट को चेंज करने की कोशिश करें। मसलन, अगर कोई आर्टवर्क या फिर फर्नीचर पीस फोकस प्वॉइंट है तो अब आप उसे हटाएं। इसकी जगह आप एक बुक शेल्फ वॉल पर फिक्स करें या फिर आप फर्नीचर पीस को चेंज करने की कोशिश करें। इससे आपको अपना लिविंग रूम एकदम से नया लगेगा।

फर्नीचर को करें मूव

जब आप लिविंग एरिया को रि-अरेंज कर रही हैं तो इस दौरान फर्नीचर को मूव करना यकीनन अच्छा विचार है। फर्नीचर को मूव करने से पहले से यह देखें कि आप उसे किस तरह नए तरीके से अरेंज कर पाएंगी। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे फर्नीचर को मूव करते समय आपको परेशानी नहीं होगी। हमेशा पहले अपने माइंड में लेआउट बनाएं और उसके बाद ही फर्नीचर को मूव करें। हालांकि, अगर आप फर्नीचर को मूव नहीं करना चाहती हैं तो आप डिफरेंट कलर के फैब्रिक का इस्तेमाल करें। इससे भी लिविंग रूम में चेंज आता है।

लाइट सेटिंग पर दें ध्यान

लिविंग रूम को रि-अरेंज करने का मतलब सिर्फ सामान को इधर-उधर करना ही नहीं होता है, बल्कि आपको हर छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिए। मसलन, आपको लिविंग एरिया की लाइट सेटिंग पर फोकस करें। कोशिश करें कि लिविंग एरिया की सेटिंग कुछ ऐसी हो, जिससे वहां पर नेचुरल लाइटिंग को मैक्सिमाइज किया जा सके। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे लिविंग एरिया देखने में बेहद खूबसूरत लगता है।

वॉल आर्ट को करें रिअरेंज

लिविंग रूम को रि-अरेंज करते हुए आपको वॉल आर्ट में भी बदलाव करना चाहिए। आप वॉल आर्ट की प्लेसमेंट वॉल को चेंज करें या फिर आप अपनी खुद की बनाई कोई आर्ट हैंग कर सकती हैं। लिविंग रूम को रि-अरेंज करते हुए जब वॉल्स पर ध्यान रखा जाता है तो इससे आप बेहतर तरीके से उस एरिया का मेकओवर कर सकती हैं।

ऑफिस के कामों से हो रहा है स्ट्रेस?

जानें इससे छुटकारा पाने के उपाय

वीकेंड्स के बाद जब सोमवार को ऑफिस जाना हो तो एक बार सभी का मन थोड़ा आलस जरूर करता है। इसका कारण है कि ज्यादातर लोग ऑफिस के स्ट्रेस से परेशान होते हैं। ऑफिस के काम का स्ट्रेस कम या ज्यादा हर फील्ड में होता ही है। इसी स्ट्रेस के बीच कुछ लोग ऐसे भी दिखाई देते हैं, जिन्हें कोई स्ट्रेस भी नहीं रहता और उनकी परफॉर्मेंस भी अच्छी रहती है। ऐसे में मन में सवाल उठता है कि आखिर उन्होंने स्ट्रेस से छुटकारा पाने के लिए कौन सा तरीका अपनाया है।

वर्कलोड के लिए खुद को पहले से रखें तैयार

काम के स्ट्रेस से बचने का सबसे अच्छा तरीका है पहले से तैयार रहना। ज्यादातर ऑफिस के काम का स्ट्रक्चर तय रहता है। कल क्या टास्क करना है, इस बात का अनुमान पहले से ही रहता है। ऐसे में समझदार लोग आने वाले टास्क की बेसिक तैयारी पहले से ही करके रखते हैं। इससे काम तो बराबर ही करना पड़ता है, लेकिन अफरा-तफरी और जल्दबाजी का सामना नहीं करना पड़ता है।

संस्थान की अपेक्षाओं को समझें

काम में सबसे ज्यादा स्ट्रेस तब होता है, जब हमें पता ही न हो कि हमसे क्या काम लिया जाएगा। कुछ भूमिकाएं ऐसी हो सकती हैं, जहां किसी की जिम्मेदारी रोज बदलती हो, लेकिन सामान्य तौर पर काम का स्वरूप तय होता है। आपको यह समझना चाहिए कि संस्थान आपसे क्या अपेक्षाएं रखता है। यदि इस बात में कोई शंका हो तो अपने सीनियर से बात करके अपनी भूमिका स्पष्ट कर लें। भूमिका को समझकर उसके लिए तैयार रहना आसान हो जाता है।
ऑफिस के माहौल को बनाएं स्ट्रेस फ्री

ऑफिस स्ट्रेस में बड़ा योगदान फिजिकल स्ट्रेस का भी होता है। इसलिए अपने काम की जगह को खुशनुमा बनाकर रखें। यह मैनेजमेंट की भी जिम्मेदारी है कि वह ऐसा माहौल रखे, जिसमें कर्मचारियों को किसी तरह की फिजिकल स्ट्रेस न हो। उदाहरण के तौर पर, गर्मियों में एसी का सही से काम करना और सभी के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था जरूरी है।

मल्टीटास्किंग नहीं, चंकिंग का है जमाना

एक दौर था जब मल्टीटास्किंग को बड़ी खूबी माना जाता था। लेकिन समय के साथ यह समझ आने लगा कि मल्टीटास्किंग होना बहुत अच्छा नहीं है। आप समझ सकते हैं कि एक ओर कान पर फोन लगाकर अगर आप दूसरी ओर कैलकुलेशन करना चाहेंगे, तो गलती की आशंका बढ़ जाएगी। इसीलिए अब जमाना चंकिंग का है। चंकिंग का मतलब है छोटे-छोटे टाइम चंक बनाकर काम करना यानी दिनभर में जितने काम करने हैं, उन्हें टुकड़ों में बांट लें और सभी के लिए निश्चित समय तय कर लें। जैसे अगर बहुत जरूरी न हो, तो दिनभर बार-बार ईमेल चेक करने के बजाय एक निश्चित टाइम में सारे ईमेल चेक कर लें। इसी तरह से अन्य कामों के लिए भी समय निर्धारित रखें। इससे स्ट्रेस कम करने में मदद मिलेगी।

स्ट्रेस से छुटकारा पाने के लिए खुद को दें इनाम

काम पर हमेशा अपना बेस्ट देने की कोशिश करें और जब अपनी उम्मीदों पर खरें उतरें तो खुद को इनाम भी दें। यह अपने आपको प्रोत्साहित करने का सबसे अच्छा तरीका है। कई बार हम यह उम्मीद करते हैं कि कोई हमारे काम की तारीफ करे, लेकिन खुद कभी अपने आपको प्रोत्साहित नहीं करते हैं। अपने सबसे करीबी दोस्त हम ही होते हैं और अपने अच्छे काम के लिए इनाम देने की सबसे पहली जिम्मेदारी भी हमारी ही है।

घर सजाते समय वॉलपेपर का इस्तेमाल करने से मिलते हैं ये पांच फायदे

पिछले कुछ समय से वॉलपेपर को इस्तेमाल करने का चलन काफी बढ़ गया है। आजकल लोग अपने घरों में पेंट से ज्यादा वॉलपेपर का इस्तेमाल करते हैं और घर के अलग-अलग एरिया की दीवार को खूबसूरत बनाते हैं। आजकल मार्केट में कई कलर, डिजाइन, पैटर्न व स्टाइल के वॉलपेपर मिलते हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद-नापसंद या फिर घर के इंटीरियर को ध्यान में रखकर सलेक्ट कर सकते हैं। वैसे वॉलपेपर सिर्फ आपके घर को खूबसूरत नहीं बनाते हैं, बल्कि इनके इस्तेमाल के अन्य भी कई फायदे होते हैं। जिनके बारे में अधिकतर लोगों को पता ही नहीं होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको होम डेकोर में वॉलपेपर का इस्तेमाल करने के कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं-

मनचाहा लुक देना होता है आसान

अपने घर को लेकर हमारे मन में कई तरह के विचार होते हैं। लेकिन सिर्फ पेंट के जरिए घर को मनचाहा लुक नहीं दिया जा सकता है। दरअसल, पेंट सिर्फ आपके घर को एक कलर देते हैं, जबकि वॉलपेपर की मदद से आप कई डिफरेंट डिजाइन, पैटर्न व कलर से अपनी दीवारों को सजा सकते हैं। आप अपनी पसंद के अनुसार थीम बेस्ड से लेकर कार्टून व क्लासिक स्टाइल में अपने घर को डेकोरेट कर सकते हैं।

बदलना होता है आसान

हम सभी समय-समय पर अपने घर के इंटीरियर में कुछ ना कुछ बदलाव करना चाहते हैं। इस लिहाज से भी वॉलपेपर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। जब आप अपनी दीवारों को सजाने के लिए वॉलपेपर को चुनते हैं, तो आप जितनी बार चाहें, उसे बिना किसी परेशानी के बदल सकेंगे। वहीं, दूसरी ओर घर में पेंट करवाना काफी झंझटभरा हो सकता है। लेकिन वॉलपेपर इस मामले में कहीं आगे है।

होते हैं अधिक ड्यूरेबल

ड्यूरेबिलिटी के लिहाज से भी वॉलपेपर बहुत अच्छे माने जाते हैं। वॉल पेंट में समय के साथ पीलापन या फिर उनके निकलने की समस्या होने लगती है। लेकिन वॉलपेपर के साथ जल्दी से ऐसा कुछ नहीं होता है। अगर आप इसे सही तरह से अप्लाई करते हैं और अपनी दीवार की सही तरह से केयर करते हैं तो इससे आपका वॉलपेपर 8 से 10 साल तक चल सकता है। वहीं, अगर आप दीवार को पेंट करते हैं, तो आपको उसे टच अप या फिर से कलर करना होगा।

होते हैं अफोर्डेबल

जब भी हम अपने घर को सजाते हैं या फिर उसे रिनोवेट करने के बारे में सोचते हैं तो सबसे पहले मन में बजट का ही ख्याल आता है। ऐसे में वॉलपेपर का इस्तेमाल करना अच्छा आइडिया हो सकता है। आजकल मार्केट में वॉलपेपर की एक वाइड रेंज अवेलेबल है, जिसे आप अपनी पसंद व बजट के अनुसार चुन सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल ऐसे वॉलपेपर भी मिलते हैं, जिन्हें आप खुद ही दीवारों पर लगा सकते हैं। ऐसे में आपकी लेबर कॉस्ट भी बच जाती है।

लगाना होता है काफी आसान

वॉलपेपर लगाने में गन्दा नहीं होता है, और आपके किसी भी फर्नीचर या फर्श पर छींटे पड़ने का कोई खतरा नहीं होता है। जिससे आप बेहद कम समय में अपने घर का आसानी से मेकओवर कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर आपकी दीवार पर कोई क्रैक या निशान आदि है तो यह वॉलपेपर उसे भी बेहद ही खूबसूरती के साथ छिपा सकता है। बच्चों के घर के लिए तो इन्हें काफी अच्छा माना जाता है, क्योंकि अगर वॉलपेपर पर कोई निशान आ जाता है तो आप उसे आसानी से क्लीन भी कर सकते हैं।

होम डेकोरेशन में फूलों को इन पांच तरीकों से करें शामिल

यूं तो हम सभी अपने घर को सजाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अगर होम डेकोर में फूलों को शामिल किया जाए तो इससे एक फ्रेशनेस भी आती है। साथ ही साथ, फूलों के कारण घर का माहौल पॉजिटिव रहता है और आपका मूड भी काफी अच्छा रहता है।

यही कारण है कि अधिकतर लोग वास में फूल रखकर उससे अपने घर को सजाते हैं। लेकिन अपने घर में फूलों को शामिल करने का सिर्फ यही एक तरीका नहीं है। बल्कि अगर आप चाहें तो कई अलग-अलग तरीकों से फूलों को अपने होम डेकोर का हिस्सा बना सकती हैं, आप कुछ ऐसे छोटे-छोटे तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप फूलों से अपने घर को सजा सकती हैं और उसे पहले से भी ज्यादा खूबसूरत बना सकती हैं।

फ्लोरल वॉलपेपर का करें इस्तेमाल

फूलों को मेंटेन करना इतना भी आसान नहीं होता है। ऐसे में अगर आप अपने घर को एक फ्लोरल टच भी देना चाहती हैं और फूलों को संभालने का झंझट भी नहीं पालना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने घर की दीवारों पर फ्लोरल वॉलपेपर का इस्तेमाल करें। आप अपने कमरे की सजावट व कलर कॉम्बिनेशन को ध्यान में रखकर वॉलपेपर का चयन करें। आपको मार्केट में फ्लोरल वॉलपेपर के एंडलेस ऑप्शन मिलेंगे।

फ्लोरल एसेसरीज को करें शामिल

होम डेकोर मे फ्लोरल एक्सेसरीज को शामिल करना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है। मसलन, परदों को हैंग करते हुए आप उन्हें टाई बैक करें तो ऐसे में आप फूलों की मदद लें। इससे मिनिमल फूलों में भी आपका कमरा बेहद क्लासी लगेगा।

फ्लॉवर बास्केट का करें इस्तेमाल

घर को फूलों से सजाते हुए हम वास का इस्तेमाल तो करते ही हैं, लेकिन अगर आप एक ट्विस्ट के साथ फूलों को होम डेकोर में शामिल करना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक रस्टिक फ्लॉवर बास्केट का इस्तेमाल करें। आप इसमें डिफरेंट साइज के फूलों और ग्रीन फिलर्स से बास्केट को रेडी करें। इस बास्केट को कॉफी टेबल पर रखा जा सकता है। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो इसे दरवाजे पर भी हैंग कर सकती हैं।

तैयार करें फ्लोरल वॉल

जब आप अपने घर को डेकोरेट कर रही हैं तो ऐसे में एक बोरिंग वॉल को और भी ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए फ्लोरल वॉल लुक क्रिएट करें। इसके लिए आप आर्टिफिशियल फूलों को वॉल पर एक खास तरह के पैटर्न में हैंग करें। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो एक फ्लोरल वॉल आर्ट का इस्तेमाल भी कर सकती हैं और दीवार पर हैंग करके उसे एक न्यू लुक दे सकती हैं।

इस तरह के ट्विस्ट

होम डेकोर में फूलों को शामिल करने के लिए आप उसे एक ट्विस्ट भी दे सकती हैं। मसलन, आप एक बर्डकेज लें और उसे फूलों की मदद से डेकोरेट करें। अब आप इस बर्ड केज को अपने घर में हैंग करें। इस तरह आप बर्ड केज को एक खूबसूरत डेकोरेटिव पीस में बदल सकती हैं और उससे अपने घर को भी खास बना सकती हैं।

श्री राम के किरदार को लेकर मुकेश खन्ना ने जताई नाराजगी

मशहूर अभिनेता मुकेश खन्ना ने रणबीर कपूर अभिनीत आगामी फिल्म रामायण में भगवान राम के किरदार को लेकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि फिल्म में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को धुरंधर और एक्शन हीरो के रूप में पेश किया गया है, जो उनकी आस्था के विपरीत है। मुकेश खन्ना ने आरोप लगाया कि मेकर्स ने राम को सलमान खान, अमिताभ बच्चन, रजनीकांत जैसा बनाने की कोशिश की है।

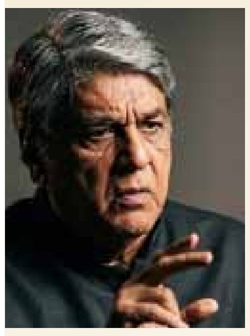

एक विशेष बातचीत में, मुकेश खन्ना ने रामायण के ट्रेलर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें विशेष रूप से वे दृश्य पसंद नहीं आए, जहाँ भगवान राम को पेड़ पर चढ़ते और तीर छोड़ते दिखाया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि श्री राम, मर्यादा पुरुषोत्तम थे, जो मुस्कुराते हुए समुद्र से भी रास्ता छोड़ने का निवेदन करते थे। खन्ना ने सवाल उठाया, अगर आप श्री राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के बजाय एक एक्शन हीरो दिखाना चाहते हैं और उन्हें क्लिंट ईस्टवुड बना देते हैं, तो मुझे लगता है कि भगवान राम ने इस तरह लड़ाई नहीं की थी। अगर उन्होंने इस तरह लड़ाई की होती, तो उन्हें वानर सेना की मदद क्यों लगती? मुकेश खन्ना ने फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) के अत्यधिक इस्तेमाल पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भले ही ये स्पेशल इफेक्ट्स फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करें और इसकी तुलना स्टार वॉर्स जैसी फिल्मों से की जाए, लेकिन भारत के दर्शक इसे आस्था भाव से देखेंगे। उनका कहना था कि भारतीय दर्शक स्पेशल इफेक्ट्स नहीं, बल्कि अपनी आस्था के अनुरूप प्रस्तुति चाहते हैं। इन आलोचनाओं के बावजूद, फिल्म के निर्माता इसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में मुंबई में आयोजित एक प्रमोशनल इवेंट में दुनिया के सबसे अमीर यूट्यूबर मिस्टर बीस्ट को आमंत्रित किया गया था, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म को चर्चा में ला दिया। रामायण का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और नमित मल्होत्रा इसके निर्माता हैं। फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता, रवि दुबे लक्ष्मण और अरुण गोविल राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे।

तू है मेरी किरण में सोनाक्षी और जहीर ने की बड़े पर्दे पर वापसी

बॉलीवुड की अपकमिंग रोमांटिक थ्रिलर फिल्म तू है मेरी किरण में अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल बड़े पर्दे पर एक साथ वापसी करने को तैयार हैं। सोनाक्षी और जहीर इकबाल की यह पहली फिल्म होगी, जिसका पहला लुक हाल ही में जारी किया गया है। जारी किए गए पोस्टर में सोनाक्षी सिन्हा लैपटॉप पर काम करती नजर आ रही हैं, जबकि जहीर इकबाल उन्हें एकाग्रता से घूर रहे हैं, उनके हाथ में एक फोन है। इस पोस्टर से फिल्म की कहानी में प्यार और जुनून के बीच उलझे रिश्तों की झलक मिलती है। फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने कैप्शन में लिखा, प्यार और जुनून के बीच आप कहाँ रेखा खींचेंगे? यह टैगलाइन, शी फाउंड अ कनेक्शन, ही फाउंड ऑब्सेशन (उसे कनेक्शन मिला, उसे जुनून), फिल्म के गहरे और थ्रिलर वाले पहलू को उजागर करती है। तू है मेरी किरण 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण रावल ने किया है, जबकि सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने इसे प्रोड्यूस किया है। इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी उत्साहपूर्ण प्रतिक्रियाएँ दी हैं। कई प्रशंसकों ने उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को देखने के लिए उत्सुकता व्यक्त की है, विशेषकर उन रील्स को देखने के बाद जो वे सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी और जहीर एक साथ बड़े पर्दे पर दिखेंगे। इससे पहले, वे साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्सएल में साथ नजर आए थे, जिसका निर्देशन सतराम रमानी ने किया था। दुर्भाग्यवश, वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी। फिल्म के शीर्षक तू है मेरी किरण को लेकर भी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म डर के मशहूर गाने जादू तेरी नजर की एक पंक्ति है। डर फिल्म भी एक जुनूनी प्रेम कहानी पर आधारित थी, जिसने दर्शकों को डरा दिया था। उस फिल्म में शाहरुख खान ने एक जुनूनी प्रेमी का किरदार निभाया था, जिसे उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक माना जाता है। डर में शाहरुख खान के साथ जूही चावला और सनी देओल भी थे, और यह फिल्म साल 1993 में रिलीज हुई थी। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने साल 2024 में एक दूसरे से शादी की थी, जब उन्होंने लंबे समय तक डेटिंग करने के बाद अपने रिश्ते को अगले स्तर पर ले जाने का फैसला किया।

यामी गौतम की 'नई नवेली का ट्रेलर जारी, बहू से 'डायन भाभी तक का दिखा खौफनाक सफर

अभिनेत्री यामी गौतम की आगामी फिल्म 'नई नवेली का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। बालाजी मोह के निर्देशन में बनी यह फिल्म डरावने घटनाक्रम के साथ हास्य का तड़का लगाने वाली डरावनी हास्य फिल्म है। फिल्म का निर्माण आनंद एल. राय के निर्माण संस्थान 'कलर येलो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने मिलकर किया है। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में यामी गौतम एक साधारण परिवार की नई-नई आई बहू की भूमिका में नजर आएंगी। शुरुआत में उनका किरदार बेहद सामान्य और घरेलू दिखाई देता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उनके किरदार का रहस्यमय और डरावना रूप सामने आता है। वह जल्द ही ऐसी 'डायन भाभी के रूप में नजर आती हैं, जो परिवार और दर्शकों दोनों के होश उड़ाने वाली है। 'नई नवेली की कहानी मेरठ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में एक परिवार के घर नई बहू के आने के बाद घटनाओं में बदलाव शुरू होता है। यामी का किरदार घर में प्रवेश करते ही परिवार की कई परेशानियों को दूर करता नजर आता है और सब कुछ ठीक होने लगता है। हालांकि, कुछ समय बाद उसके देवर को अपनी नई भाभी के व्यवहार और गतिविधियों पर संदेह होने लगता है। उसे महसूस होता है कि उसकी भाभी कोई साधारण इंसान नहीं है, बल्कि उसके पीछे किसी अलौकिक शक्ति का रहस्य छिपा है। ट्रेलर में हास्य और डर के साथ कई रहस्यमय दृश्य देखने को मिलते हैं। कहानी में अलौकिक शक्तियों के साथ रावण वध का प्रसंग भी जोड़ा गया है। ट्रेलर में कई ऐसे दृश्य दिखाए गए हैं, जो दर्शकों के बीच रोमांच और जिज्ञासा पैदा करते हैं। फिल्म में यामी गौतम के साथ आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुनीता राजवार और मीता वशिष्ठ समेत कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'नई नवेली को लेकर जारी जानकारी के मुताबिक, फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर सामने आने के बाद अब दर्शकों की नजर फिल्म की कहानी और यामी गौतम के 'डायन भाभी वाले किरदार पर है।

'पहला प्यार दूसरी बार का मजेदार ट्रेलर जारी

छह नए चेहरे दिखाएंगे प्यार और दोस्ती के नए रंग

आगामी फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार का मजेदार और ऊर्जा से भरपूर ट्रेलर जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में फिल्म के अनोखे शीर्षक का अर्थ समझाने के साथ ही युवाओं की दुनिया, पहला प्यार, पुराने आकर्षण, दोस्ती और रिश्तों में आने वाली उलझनों की झलक देखने को मिलती है। फिल्म के सभी छह नवोदित कलाकार अपनी प्रस्तुति से प्रभावित करते नजर आ रहे हैं, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। ट्रेलर में युवावस्था के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। इसमें प्रेम और दोस्ती के साथ हास्य का भी भरपूर तड़का लगाया गया है। मजेदार संवाद, चुटीले चुटकुले, हास्यपूर्ण एक-पंक्तीय संवाद और एक-दूसरे की टांग खींचते किरदार ट्रेलर को मनोरंजक बनाते हैं। कहानी में पुराने आकर्षण के दोबारा सामने आने और उसके बाद पैदा होने वाली परिस्थितियों को भी हल्के-फुल्के अंदाज में पेश किया गया है।

'पहला प्यार दूसरी बार से स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लुथरा बड़े पर्दे पर अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं। फिल्म में इन छह नए कलाकारों के बीच सहज तालमेल और ऊर्जावान प्रस्तुति दिखाई दे रही है। निर्माताओं ने इससे पहले इन कलाकारों के परिचय की झलकियां साझा की थीं और अब ट्रेलर के माध्यम से उनकी भूमिका तथा फिल्म की कहानी की पहली विस्तृत झलक दर्शकों के सामने रखी गई है। फिल्म की कहानी स्कूल, दोस्ती, आकर्षण और उन यादों के इर्द-गिर्द घूमती दिखाई देती है, जिनसे युवा अवस्था गुजरने वाला लगभग हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस कर सकता है। हास्य और युवा प्रेम के मेल से तैयार यह फिल्म छह नए कलाकारों को अपनी पहचान बनाने का अवसर भी दे रही है। निर्माता लव रंजन ने फिल्म को लेकर कहा कि 'पहला प्यार दूसरी बार उन यादों से जुड़ी कहानी है, जिनकी ओर लोग बार-बार लौटते हैं। इनमें स्कूल, दोस्ती, आकर्षण और वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने जीवन के उन वर्षों को खास बनाया। उनके अनुसार, फिल्म के किरदार भले ही युवा पीढ़ी से जुड़े हों, लेकिन उनकी भावनाएं सार्वभौमिक हैं। लव रंजन ने कहा कि हास्य और युवा प्रेम की इस दुनिया में छह नए कलाकारों को प्रस्तुत करना इस परियोजना को और रोमांचक बनाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक इन नए कलाकारों और उनके सफर को पसंद करेंगे। फिल्म का निर्देशन अनुज सैनी ने किया है और यह उनका निर्देशन में पदार्पण है।

सैनी ने कहा कि 'पहला प्यार दूसरी बार उनके लिए बेहद खास फिल्म है और वह अपने निर्देशन करियर की शुरुआत के लिए इससे बेहतर टीम की उम्मीद नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा कि छह युवा कलाकारों ने फिल्म में अपनी ऊर्जा और प्रतिभा के साथ बहुत कुछ जोड़ा है। अब उन्हें इस बात का इंतजार है कि दर्शक उस अनुभव को किस तरह स्वीकार करते हैं, जिसे पूरी टीम ने मिलकर तैयार किया है। 'पहला प्यार दूसरी बार को लव फिल्म्स प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है, जबकि निर्देशन अनुज सैनी का है। फिल्म में छह नए कलाकारों को प्रमुख भूमिकाओं में पेश किया गया है। फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। ट्रेलर में नजर आ रही युवा ऊर्जा, प्रेम, दोस्ती और हास्य के मिश्रण के चलते अब दर्शकों की नजर फिल्म की रिलीज पर टिकी है।

स्टार प्लस ने जारी किया समीक्षा जायसवाल और पारस कलनावत की सुपरनैचुरल गाथा 'अप्सरा' का पहला लुक

मुंबई: अप्सराओं की सुंदरता पर कई कहानियाँ कही गई हैं। लेकिन, क्या हो जब एक अप्सरा को ऐसी अनमोल शक्ति की रक्षा करनी पड़े, जिसे हासिल करने के लिए बुरी ताकतें किसी भी हद तक जाने को तैयार हों? स्टार प्लस ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल फैंटेसी गाथा 'अप्सरा' का पहला किरदार लुक जारी किया है। समीक्षा जायसवाल और पारस कलनावत की मुख्य भूमिकाओं वाला यह शो 21 अक्टूबर से रात 10:30 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर शुरू होगा। मुक्ता धोंड द्वारा निर्मित इस शो में अनुष्का मर्चेंडे, अदा खान, अविका गौर, मोना वासु और पूर्वा गोखले भी अहम् भूमिकाओं में नज़र आएँगी। समुद्र मंथन से अप्सराओं और अमृत की उत्पत्ति की पौराणिक कथा से प्रेरित यह शो एक नई कल्पना प्रस्तुत करता है। कहानी में अमृत आज भी मौजूद है और उसकी रक्षा की ज़िम्मेदारी अप्सराओं के पास है। अब बुरी ताकतों की नज़र अमृत कलश पर है, जिसे गलत हाथों में जाने से बचाने के लिए उसकी रक्षकों को संघर्ष करना होगा। शो का पहला लुक अप्सरा की शक्तियों की झलक पेश करता है और उस किरदार को लेकर उत्सुकता जगाता है, जिसे इस प्राचीन रहस्य की रक्षा का दायित्व सौंपा गया है। समीक्षा जायसवाल कहती हैं, "एक ऐसी अप्सरा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक है, जिसकी पहचान सिर्फ उसकी सुंदरता तक सीमित नहीं है। मैं सुनहरी का किरदार निभा रही हूँ, जिसे बुरी ताकतों से अमृत की रक्षा करने की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी मिली है। साथ ही, उसकी ज़िंदगी में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिनसे वह बेहद प्यार करती है और जिन्हें सुरक्षित रखना चाहती है। मुझे सबसे दिलचस्प यही लगता है कि वह अमृत की रक्षा और अपने प्रियजनों की सुरक्षा, इन दोनों ज़िम्मेदारियों को कैसे निभाती है। उसका साहस, उसकी भावनाएँ और उसके फैसले उसकी असली पहचान हैं। उसे भी डर लगता है और अपनों की चिंता होती है, लेकिन फिर भी वह हिम्मत जुटाकर आगे बढ़ती है। यह अप्सरा किसी नायक के आने का इंतज़ार नहीं करती। वह खुद अपनी कहानी की नायक है।" 'अप्सरा' 21 अक्टूबर से रात 10:30 बजे स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर शुरू होगा।

भारतीय सिनेमा को ऑस्कर के मंच तक पहुँचाया आमिर खान ने: सुभाष घई

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता सुभाष घई ने हाल ही में अभिनेता आमिर खान की जमकर प्रशंसा की है। सुभाष घई ने घोषणा की कि आमिर खान उनके एक्टिंग स्कूल व्हिसलिंग वुड्स में आयोजित होने वाले सेलिब्रेट सिनेमा 2026 कार्यक्रम में एक विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर की फिल्म सितारे जमीन पर की विशेष स्क्रीनिंग भी की जाएगी। फिल्म निर्माता ने आमिर के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने आमिर खान की प्रतिभा और हिंदी सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। अपनी पोस्ट में, सुभाष घई ने सवाल उठाया, आमिर खान में ऐसा क्या खास है?, और फिर खुद ही इसका जवाब देते हुए उनकी पांच बड़ी उपलब्धियों को विस्तार से गिनाया, जो उन्हें एक अद्वितीय कलाकार बनाती हैं। घई ने सबसे पहले फिल्म लगान का जिक्र किया, जिसके माध्यम से आमिर खान ने भारतीय सिनेमा को ऑस्कर के मंच तक पहुँचाया और वैश्विक स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया। उन्होंने दंगल को आमिर की दूसरी बड़ी उपलब्धि बताया, जिसमें उन्होंने एक पिता का किरदार निभाया और यह फिल्म चीन सहित दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ सफल रही, जिसने न केवल व्यावसायिक सफलता हासिल की बल्कि एक प्रेरणादायक कहानी भी प्रस्तुत की। तीसरी उपलब्धि के रूप में, घई ने तारे जमीन पर जैसी संवेदनशील फिल्म का उल्लेख किया, जिसने डिस्लेक्सिया जैसी स्थिति के प्रति लोगों की सोच को बदल दिया और समाज में जागरूकता पैदा की। चौथी उपलब्धि के रूप में, उन्होंने आमिर की हालिया, 2025 में रिलीज हुई फिल्म सितारे जमीन पर की zप्रशंसा की, जो दिव्यांग लोगों के अदम्य जज्बे को सलाम करती है। घई ने बताया कि आमिर ने न केवल इस फिल्म का निर्माण किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है, और यह एक यादगार सुपरहिट साबित हुई है। अंत में, सुभाष घई ने आमिर खान को सिनेमा का सबसे पसंदीदा और हर तरह के किरदार निभाने वाला अभिनेता बताया। उन्होंने आमिर को एक बेहतरीन प्रोड्यूसर, गहरा विचारक, प्रतिबद्ध समाजसेवी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का सच्चा दोस्त भी करार दिया।

सर्दियों के दौरान त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

सर्दियों में ठंडी हवाएं और कम नमी के कारण त्वचा का नमी स्तर काफी गिर जाता है। इससे त्वचा रूखी हो जाती है और उसमें जलन महसूस होने लगती है। इस मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है ताकि वह स्वस्थ और चमकदार बनी रहे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को सर्दियों में भी हाइड्रेट रख सकते हैं। सर्दियों में भी रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। यह आपके शरीर से गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है और आपकी त्वचा को अंदर से नमी देता है। एक व्यक्ति को दिनभर में 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इसके अलावा आप नारियल पानी, ताजे फलों का रस और जड़ी-बूटी वाली चाय भी पी सकते हैं। इससे आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलेंगे और वह स्वस्थ रहेगी। मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है और उसे रूखेपन से बचाता है। सर्दियों में एक अच्छा गुणवत्ता वाला मॉइस्चराइजर चुनें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो गाढ़ा मॉइस्चराइजर चुनें, जबकि तैलीय त्वचा वालों के लिए हल्का जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर बेहतर रहेगा। नहाने के बाद गीली त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि इससे नमी त्वचा में बंद रहती है। सप्ताह में दो बार हाइड्रेटिंग मास्क का उपयोग करना आपकी त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान कर सकता है और उसे ताजगी महसूस करवा सकता है। आप बाजार से तैयार हाइड्रेटिंग मास्क खरीद सकते हैं या घर पर ही फलों, दही या शहद से बने मास्क लगा सकते हैं। इनसे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार बनेगी। इसके अलावा हाइड्रेटिंग मास्क लगाने से त्वचा की थकान भी दूर होती है और वह तरोताजा महसूस करती है। भाप लेना न केवल आपके चेहरे की गंदगी को साफ करता है, बल्कि यह रोमछिद्रों को खोलकर त्वचा को हाइड्रेट करने में भी मदद करता है। भाप लेने से ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स भी आसानी से निकल जाते हैं। इसके अलावा इससे रक्त संचार बढ़ता है, जिससे त्वचा में निखार आता है। भाप लेने के बाद जब त्वचा खुली रोमछिद्रों में मॉइस्चराइजर लगाने से वह गहराई तक अवशोषित हो जाता है और त्वचा को भरपूर नमी मिलती है।

संतुलित आहार अपनाएं

आपकी त्वचा का स्वास्थ्य आपके आहार पर भी निर्भर करता है। विटामिन-सी, विटामिन-ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ आपकी त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ रखते हैं। फल-सब्जियां, नट्स, बीज, मछली आदि अपने आहार में शामिल करें ताकि आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलें। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को सर्दियों में भी हाइड्रेट रख सकते हैं और उसे स्वस्थ बना सकते हैं।

हॉकी इंडिया लीग के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए नई टीम तैयार करना हमारा लक्ष्य : क्रेग फुल्टन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दो दिन पहले आइची-नागोया एशियाई खेलों में मलेशिया को फाइनल में 5-1 से हराकर अपने एशियाई खेलों के खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। इस जीत के साथ हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स-2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई भी कर लिया। भारतीय पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने साई मीडिया से विशेष बातचीत में कहा कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक अब ज्यादा दूर नहीं है और हॉकी इंडिया लीग के बाद उन्हें नई टीम तैयार करने पर काम करना होगा। इसमें टीम में अधिक युवा खिलाड़ियों को शामिल कर अनुभव और युवा जोश के बीच बेहतर संतुलन बनाने पर जोर रहेगा। फुल्टन ने कहा, "लॉस एंजिल्स 2028 दो साल के भीतर है। ऐसा लगता है कि अभी काफी समय है, लेकिन यह समय बहुत जल्दी आ जाता है। फिलहाल हम सही कार्यक्रम और सही योजना तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें यह तय करना है कि दो साल पहले, एक साल पहले और छह महीने पहले हमारी तैयारी कैसी होनी चाहिए और उसी के अनुसार योजना बनानी है। हां, मुझे लगता है कि हर टीम में अनुभव और युवाओं के अपने चरण होते हैं। हमारे पास इस समय अनुभवी खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह है।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन भारतीय ए टीम और मजबूत अंडर-21 टीम में हमारे पास काफी युवा प्रतिभा है, जो शानदार है। इसलिए अगले दो-तीन महीनों में, मेरा मानना है कि हॉकी इंडिया लीग के बाद हम अपनी पूरी प्रतिभा पर नजर डालेंगे, नई टीम चुनेंगे और वहां से नए सिरे से शुरुआत करेंगे।" यह भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियाई खेलों में कुल पांचवां स्वर्ण पदक है।

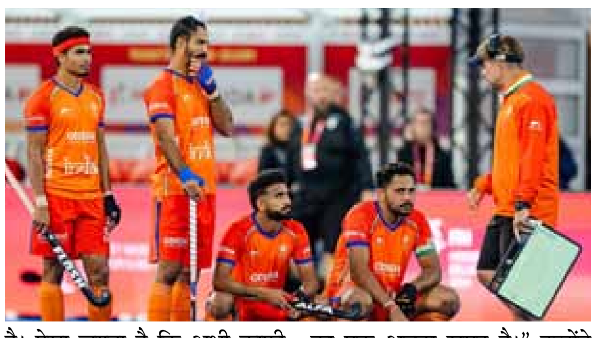

इससे पहले टीम ने 1966 बैंकॉक, 1998 बैंकॉक, 2014 इंचियोन और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 1996 और 2004 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व कर चुके फुल्टन ने लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने को विशेष उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, "व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए ये एशियाई खेल बहुत अनोखे रहे। यह पिछले एशियाई खेलों से बहुत अलग था, क्योंकि हम यहां अन्य स्पर्धाओं और खिलाड़ियों से एक तरह से अलग थे। यहां कोई तथाकथित खेल गांव नहीं था, लेकिन साथ ही हमारी अपनी दिनचर्या थी। हम मैदान पर जाते थे, खेलते थे, वापस आते थे और सब कुछ उसी तरह चलता था, लेकिन हांगझोउ में पहला स्वर्ण पदक जीतना बहुत खास था। लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर उसका बचाव करना हमेशा विशेष होता है।"

'हांगकांग सिक्सेस' में भारत की कप्तानी करेंगे भुवनेश्वर कुमार

एजेंसी, नई दिल्ली

अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आगामी हांगकांग सिक्सेस-2026 में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। टूर्नामेंट का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होगा। भारतीय टीम में भुवनेश्वर के अलावा क्रुणाल पांड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नीतीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी. नटराजन को शामिल किया गया है। हांगकांग सिक्सेस छह खिलाड़ियों के साथ खेला जाने वाला तेजतर्रार प्रारूप है, जिसमें खिलाड़ियों को अपनी लय बनाने के लिए ज्यादा समय नहीं मिलता। मुकाबले तेज गति वाले और अधिक स्कोर वाले होते हैं तथा आक्रामक क्रिकेट पर जोर रहता है। बल्लेबाजों को खुलकर शॉट खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि प्रत्येक खिलाड़ी से गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सहित सभी विभागों में योगदान की उम्मीद रहती है। भारतीय टीम हांगकांग सिक्सेस में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से वापसी करेगी। भारत ने 2025 के अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के तहत दो रन की जीत से की थी, लेकिन इसके बाद के मुकाबलों में हार के साथ उसका अभियान समाप्त हो गया था। पाकिस्तान 2026 संस्करण में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। उसने पिछले साल फाइनल में पदार्पण करने वाले कुवैत को हराकर हांगकांग सिक्सेस का रिकॉर्ड छठा खिताब अपने नाम किया था। इस संस्करण में आठ प्रमुख क्रिकेट देशों के अलावा चार एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड पर तेज गति और आक्रामक क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा।

धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का भारत पर 20 और वेस्टइंडीज पर 10 प्रतिशत जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और वेस्टइंडीज पर शनिवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए टी-20 के तीन मैचों की श्रृंखला के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का 20 प्रतिशत, जबकि वेस्टइंडीज पर 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भारत निर्धारित ओवर गति से चार ओवर और वेस्टइंडीज दो ओवर पीछे रहा। दोनों टीमों के कप्तानों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए प्रस्तावित सजा को मान लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल के प्रकाश भट्ट ने ये प्रतिबंध लगाए। मैदान पर अंपायर जयरामन मदनगोपाल और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद तथा चौथे अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने धीमी ओवर गति के आरोप लगाए थे। वेस्टइंडीज ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले से पहले तीन मैचों की श्रृंखला 0-2 से गंवा दी थी, लेकिन न्यू चंडीगढ़ में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर भारत दौरे के एकदिवसीय चरण का शानदार अंत किया। शाई होप ने नाबाद 162 रन की पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वेस्टइंडीज ने 352 रन के लक्ष्य का सफल पीछा करते हुए पुरुष एकदिवसीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। अब दोनों टीमें पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जिसका पहला मुकाबला 6 अक्टूबर से खेला जाएगा।

ओलंपिक में सीधे प्रवेश से अब तैयारियों के लिए अधिक समय मिलेगा : मनप्रीत

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 का टिकट मिलने से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब वह दूने उत्साह से ओलंपिक की तैयारियों में लगेगी। मनप्रीत के अनुसार एशियाई खेलों में जीत से ये लाभ हुआ है कि टीम को सीधे ओलंपिक में जगह मिली है। जिससे अब उसके पास तैयारियों के लिएस काफी समय हो गया है। ऐसे में टीम अब आराम से अपनी कमजोरियों को दूसर करने पर काम कर सकती है। टीम के ओलंपिक जैसे बड़े आयोजन के लिए सुनियोजित तैयारी करने का समय मिल गया है। यह एक रणनीतिक लाभ है जो भारतीय हॉकी को विश्व मंच पर अपनी स्थिति और मजबूत करने का अवसर देगा। मनप्रीत ने कहा कि एशियाई खेल टीम के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था । उन्होंने कहा, एशियाई खेल हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने इससे सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें अब ओलंपिक क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और इस दौरान हम अपने कौशल को बेहतर बनाने पर काम कर सकते हैं। इसके साथ ही जो चीजें कमजोर हैं उन पर ध्यान दे सकते हैं। मनप्रीत एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय हॉकी खिलाड़ी हैं।

ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक का प्रतीक चिन्ह होगा ऑस्ट्रेलियाई तोता कॉकटू

एजेंसी, ब्रिस्बेन

ब्रिस्बेन-2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए ऑस्ट्रेलियाई पक्षी कॉकटू को आधिकारिक प्रतीक चिन्ह के रूप में चुना गया है। कॉकटू ने कंगारू, कोआला और 'बिन चिकन' जैसे विकल्पों को पछाड़कर यह स्थान हासिल किया है। हालांकि, आधिकारिक लॉन्च से पहले प्रतीक चिन्ह के सोशल मीडिया पर गलती से लीक होने के कारण आयोजकों को थोड़ी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। आयोजकों ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। ओलंपिक प्रतीक चिन्ह में गुलाबी कॉकटू का क्रेस्ट दिखाया गया है। इसके रंग को ओलंपिक और पैरालंपिक लौ जैसा रूप दिया गया है, जबकि इसका आकार मेजबान राज्य क्वींसलैंड से प्रेरित है। कॉकटू ऑस्ट्रेलिया और आसपास के क्षेत्रों में पाया जाने वाला एक खास प्रकार का बड़ा तोता है। यह अपनी आकर्षक कलगी, चमकीले रंग और मिलनसार स्वभाव के लिए जाना जाता है। कॉकटू को ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख पक्षी प्रजातियों में शामिल किया जाता है। ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एड्रियन श्रिनर ने आधिकारिक बयान में कहा कि ये प्रतीक चिन्ह हमारे शहर और हमारी जीवनशैली का उत्सव हैं। उन्होंने कहा, "वे उस ब्रिस्बेन को दर्शाते हैं, जिसे लोग जानते हैं और पसंद करते हैं—जीवंत, मजबूत, जुड़ा हुआ, मित्रवत, चंचल और थोड़ा शरारती। वे हमारे शहर में बढ़ रहे उत्साह का भी प्रतीक हैं। खेलों के शुरू होने में छह साल से थोड़ा कम समय बचा है और हम दुनिया को ऑस्ट्रेलिया की जीवनशैली की राजधानी में स्वागत करने की तैयारी पहले ही शुरू कर चुके हैं।"

बिजनेस

नए द्विपक्षीय निवेश संधि ढांचे को जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) का नया ढांचा तैयार है। इसे निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल बनाने के उद्देश्य से जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बावजूद भारत निवेश सुरक्षा समझौतों पर बातचीत जारी रखे हुए है। वित्त मंत्री सीतारमण नई दिल्ली में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक चर्चा के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से तैयार किए जा रहे नए खाके का उद्देश्य 2016 में मंजूर किए गए खाके की खामियों को दूर करना और दोनों देशों के निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ भी इसी तरह के समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि हम कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं और उनमें नए खाके में शामिल कई और प्रावधानों को शामिल किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की कनाडा और रूस समेत कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी है। अगर बातचीत उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ती है, तो कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक पूरी हो सकती है। भारत और अमेरिका व्यापार समझौते पर वित्त मंत्री ने कहा कि इसे अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और बातचीत ''कठिन'' रही है। हालांकि, हम यह मानना चाहेंगे कि दोनों पक्ष उस स्थिति तक पहुंच गए हैं, जहां से आगे कुछ देना या लेना बहुत, बहुत मुश्किल होगा। हालांकि, अगर आगे बढ़ने की कुछ गुंजाइश है, तो शायद दोनों पक्ष ऐसा करेंगे। सीतारमण ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों की प्रमुख विशेषता भारत के पक्ष में व्यापार असंतुलन है, अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका अपने नजरिये से उन चीजों की भरपाई करने की कोशिश करेगा, जिन्हें उसका मानना है कि उसने वर्षों से खोया है। चीन के साथ भारत के व्यापार संबंधों की तुलना करते हुए सीतारमण ने कहा कि व्यापार असंतुलन का पारंपरिक रूप से बातचीत के जरिये समाधान किया जाता रहा है और देश अपने सामान तथा सेवाओं के लिए अधिक बाजार पहुंच की मांग करते रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए शुल्क का इस्तेमाल तेजी से एक साधन के रूप में किया जा रहा है।

जर्मन ग्रीन स्टील का शेयर तीन फीसदी से अधिक बढ़त के साथ हुआ सूचीबद्ध

एजेंसी, नई दिल्ली

जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर लिमिटेड का शेयर अपने 139 रुपये के निर्गम मूल्य मुकाबले तीन फीसदी से अधिक बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 143.50 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 3.23 फीसदी अधिक है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 2.15 फीसदी की बढ़त के साथ 142 रुपये पर कारोबार शुरू किया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 1,004.03 करोड़ रुपये रहा। जर्मन ग्रीन स्टील एंड पावर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले हफ्ते मंगलवार को बोली लगाने के अंतिम दिन 28.98 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 304 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 132-139 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी की योजना नए शेयर से जुटाई गई धनराशि का इस्तेमाल गुजरात के कच्छ जिले के सामखियाली में विनिर्माण इकाई के विस्तार, पवन एवं सौर ऊर्जा के संयुक्त संयंत्र की स्थापना, कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए करेगी।

जीएसटी परिषद की बैठक 07 अक्टूबर को, व्यापक सुधारों को मंजूरी और छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को मिलेगी राहत

एजेंसी, नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक बुधवार, 07 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित हो रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में परषिद कारोबारियों के लिए कर अनुपालन को आसान बनाने के लिए व्यापक प्रक्रियागत सुधारों पर विचार कर सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि जीएसटी परिषद 07 अक्टूबर को होने वाली 57वीं बैठक में देश के इनडायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़े सुधारों को अपनी मंजूरी दे सकती है। नए प्रस्ताव के तहत टैक्स अधिकारियों से सीधे गिरफ्तार करने का अधिकार वापस लेने और फर्जीवाड़े के आपराधिक मामलों की सीमा बढ़ाने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक 07 अक्टूबर की होने वाली बैठक के एजेंडा में गिरफ़्तारी के अधिकार और इनपुट-टैक्स-क्रेडिट में सुधार शामिल है। इसके अलावा बैठक में छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को जीएसटी पंजीकरण के लिए मंच के गोदामों का उपयोग की अनुमति देना, साथ ही वास्तविक खरीदारों के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की रक्षा करना और कम मूल्य के मुकदमों को घटाना शामिल है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी 2.0 प्रक्रिया सुधारों के तहत ये प्रस्ताव पंजीकरण और रिटर्न दाखिल करने को और सरल बनाने, माल की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने तथा करदाताओं और कर विभाग के बीच विवादों को कम करने पर केंद्रित हैं।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 518 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक से पहले हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख संवेदी सचकांक सेंसेक्स करीब 520 अंक और निफ्टी में भी 180 अंकों की तेजी देखने को मिल रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 517.62 अंक यानी 0.72 फीसदी की उछाल के साथ 72,427.33 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 132.45 अंक यानी 0.59 फीसदी की बढ़कर 22,554.40 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बैंकिंग, मेटल और एफएमसीजी शेयरों में आज ज्यादा खरीदारी है। इसके अलावा भारतीय मुद्रा की बात करें तो रुपये में भी हल्की मजबूती देखने को मिल रही है।

इंडिगो 6 अक्टूबर से घरेलू, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर बढ़ाएगी ईंधन अधिभार

एजेंसी, नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार बढ़ाने की ऐलान किया है। संशोधित शुल्क 6 अक्टूबर से लागू होंगे, जिससे हवाई किराये में बढ़ोतरी होगी। विमानन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को कहा कि घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर ईंधन अधिभार में 100 रुपये से 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी ईंधन अधिभार बढ़ाया गया है। इंडिगो ने कहा कि ईंधन की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और हाल में मासिक आधार पर वृद्धि 14 फीसदी से अधिक रही है। कंपनी ने कहा कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की लागत पिछले एक दशक के दौरान के सबसे ऊंचे स्तरों में पहुंच गई है। कंपनी ने कहा कि विमान ईंधन, विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक अहम हिस्सा है। एटीएफ की कीमतों में इस बढ़ोतरी से इंडिगो समेत सभी विमानन कंपनियों की लागत संरचना और नेटवर्क से जुड़ी आर्थिक स्थिति प्रभावित होने की आशंका है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए उसने अपनी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार में मामूली बदलाव किया है।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट में 0.25 फीसदी वृद्धि संभव

एजेंसी, मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक सोमवार से शुरू हो गई है। आर्थिक मामलों के जानकारों ने इस बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी किया जाने की संभावना जताई है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मुंबई में यह समीक्षा बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक चलेगी। इसके बाद संजय मल्होत्रा 7 अक्टूबर को सुबह 10 बजे एमपीसी की मौद्रिक नीति के फैसले की जानकारी देंगे। बैठक में महंगाई, आर्थिक गतिविधियों और नीतिगत ब्याज दरों (रेपो रेट) की स्थिति की समीक्षा होगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई के जोखिमों के बीच इस बार नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी की पूरी संभावना दिख रही है। अर्थशास्त्रियों और बैंक अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के दोबारा गहराने से पैदा हुए मुद्रास्फीति के दबाव के बीच रिजर्व बैंक अक्टूबर माह की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। इससे पहले ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने अक्टूबर-दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा की बैठकों में नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी तक की बढ़ोतरी का अनुमान जताया

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।